■ निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार न करें : सुप्रीम कोर्ट
- 12

■ भारत का निर्यात 11.8 प्रतिशत घटकर 34.38 अरब डॉलर पर
- 12

■ रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अब लगाएंगे कड़ी पाबंदियां
- 13

■ कोलकाता टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम पर उठे सवाल
- 14

आज का मौसम

26.0⁰ अधिकतम तापमान

14.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.30

सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 07:12उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 18 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 289, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आतंकी उमर को रॉकेट बनाने में मदद करने का साजिशकर्ता श्रीनगर से गिरफ्तार

आत्मघाती हमलावर का सक्रिय सहयोगी था जसीर बिलाल वानी, एनआईए ने कहा- हमलों के लिए तकनीकी रूप उमर की कर रहा था मदद

- विस्फोट में इस्तेमाल कार का मालिक आमिर 10 दिन के लिए एनआईए हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी

एनआईए ने राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक हुए विस्फोट की साजिश में शामिल एक और आरोपी जसीर बिलाल वानी को श्रीनगर से गिरफ्तार किया है।

एनआईए के मुताबिक वानी दिल्ली विस्फोट से पहले आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी की ड्रोन में संशोधन और रॉकेट बनाने के लिए तकनीकी मदद करता रहा था।

नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में आरोपी को ले जाती एनआईए टीम।

दो और घायलों की मौत 15 हुई मृतक संख्या

नई दिल्ली। दिल्ली विस्फोट में दो और घायलों की एलएनजेपी अस्पताल में मौत के बाद इस मामले में मृतकों की संख्या सोमवार को बढ़कर 15 हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान लुकमान (50) और विनय पाठक (50) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि कई और लोगों का अब भी इलाज जारी है।

इस बीच दिल्ली की एक अदालत ने पिछले दिनों गिरफ्तार किए गए दक्षिणी कश्मीर के पंपोर निवासी दिल्ली विस्फोट के आरोपी लाल किला विस्फोट के आरोपी आमिर राशिद अली को दिल्ली की एक अदालत ने 10 दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए के मुताबिक सोमवार को श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया जसीर बिलाल वानी ने दिल्ली विस्फोट मामले में 'सह साजिशकर्ता'की भूमिका निभाई थी और विस्फोट को अंजाम देने के लिए आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी के साथ सक्रिय रूप से काम किया था। एनआईए के मुताबिक अनंतनाग जिले के काजीगुंड निवासी वानी को दानिश के नाम से भी जाना जाता है। इस बीच, दिल्ली विस्फोट मामले में पहले गिरफ्तार किए गए आमिर राशिद अली को सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस अदालत परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना की अदालत में पेश किया गया। कोर्ट की कार्यवाही बंद कमरे में हुई और मीडियाकर्मियों को अदालत परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया। अदालत ने आरोपी को पूछताछ के लिए 10 दिन के लिए उसकी हिरासत में देने के एनआईए के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। इस दौरान अदालत परिसर के बाहर दिल्ली पुलिस और आरएएफ की भारी तैनाती रही। दंगारोधी उपकरणों से लैस कर्मियों को भी तैनात किया गया। एनआईए जांच में खुलासा हुआ था कि विस्फोट के लिए इस्तेमाल की गई कार आमिर के नाम पंजीकृत थी।

अल-फलाह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति का छोटा भाई धोखाधड़ी में गिरफ्तार

इंदौर। दिल्ली विस्फोट के बाद जांच के घेरे में आए फरीदाबाद के अल-फलाह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जवाद अहमद सिद्दीकी के छोटे भाई हमूद अहमद सिद्दीकी को मध्यप्रदेश पुलिस ने निवेशकों से धोखाधड़ी के करीब 25 साल पुराने कुछ मामलों में गिरफ्तार किया है। हमूद की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित था। इंदौर की पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) यांगचेन डोलकर भूटिया के मुताबिक महू पुलिस थाने में 25 साल पहले दर्ज तीन मामलों में हमूद को रविवार को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सिद्दीकी के खिलाफ धोखाधड़ी के ये मामले वर्ष 2000 में दर्ज किए गए थे। इनके अलावा उसके खिलाफ महू थाने में ही 1988 और 1989 के दौरान बलवे और हत्या के प्रयास के आरोपों में भी दो मामले दर्ज किए गए थे। भूटिया ने बताया कि हमूद फिलहाल हैदराबाद में शेयर बाजार में निवेश से जुड़ी एक निजी कंपनी चलाता है। वह मूलतः महू का रहने वाला है जहां वह 1995 के आसपास बतौर प्रबंध निदेशक एक निवेश कंपनी चलाते थे, इस कंपनी के बोर्ड में उसकी पत्नी और एक परिचित भी शामिल था। हमूद पर निवेश के नाम पर धोखाधड़ी कर करीब 40 लाख रुपये की धनराशि हड़पने के आरोप हैं।

ब्रीफ न्यूज

नए कलेवर वाली शोले फिल्म 12 दिसंबर को देशभर में होगी रिलीज

मुंबई। मशहूर हिंदी फिल्म शोले नए कलेवर में 'शोले-द फाइनल कट' नाम से 12 दिसंबर को पूरे भारत में सिनेमाघरों में फिर रिलीज होने वाली है। यह इस मशहूर फिल्म का पूर्णतः पुनर्स्थापित 'फोर के' संस्करण है। नये संस्करण में फिल्म का अंत बदल दिया गया है 'फोर के' को 'अल्ट्रा हाई डेफ़िनिशन' भी कहा जाता है जिसमें फिल्म ज्यादा स्पष्ट और विस्तृत छवि नजर आती है। धर्मेन्द्र, अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, जया बच्चन, संजीव कुमार और अमजद खान अभिनीत इस फिल्म ने इस वर्ष 15 अगस्त को अपनी स्वर्ण जयंती मनाई।

असम की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण आज से

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने नागरिकता के संबंध में विशिष्ट प्रावधानों वाले सीमावर्ती राज्य असम की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) मंगलवार से कराने की घोषणा की है जिसमें आगामी पहली जनवरी तक मतदाता बनने की अर्हता वालों के नाम शामिल किये जा सकते हैं। असम में एसआर की घोषणा ऐसे समय की गई है जबकि बिहार में एसआईआर का काम सितंबर में पूरा किया गया था।

हसीना को मौत की सजा

बांग्लादेश की विशेष न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में सुनाई सजा

- मानवता के विरुद्ध अपराध का आरोप छात्रों की हत्या का दोषी माना
- हसीना बोलीं- न्यायाधिकरण पूर्वाग्रह से ग्रसित एवं राजनीति से प्रेरित

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले वर्ष जुलाई में उनकी सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के दौरान किए गए मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए सोमवार को एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई। महीनों तक चले मुकदमे के बाद अपने फैसले में बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने 78 वर्षीय अवामी लीग की नेता को हिंसक, दमन का मास्टरमाइंड और सूत्रधार बताया, जिसमें सैकड़ों की मौत हो गई थी।

पिछले वर्ष 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद से हसीना भारत में रह रही हैं। इससे पहले अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। वहीं, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई है। अपनी प्रतिक्रिया में हसीना ने कहा कि यह फैसला एक गैरअधिकृत न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया है, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है।

उन्होंने कहा, वे पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित हैं। मृत्युदंड की अपनी घृणित मांग में, वे अंतरिम सरकार के भीतर चरमपंथी लोगों के निर्लज्ज और जानलेवा इरादे को उजागर करते हैं, जो बांग्लादेश की अंतिम निर्वाचित प्रधानमंत्री को हटाना चाहते हैं और अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में खत्म करना चाहते हैं। हसीना ने कहा कि वह उन पर आरोप लगाने वालों का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरतीं, जहां साक्ष्यों का निष्पक्ष मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है। उन्होंने कहा, इसीलिए मैंने अंतरिम सरकार को बार-बार चुनौती दी है कि वह इन आरोपों को हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के समक्ष लाए। यह फैसला बांग्लादेश में संसदीय चुनावों से कुछ महीने पहले आया है। वहीं, हसीना के सहयोगी, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) चौधरी अब्दुल्ला अल-मामुन, जो सरकारी गवाह बन गए थे, को भी इसी मामले में पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

बांग्लादेश के लोगों के हितों के लिए हम प्रतिबद्ध : भारत

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद, भारत ने सोमवार को कहा कि उसने फैसले पर गौर किया है और वह पड़ोसी देश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक रूप से बातचीत करेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत लोगों के सर्वोत्तम हितों के लिए प्रतिबद्ध है। अवामी लीग की नेता पिछले साल 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद भारत में रह रही हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम इस दिशा में सभी हितधारकों के साथ सदैव रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे।

हसीना को प्रत्यर्पित करने का बांग्लादेश ने किया आग्रह

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल को तुरंत प्रत्यर्पित करने का सोमवार को भारत से आग्रह किया। बांग्लादेश ने यह अनुरोध हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटे बाद किया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा, हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इन दोनों दोषियों को तत्काल बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंप दे। मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच मौजूदा द्विपक्षीय प्रत्यर्पण समझौता दोनों दोषियों के स्थानांतरण को नई दिल्ली की अनिवार्य जिम्मेदारी बनाता है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि मानवता के विरुद्ध अपराध के दोषियों को शरण देना एक ऐसा रवैया है जिसे मित्रतापूर्ण नहीं कहा जा सकता और यह न्याय के प्रति अनादर होगा।

मक्का से मदीना जा रहे 42 भारतीयों की मौत

- सऊदी अरब में हुआ हादसा, बस डीजल टैंकर से टकराकर जली
- सिर्फ ड्राइवर जिंदा बचा, पीएम मोदी ने दुख जताया

नई दिल्ली, एजेंसी

सऊदी अरब के मदीना में रविवार देर रात को हुई भीषण बस दुर्घटना में 42 भारतीय उमराह जायरीन मारे गए हैं। इनमें से अधिकतर तेलंगाना से थे। अधिकारियों ने बताया कि करीब 42 भारतीय बस में यात्रा कर रहे थे। बस देर रात करीब डेढ़ बजे (भारतीय समयानुसार) तेल के एक टैंकर से टकरा गई थी। बस मक्का से मदीना जा रही थी। जेद्दा स्थित भारतीय मिशन ने स्थिति का आकलन करने के लिए अधिकारियों को दुर्घटनास्थल पर भेजा है। अधिकारियों ने कहा, इस समय हम हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकते क्योंकि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसे में सिर्फ ड्राइवर जिंदा बचा है।

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने प्रारंभिक सूचना का हवाला देते हुए मृतक संख्या बताई और कहा कि 9 नवंबर को यहां से कुल 54 लोग उमराह के लिए जेद्दा गए थे। जेद्दा स्थित भारतीय मिशन ने बताया कि उसने सहायता समन्वय के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर दोनों ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

भारतीय दूतावास ने कहा- यहां के अधिकारियों के संपर्क में हैं

मदीना में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह और भारतीय दूतावास सऊदी हज एवं उमराह मंत्रालय तथा अन्य स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। वे संबंधित उमराह संचालकों के भी संपर्क में हैं। वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों और भारतीय समुदाय के स्वयंसेवकों की एक टीम विभिन्न अस्पतालों और अन्य स्थलों पर मौजूद है। रियाद स्थित दूतावास और जेद्दा स्थित वाणिज्य दूतावास पूरी सहायता प्रदान कर रहे हैं। दूतावास और वाणिज्य दूतावास के अधिकारी संबंधित परिवारों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए तेलंगाना राज्य के संबंधित अधिकारियों के भी संपर्क में हैं।

भाजपा जनकल्याण को प्रतिबद्ध, इसीलिए जीतती है चुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी बोले- बिहार के नतीजों से साफ, अपनी आकांक्षाएं पूरा करने वाले दलों पर ही भरोसा करते हैं लोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बिहार चुनाव के नतीजों ने यह सबक सिखाया है कि सरकार से लोगों की आकांक्षाएं बहुत ज्यादा हैं और वे अच्छी नीयत वाले राजनीतिक दलों पर भरोसा करते हैं।

मोदी ने यहां छठा रामनाथ गोयनका व्याख्यान देते हुए कहा कि चाहे केंद्र सरकार हो या क्षेत्रीय दलों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारें, उनका प्राथमिक ध्यान विकास पर होना चाहिए। भाजपा इसीलिए चुनाव जीतती है क्योंकि वह चौबीस घंटे लोगों के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी ने कहा, बिहार चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर भारत के लोगों की ऊंची आकांक्षाओं को लेकर एक सबक सिखाया है। भारत के लोग आज उन राजनीतिक दलों पर भरोसा करते हैं जिनकी नीयत अच्छी है और जो लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करते हैं एवं विकास को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा, मैं राज्य सरकारों को निवेश आकर्षित करके और विकास को बढ़ावा देकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के लिए दृढ़तापूर्वक प्रोत्साहित करता हूं। व्यापार को आसान बनाने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन इस दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है।

मोदी ने कहा कि व्यक्ति को लोगों के कल्याण के लिए हमेशा भावनात्मक रूप से काम करना चाहिए, न कि चुनाव को ध्यान में रखकर। मोदी ने कहा कि दुनिया भारत के विकास मॉडल को उम्मीद के मॉडल के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा, वैश्विक अस्थिरताओं के बावजूद हमारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। भारत न केवल एक उभरता हुआ बाजार है, बल्कि एक उभरता हुआ मॉडल भी है। मोदी ने कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए आतुर है, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद यह तेजी से विकास कर रहा है।

बिहार में नई सरकार का शपथ ग्रहण 20 को

पटना। बिहार में नयी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 नवंबर को पटना में होने की संभावना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राजग के कई शीर्ष नेता और केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 19 नवंबर को निवर्तमान सरकार के प्रमुख के रूप में राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि नवनिर्वाचित विधायक मंगलवार को बैठक कर अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करेंगे।

दुधवा में एक साथ 3 बाघ देख झूमे सैलानी

लखीमपुर खीरी। दुधवा टाइगर रिजर्व के दुधवा पर्यटन क्षेत्र में सोमवार की सुबह पर्यटकों को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने उनके सफारी अनुभव को जीवनभर के लिए यादगार बना दिया। दिल्ली, लखनऊ व बरेली से आए इन पर्यटकों को सफारी के दौरान अचानक एक साथ तीन बाघ सड़क पर टहलते दिखाई दिए। इनमें एक वयस्क नर, एक वयस्क मादा और एक अर्धवयस्क बाघ शामिल था।

आजम-अब्दुल्ला को फिर जेल

दो पैन कार्ड मामले में कोर्ट ने सुनाई सात-सात साल की सजा

- 50-50 हजार का लगाया जुर्माना, सजा मिलने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दो पैन कार्ड मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने आजम खां व अब्दुल्ला आजम को 7-7 साल की सजा सुनाई। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। मुकदमे के वादी विधायक आकाश सक्सेना भी मौजूद रहे।

दो पैनकार्ड मामले में भाजपा विधायक आकाश ने 2019 में सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। विधायक ने अब्दुल्ला के अलग-अलग

कोर्ट में पेश होने जाते आजम खां।

जन्मतिथि से दो पैन कार्ड बनवाने का आरोप लगाया। एक पैनकार्ड में जन्म तिथि 1 जनवरी 1993 है। दूसरे में जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्ज है। पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिए थे। इसमें आजम खां भी आरोपी हैं। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में हो रही थी। दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया।

गुनहगार समझा तो सजा सुनाई : आजम

रामपुर। सोमवार को कोर्ट ने सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला आजम खां को पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा सुनाई। जिला जेल के गेट पर मीडियाकर्मियों से आजम खां ने कहा कि कोर्ट ने गुनाहगार समझा तो सजा सुना दी है। कोर्ट के फैसले का हम स्वागत करते हैं। उसके बाद आजम खां जेल के अंदर चले गए।

जनता दर्शन | योगी बने सहारा, एंबुलेंस से बच्चे को भिजवाया केजीएमयू

मुख्यमंत्री ने मां की गुहार पर बच्चे का शुरू कराया इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जनता दर्शन' ने सोमवार को एक मां के जीवन में आशा की किरण जगा दी। वह सात माह के बीमार मासूम बेटे को गोद में लेकर मुख्यमंत्री आवास पहुंची। बच्चे को हृदय संबंधी गंभीर समस्या और आर्थिक तंगी की जानकारी होते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल बच्चे के उच्चस्तरीय इलाज के निर्देश दिए। इसके बाद उसे एंबुलेंस से केजीएमयू भेजा गया और कुलपति को इलाज की तत्काल व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

'जनता दर्शन' में सोमवार को प्रदेश भर से 60 से अधिक लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रत्येक व्यक्ति के पास गए, उनके प्रार्थना पत्र लिए और समस्या विस्तार से सुनी। इसी दौरान राजेंद्र नगर, ऐशबाग की रहने वाली एक महिला अपने साथ 7 माह के मासूम बेटे को लेकर पहुंची और मुख्यमंत्री को बच्चे की गंभीर बीमारी व आर्थिक हालात खराब होने की जानकारी दी।

अपने बच्चे के इलाज हेतु एक मां की व्यथा सुनते मुख्यमंत्री योगी।

जमीन कब्जे की शिकायत

जनता दर्शन में बुलंदशहर से आए अर्धसैनिक बल के जवान ने अपनी जमीन कब्जे की शिकायत रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार की है। उन्होंने अधिकारियों को मामले की जांच कर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

महिला की व्यथा सुनते ही मुख्यमंत्री ने बच्चे को दुलारा और भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी मदद करेगी, आप निश्चिंत रहें। तत्काल निर्देश पर बच्चे को सीएम आवास से एंबुलेंस द्वारा केजीएमयू भेजा गया और कुलपति को इलाज की तत्काल व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

आदेश मिलते ही मासूम का इलाज शुरू कर दिया गया। योगी अन्य मामलों में भी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। जमीन कब्जा, पुलिस, बिजली, आर्थिक सहायता और विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सलखन फॉसिल्स पार्क में वैज्ञानिक अभिलेखन

अमृत विचार, लखनऊ : सोनभद्र के सलखन में मौजूद अवसादी संरचनाओं में पृथ्वी पर 1.4 अरब वर्ष पुराने जीवन के शुरूआती चरणों के प्रत्यक्ष प्रमाण मिले हैं। ये संरचनाएं केवल जीवाश्म नहीं बल्कि रासायनिक-जीव वैज्ञानिक स्मारक हैं, जो पृथ्वी के निर्जीव से सजीव ग्रह बनने की कहानी समेटे हुए हैं। उक्त प्रमाणों का सूक्ष्म वैज्ञानिक अभिलेखन शुरू हो गया है। दो दिवसीय इस फील्ड अध्ययन की शुरुआत सोमवार को विशेषज्ञ टीम ने शुरू की। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि सलखन फॉसिल पार्क में उप्र. इको टूरिज्म विकास बोर्ड और बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पाली साइंसेज (बीएसआईपी), लखनऊ की संयुक्त टीम ने अभिलेखन शुरू किया। बताया कि वैज्ञानिकों की टीम ने 17 नवम्बर को कैमूर की प्राचीन चट्टानों पर संरक्षित करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्मों का विस्तृत सर्वेक्षण किया।

जूनोटिक रोगों की रोकथाम को समझौता

अमृत विचार, लखनऊ : पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को विधानभवन स्थित उनके कार्यालय कक्ष में पशुपालन विभाग और जपाइगो (जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय से संबद्ध स्वास्थ्य संगठन) के बीच लखनऊ में जूनोटिक रोगों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों की रोकथाम और प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर औपचारिक हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर हस्ताक्षर पशुपालन विभाग के निदेशक-रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, डॉ. नेमपाल सिंह और जपाइगो के कंट्री डायरेक्टर डॉ. अमित शाह ने किए। इस मौके प्रमुख सचिव पशुधन एवं दुग्ध विकास, मुकेश मेश्राम, विशेष सचिव देवेंद्र पांडे और निदेशक (प्रशासन एवं विकास) डॉ. योगेन्द्र सिंह पंवार भी मौजूद रहे।

कम्प्यूटर ट्रेनिंग स्कीम के लिए आवेदन 20 से

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगी। इस उद्देश्य से संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना (ओ लेवल एवं सीसीसी) के दूसरे चरण के लिए समय-सारिणी जारी कर दी गई है। यह योजना उन प्रतिभागियों के लिए है, जो इंटरमीडिएट उत्तीर्ण हों और जिनके माता-पिता या अभिभावकों की वार्षिक आय अधिकतम 1 लाख रुपये हो। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि संस्थाओं का चयन किया जा चुका है। इन संस्थाओं में प्रशिक्षण के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 20 नवंबर से 1 दिसम्बर तक विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्रशिक्षणार्थियों के जिला-स्तरीय चयन के बाद 12 दिसम्बर से पूरे प्रदेश में एक साथ प्रशिक्षण सत्र प्रारम्भ कराए जाएंगे।

कृषि विशेषज्ञों ने गोष्ठी में रखे सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक छह ट्रिलियन यूएस डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें कृषि क्षेत्र से एक ट्रिलियन यूएस डॉलर के योगदान का रोडमैप तैयार है। विजन डॉक्यूमेंट 2047 को साधने के लिए 22 उद्देश्य रखे गए हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ के मरकरी ऑडिटोरियम में विकसित उत्तर प्रदेश-2047 के अंतर्गत बेस्ट प्रेक्टिस एवं विजन डॉक्यूमेंटेशन पर आयोजित विचार मंथन गोष्ठी में प्रतिभाग किया। इसमें कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्रों के विशेषज्ञ और प्रगतिशील किसान शामिल हुए हैं, जिन्होंने बदलते कृषि परिदृश्य और भावी आवश्यकताओं पर विचार रखे।

आतंकी भाई-बहन के सीधे संपर्क में थे लखनऊ के सात लोग

दिल्ली बम धमाका मामला : होटल में लोगों से मुलाकात कर बनती थी योजना, केंद्रीय व स्थानीय जांच एजेंसियां खंगाल रहीं सभी की कुंडली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : दिल्ली लाल किला बम धमाका कांड में खंदारी बाजार की डॉ. शाहीन शाहिद और उसके भाई डॉ. परवेज का नाम सीधे तौर पर जुड़ा है। जहां डॉ. शाहीन मास्टर माइंड तो डॉ. परवेज सबसे करीबी मददगार बताया जा रहा है। जांच एजेंसयां भाई-बहन के लखनऊ नेटवर्क को खंगाल रही हैं। एटीएस, स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियां शहर में उन लोगों को तलाश रही हैं, जिनसे दोनों भाई-बहन लगातार संपर्क में रहते थे। शुरुआती जांच में यह बात स्पष्ट हुई है कि शाहीन और परवेज लखनऊ में सात से आठ लोगों के बेहद करीबी थे। उनसे हर दूसरे दिन बातचीत होती थी। इस मामले में राजधानी के करीब 25 संदिग्ध लोगों से सुरक्षा एजेंसियां व स्थानीय पुलिस ने पूछताछ किया है।

एटीएस ने रविवार को पारा के कुंदन विहार कालोनी से भाई-बहन को पकड़ा है। उनके नंबर पर भी डॉ. शाहीन व डॉ. परवेज के कॉल आने की बात सामने आई है। सुरक्षा एजेंसियां दोनों के मोबाइल नंबरों की डिटेल व चैट रिकार्ड खंगालने में जुटी है। जिनमें से कुछ नंबर ऐसे मिले हैं। जो काफी लंबे समय से शाहीन व परवेज से संपर्क में रहे। जांच में सामने आया कि संदिग्ध लोग राजधानी के अलग-अलग इलाके में रहते हैं। इनमें ज्यादातर पेशे से डॉक्टर, लैब तकनीशियन, पैरामेडिकल कर्मचारी और निजी अस्पतालों के कर्मचारी शामिल हैं। जांच टीमों ने ऐसे सभी लोगों की चिह्नित कर लिया है। जिनसे दोनों भाई-बहन की बातचीत होती थी। इनमें कुछ ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने हाल ही में अपने नंबर बदल लिए हैं। वहीं कुछ ने लखनऊ छोड़ने की तैयारी कर ली थी। जांच एजेंसियां उनकी तलाश में जुटी हुई है। उन सभी लोगों को लगातार ट्रेस किया जा रहा है। उनकी गतिविधियों को चेक किया जा रहा, शक होने पर उनसे पूछताछ की जाएगी। पकड़ने के बाद उन सभी लोगों के मोबाइल, लैपटाप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जा सकते हैं ताकि डिजिटल फोरेंसिक के जरिए उनकी गतिविधियों का पूरा रिकार्ड निकाला जा सके। एजेंसियों को उम्मीद है कि लखनऊ में मिले इन संपर्कों के आधार पर दिल्ली विस्फोट प्रकरण की कड़ियों को जोड़ने में मदद मिलेगी।

ले रहे लोकल इंटेलिजेंस यूनिट की मदद

जांच एजेंसियों को जिनका पता नहीं मिल रहा है। उसको तलाशने के लिए लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआइयू) की मदद ली जा रही है। डीसीपी मध्य विक्रांत वीर का कहना है कि किसको चिह्नित किया गया है। यह जानकारी नहीं है, लेकिन कुछ नाम व पते के बारे में जानकारी मांगी जा रही है। उसे टीम द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

तीन पासपोर्ट, सभी पर पते अलग-अलग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पासपोर्ट में जांच रिपोर्ट लगाने वाले पुलिसकर्मी भी संदेह के घेरे में
- पिता व भाई पर गहराया संदेह निगरानी बढ़ी

अमृत विचार: दिल्ली धमाके में पकड़ी गई खंदारी बाजार की डॉ. शाहीन शाहिद के पास से तीन पासपोर्ट मिला है। एजेंसियों ने जब इसकी जांच शुरू की तो फर्जीवाड़ा भी सामने आया। तीनों पासपोर्ट पर अलग-अलग पते, अलग-अलग अभिभावक के नाम दर्ज हैं। एजेंसियां इसे आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के लिए बनवाये जाने की बात कह रहीं हैं। इन पासपोर्ट को बनवाने व जांच करने वाले अधिकारियों के बारे में भी एजेंसियां जांच कर रही है।

दिल्ली लाल किला धमाका और फरीदाबाद में पकड़े गये भारी मात्रा में विस्फोटक में सफेद पोश आतंकी माड्यूल का खुलासा हुआ। इस मामले में अब तक देश की बड़ी सुरक्षा एजेंसियों एनआईए, एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 6 डॉक्टर, दो मौलवी समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। अभी तक की जांच में सामने आया कि इस मॉड्यूल की प्रमुख सदस्यों में अल-फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद की डॉ. शाहीन शाहिद है। एजेंसियों ने शाहीन की पासपोर्ट की जांच की तो कई चौंकाने वाले राज सामने आये। डॉ. शाहीन शाहिद के पासपोर्ट की जांच में कई संदिग्ध खुलासे हुए हैं। डॉ. शाहीन, जो लखनऊ की रहने वाली है। शुरुआत में वह कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से जुड़ी थी, तब उसने अपने पासपोर्ट को उसी अपडेट करवाया था। जिसमें पते और अभिभावक के नाम बदलते रहे। सूत्रों के अनुसार, यह बदलाव उनके धार्मिक कट्टरवाद और आतंकी घटना के बाद फरार होने की साजिश का हिस्सा है।

अंतिम पासपोर्ट इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के पते पर जारी

जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन के पासपोर्ट में पहले कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज का पता दर्ज था, जहां वे नौकरी करती थी। नौकरी छोड़ने के बाद दूसरे पासपोर्ट में लखनऊ का पता जोड़ा गया। तीसरे में फरीदाबाद का पता आया, जो अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा था। अंतिम पासपोर्ट में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ का पता दर्ज है, जहां उसके भाई परवेज अंसारी नौकरी करता है। परवेज को भी धार्मिक कट्टरवाद के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। साथ ही डॉ. शाहीन ने अपने अभिभावक का नाम भी कई हर बार बदल दिया है। पहले पासपोर्ट में पिता का नाम दर्ज है। वहीं दूसरे में पति और तीसरे में भाई का नाम दर्ज कराया है। जांच कर रही एजेंसी की माने तो यह सब डॉ. शाहीन की पहचान छिपाने और विदेश भागने की तैयारी में किया गया। तीन नवंबर को उसे गिरफ्तार किया गया तो वह दुबई भागने की तैयारी कर चुकी थी। इसके भी प्रमाण मिले हैं।

पाकिस्तान समेत नौ विदेश यात्राओं का खंगाला जा रहा ब्योरा

जांच एजेंसियों ने डॉ. शाहीन के विदेश यात्राओं का ब्योरा भी खंगालना शुरू कर दिया है। पासपोर्ट जांच से पता चला कि वह तीन बार पाकिस्तान गई। जहां जैश-ए-मोहम्मद के कैंपों से संपर्क किया है। इसकी जांच की जा रही है। वहीं, छह अन्य देशों की यात्राएं की हैं। 2013 में कानपुर नौकरी छोड़ने के बाद वे थाईलैंड गई। जिसके मॉड्यूल की शुरुआती फंडिंग या ट्रेनिंग से जुड़े होने की संभावना है। दिल्ली स्पेशल सेल, एनआईए और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम की जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन ने 2023 में मस्जिद के फर्जी पते पर सिम कार्ड लिया और परिवार के पतों से परहेज किया। इसकी भी जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां इस बात की जांच कर रही है कि डॉ. शाहीन के पासपोर्ट बनवाने के समय की गई पुलिस जांच में रिपोर्ट किसने लगाई? किस आधार पर उसके पते को सही माना गया? ऐसे पुलिसकर्मी भी चिह्नित किये जा रहे हैं। जांच एजेंसियां इन पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ करेगी।

छह दिसंबर को बड़े आतंकी हमले की थी तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सुरक्षा एजेंसियों की जांच व डॉ. शाहीन व डॉ. परवेज से पूछताछ में हुआ खुलासा
- शाहीन के पास मिले डिजिटल साक्ष्य, डायरी व नोट्स में दर्ज है पूरा प्लान

अमृत विचार: सुरक्षा एजेंसियों की गिरफ्त में आई डॉ. शाहीन शाहिद का कुबूलनामा चौंकाने वाला है। एजेंसियां डॉ. शाहीन को दिल्ली बम धमाके का मास्टर माइंड बता रहीं हैं। शाहीन के पास से मिले डिजिटल साक्ष्य, डायरी, उसके नोट्स की जांच की गई। जिसमें 6 दिसंबर को होने वाले आतंकी हमले के प्लान के बारे में विस्तार से बताया गया है। प्लान का एकमात्र उद्देश्य 1992 के बाबरी मस्जिद विध्वंस का बदला लेना था। एजेंसियां पूरे गिरोह के पर्दाफाश के लिए जुटी हैं।

एजेंसियों की जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन पर करीब चार वर्ष पूर्व एक करीबी रिश्तेदार ने शादी कर परिवार बसाने और नौकरी के बारे में दबाव बनाया। इस पर शाहीन ने कहा कि उसके परिवार नहीं कौम के लिए कुछ करने का समय आ गया है। जांच में सामने आया कि शाहीन जैश-ए-मोहम्मद से काफी पहले जुड़ी थी। वर्षों से इसका प्लान तैयार कर रही थी। इस मिशन की वह मास्टर माइंड है। डॉ. शाहीन को जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ''मैडम सर्जन'' कहकर बुलाते थे। शाहीन छह दिसंबर (बाबरी विध्वंस) का बदला लेना चाहती थी। इसके लिए साथी डॉक्टरों के साथ मिलकर छह शहरों में आतंकी हमला करने की योजना बनाकर काम कर रही थी। जांच एजेंसियों ने हर बिंदु पर जांच शुरू कर दिया है। साथ ही हर सामान की जांच कर रही है जो शाहीन के पास से मिली हैं। इनमें डिजिटल सबूत, डायरियां और आतंकी मिशन के नोट्स शामिल हैं। इन नोट्स में छह दिसंबर को होने वाले आतंकी हमले के षडयंत्र के बारे में विस्तार से बताया गया है।

तीन शहर और सात बैंक खाते

जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन और कश्मीरी मूल के डॉ. मुजम्मिल अहमद गनी व डॉ. उमर उन नबी को क्या काम सौंपे गये थे। सभी डॉक्टर 2021 में जैश-ए-मोहम्मद समर्थित एक ग्रुप में शामिल हो गए थे। जांच में उमर, मुजम्मिल और शाहीन के पास जैश हैंडलर के माध्यम से आए 20 लाख रुपये हवाला के जरिये आने की पुष्टि हुई है। इसका प्रयोग नए आतंकियों की भर्ती, उन्हें सुरक्षित ठिकाना दिलाना और एक दूसरे से संपर्क स्थापित करने के लिए करनी थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक डॉ. शाहीन को विदेशों से फंडिंग की जा रही थी। डॉ. शाहीन के नाम पर कानपुर में 3, लखनऊ और दिल्ली में दो-दो बैंक खाते मिले हैं। इन बैंक खातों से हुए प्रत्येक ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है। विदेशी फंडिंग वाले मॉड्यूल से किसी भी तरह के संबंध की तलाश जारी है। टीमें कानपुर में, खासकर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में पड़ताल कर ही है। यहीं पर डॉ. शाहीन लापता होने तक काम करती थी। जांच एजेंसी लखनऊ, कानपुर, फरीदाबाद समेत उससे जुड़े हर ठिकानों पर नजर रखे है। ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

युवतियों का जिहादी गिरोह तैयार कर रही थी शाहीन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वीडियो कॉल व जूम मीटिंग पर घंटों देती थी प्रशिक्षण
- युवकों के पकड़े जाने पर युवतियों को आगे कर आतंकी घटना कराने की थी योजना

अमृत विचार: सुरक्षा एजेंसियों की जांच और डॉ. शाहीन व उसके भाई डॉ. परवेज के पास से मिले दस्तावेजों से कई राज सामने आ,। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस व अन्य सामग्री से यह बात सामने आई कि डॉ. शाहीन व उसका भाई डॉ. परवेज यूपी समेत अन्य प्रदेशों में आतंक की पाठशाला चला रहे थे। दोनों ने इसका खुलासा पूछताछ में भी किया। जूम मीटिंग व वीडियो कॉल के माध्यम से डॉ. शाहीन शाहिद युवतियों को आतंकवाद के लिए प्रशिक्षण दे रही थी। वह युवतियों का जिहादी गिरोह तैयार कर रही थी। ताकि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अगर युवकों को निशाना बनाया जाए तो युवतियां मिशन पूरा करें।

जांच एजेंसियों के मुताबिक डॉ. शाहीन, डॉ. परवेज व डॉ. आरिफ युवतियों से ऑनलाइन बातचीत करते थे। उनका ब्रेनवॉश करते थे। धार्मिक कट्टरवाद को बढ़ाते थे। तीनों मुस्लिम युवकों और युवतियों को कहते थे कि 'यह आतंक की राह नहीं है। यह अल्लाह का पैगाम है। अल्लाह के लिए कुर्बानी देनी होगी। इसके लिए अल्लाह ने हमें चुना है। अब तक की पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि डॉ. शाहीन की इस वीडियो पाठशाला में कानपुर से गिरफ्तार डॉ. आरिफ, उसका भाई डॉ. परवेज और हापुड़ से गिरफ्तार डॉ. फारूक अहमद भी जुड़ा हुआ था। डॉ. शाहीन मुस्लिम महिलाओं और लड़कियों को भड़काऊ भाषणों से जिहाद के लिए तैयार कर रही थी। वह शादीशुदा महिलाओं से कहती थी कि इसके लिए उन्हें अपने शौहर को तलाक भी देना होगा और परिवार छोड़ना होगा। जैश की लेडी विंग की कमांडर डॉ शाहीन शाहिद खुद अपने पति को तलाक दे चुकी है। तलाक देने के बाद वह अपने बच्चों कभी मिलने नहीं गई। इतना ही नहीं वह लखनऊ भी अपने परिवार से मिलने नहीं आती थी। जांच में सामने आया कि वह अपने भाई डॉ. परवेज से संपर्क में थी। दोनों कई बार सहारनपुर में मिले भी थे। तलाक के बाद भाई परवेज को अभिभावक बनाया था।

धैर्य, संतुलन व अडिग होकर बढ़ेंगे तो सफलता निश्चित

बीबीडीयू के दीक्षांत समारोह में शिक्षक की भूमिका में नजर आए मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित बीबीडी यूनिवर्सिटी में मेधावी छात्रा को उपाधि देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह व अन्य।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन में कोई भी अयोग्य नहीं होता। धैर्य, संतुलन और अडिग होकर समाधान की ओर बढ़ेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने युवाओं को एआई के सही उपयोग की सीख देते हुए कहा कि तकनीक आपके द्वारा संचालित हो, आप उसके द्वारा संचालित न हों। उन्होंने संस्थानों से स्केल और स्किल के साथ संस्कारों पर भी जोर देने को कहा। साथ ही बीबीडीयू में स्किल व स्केल के समन्वय की सराहना की।

मुख्यमंत्री सोमवार को बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय (बीबीडीयू) के दीक्षांत समारोह में शिक्षक की भूमिका में नजर आए। कहा कि प्रयास करने से सब कुछ हो सकता है। जीवन में सफलता के दो ही मार्ग हैं। समाधान की तरफ जाएंगे तो सफलता प्राप्त होगी। समस्या को बार-बार गिनाते रहेंगे तो सफल नहीं हो सकते। समस्या की बजाय समाधान पर ध्यान दीजिए। सभी लोग मिलकर जब सामूहिक रूप से प्रयास करेंगे तो समाधान मिलेगा। जीवन में सदा नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है। अलग-अलग सेक्टरों में हमें नए अवसरों को ढूंढने का प्रयास करना चाहिए। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं है, बल्कि योग्य योजक चाहिए। संस्थान, बॉस, आचार्य, अभिभावक और व्यक्ति भावी पीढ़ी के लिए योजक बन सकते हैं। जीवन में धैर्य, संतुलन खोए बिना अडिग होकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता कदम चूमेगी। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने लंबी छलांग लगाई है। उन्होंने स्केल को स्किल में बदलने का कार्य किया।

- युवाओं से कहा, जीवन में कोई भी अयोग्य नहीं, तकनीक से आगे बढ़ें गुलाम नहीं

तकनीक के साथ संस्कारों को भी जोड़ें

मुख्यमंत्री योगी ने संस्थानों को नसीहत दी कि युवाओं को टेक्नोलॉजी के साथ ही संस्कारों से भी जोड़े, जिस पर विकसित भारत के रूप में मजबूत इमारत का निर्माण करना है। पीएम मोदी के विकसित भारत का विजन विकसित यूपी से साकार होगा और इसके लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करना होगा। कहा कि जनसहभागिता के बिना कोई भी स्कीम सफल नहीं होती है। उन्होंने सभी को आगाह किया कि कानून का पालन करना ही होगा।

योगी ने बस्ती जाकर दी नंदा बाबा को श्रद्धांजलि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखनाथ मंदिर से रहा नंदा बाबा का गहरा लगाव

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बस्ती पहुंचकर धार्मिक आयोजनों के लिए विख्यात रहे नंदा बाबा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नंदा बाबा का 3-4 नवंबर की रात निधन हो गया था।

नंदा बाबा (देशबंधु नंदानाथ महाराज) को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज मैदान में बने हेलीपैड पर उतरे। यहां से वह दक्षिण दरवाजा स्थित नंदा बाबा के आश्रम में पहुंचे और नंदा बाबा के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। नंदा बाबा 1970 में जिला अस्पताल के पास दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना करने और सावन माह में कांवड़ियों की सेवा के लिए सुपरिचित रहे। उनका गोरखनाथ मंदिर से भी गहरा लगाव था। उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद मुख्यमंत्री ने श्रद्धांजलि सभा में आए साधु-संतों से मुलाकात की और सनातन हित में नंदा बाबा के योगदान को याद किया।

बस्ती पहुंचकर नंदा बाबा के चित्र पर पुष्पांजलि देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री योगी से मिले एसपी, मिली सराहना

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में एसपी दीपक भूकर ने अपनी पत्नी डिप्टी कमिश्नर, इनकम टैक्स अदिति मोर के साथ शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने कुशलक्षेम पूछकर कानून व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। एसपी दीपक भूकर द्वारा नशे के अवैध कारोबार पर की गई कार्रवाई की मुख्यमंत्री ने सराहना की।

सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलते एसपी दीपक भूकर।

देशगीत में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद खुशी जताते बीएसएस एकेडमी के बच्चे।

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में बीएसएस एकेडमी अव्वल, दी बधाई

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : भारत विकास परिषद के संयोजन में लखनऊ में राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता आयोजित की गई। क्षेत्रीय स्तर (प्रदेश स्तरीय) की हिंदी देशगीत प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करते हुए बीएसएस एकेडमी, फुलवारी के बच्चों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोकगीत श्रेणी में तीसरा स्थान मिला। प्रसिद्धि सिंह, ध्रुवी सिंह, सृष्टि शर्मा, निवेदिता सिंह, कशिश सिंह, आर्या पांडेय, सृष्टि गुप्ता, अनन्या जायसवाल का प्रदर्शन सराहनीय रही। बच्चों की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली संगीत शिक्षक यमी सिंह, प्रीतम राज बनौधा, अनिकेत चंद्रा को संयोजक द्वारा ट्रॉफी, प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। बीएसएस एकेडमी के निदेशक विनोद सिंह मैनेजर धर्मेंद्र सिंह ने प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयास की सराहना करते हुए बधाई एवं आगे और बेहतर करने की शुभकामनाएं दी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

संवाददाता, प्रतापगढ़।

युवक की मौत के बाद घर पर जुटी भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार : पट्टी थाना क्षेत्र के गांव में रमाशंकर सिंह के घर रविवार रात गांव के ही गौरव सिंह उर्फ प्रिंस, अंबुज सिंह, अंबुज सिंह उर्फ नाटे एक अन्य युवक के साथ पहुंचे। वह 42 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र रामशंकर सिंह को प्रिंस की बर्थडे पार्टी में अपने साथ ले गए।

रात 11 बजे तक घर न लौटने पर पत्नी दिव्या सिंह ने फोन किया तो प्रिंस ने बात की। कहा कि धर्मेंद्र खाना खा रहे हैं। कुछ देर में उन्हें पहुंचा दिया जाएगा। देर होने पर दिव्या सो गई। रात ढाई बजे प्रिंस ने फिर फोन कर बताया कि वह घर के पास मिट्टी ढुलाई कर रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने से घायल हो गए हैं। दिव्या परिजनों के साथ पहुंची तो करीब 100 मीटर दूर वह लहूलुहाल पड़े थे। दो लोग उन्हें सेठ पर कोतवाल अभिषेक सिंह सिरोही, सीओ मनोज रघुवंशी पहुंचे और पत्नी दिव्या सिंह से तहरीर के आधार पर प्रिंस सहित तीन नामजद और एक अज्ञात पर हत्या का केस दर्ज किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल अभिषेक सिंह सिरोही ने बताया कि पत्नी की तहरीर पर हत्या का केस दर्ज कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट और साक्ष्य के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

- जन्मदिन की पार्टी में गया था युवक पत्नी की तहरीर पर 4 लोगों पर केस

पन्नालाल खंडेलवाल सीएचसी पट्टी ले गए। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के बाएं चेहरे पर माथे से नाक तक पूरा हिस्सा कुचल गया था। परिजन साथ ले जाने वाले युवकों पर ही हत्या का आरोप लगाने लगे। आरोप था कि धर्मेंद्र को ईंट या फावड़े से मारा गया है। सूचना

मंडलीय वॉलीबॉल टीम में तीन पुरुष एवं तीन महिला खिलाड़ियों का चयन

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : क्षेत्रीय खेल कार्यालय की ओर से मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज में हुए ट्रायल्स के आधार पर मंडलीय पुरुष और महिला वॉलीबॉल टीम का चयन किया गया। इसमें से पुरुष वर्ग में जिले के खिलाड़ी अमन सिंह, आदर्श सिंह और महिला वर्ग में काजल यादव, गरिमा यादव, कीर्ति यादव का चयन किया गया। चयनित पुरुष टीम 19 से 21 नवंबर तक झांसी और महिला टीम 22 से 25 नवंबर तक चित्रकूट में पंडित दीन दयाल उपाध्याय शताब्दी वर्ष की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। जिले के खिलाड़ियों के चयन पर रंजीत यादव, आदित्य शुक्ला, विनोद यादव, सचिन शुक्ला, शोभनाथ यादव, जेपी यादव, अरविंद कुमार, आशुतोष सिंह, बुद्ध प्रकाश, विक्रम सिंह, जिला खेल अधिकारी पूनम लता राज ने शुभकामनाएं दी।

न्यूज ब्रीफ

महिला सिपाही ने लौटाया खोया पर्स

रामनगर, बाराबंकी : महिला पुलिसकर्मी ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए मिले पर्स को उसके स्वामिनी के सुपुर्द कर दिया। रामनगर में ड्यूटी के दौरान रेखा को एक पर्स मिला। पर्स में तीन हजार रुपये, एक मोबाइल फोन व सोने की चेन थी। महिला सिपाही ने बिना देरी किए पर्स स्वामिनी का पता लगाने हेतु प्रयास किये गए तथा पहचान सुनिश्चित होने के बाद पर्स सुपुर्द किया गया।

कुकर फटने से युवती की हालत गंभीर

कोठी, बाराबंकी : खाना बनाते समय कुकर फटने से युवती गंभीर रूप से झुलस गई। सराईबेलहरी में राम सुमिरन की पुत्री खाना बना रही थी। तभी कुकर फट गया। धमाके की चपेट में आकर युवती झुलस गयी।

करंट से झुलसे श्रमिक की इलाज के दौरान मौत

हैदरगढ़, बाराबंकी : झालर लगाने के दौरान करंट से झुलसे मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई। पत्नी ने जबरन झालर लगवाने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। सुबेहा थाना क्षेत्र के भटगवा निवासी दिलशेर को टेंट व्यवसायी अदनान एक शादी समारोह में टेंट लगवाने के लिए सुबेहा ले गए थे। पत्नी गुड्डा बानो का आरोप है कि पति पर झालर लगाने का दबाव बनाया गया। झालर लगाते समय दिलशेर 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। गंभीर हालत में उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को इलाज के दौरान दिलशेर ने दम तोड़ दिया।

सरदार पटेल ने खंड-खंड जोड़ बनाया अखंड भारत: रेखा वर्मा

अखंड भारत के निर्माता की 150वीं जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: अखंड भारत के निर्माता और लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर मिशन द सरदार पटेल भारत द्वारा आयोजित 23वां पटेल जयंती समारोह राजकीय इंटर कॉलेज के ऑडिटोरियम में भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा अरुण वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने भारत के खंड-खंड को जोड़कर अखंड भारत का निर्माण किया।

उन्होंने कहा कि भारत में राज्यों के एकीकरण की समस्या अत्यंत जटिल थी, जिसे सरदार पटेल ने साहस और दूरदर्शिता से हल किया। रेखा वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्तमान में देश के विकास के प्रयास उसी मार्ग पर आधारित हैं, जो सरदार पटेल ने दिखाया।

विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रियंका रावत ने कहा कि यदि सरदार पटेल न होते तो आज हम अपने ही देश में विभिन्न राज्यों के बीच भ्रमण के लिए जटिल प्रक्रियाओं का सामना कर रहे होते। उन्होंने कहा कि हम हमेशा सरदार पटेल के योगदान के ऋणी रहेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एमएलसी एवं जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल ने कहा कि बार-डोली आंदोलन में सरदार पटेल ने जो नेतृत्व और साहस दिखाया, उसने अंग्रेजों की सत्ता हिला दी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से धनेस्वरी चौधरी (पूर्व महिला आयोग नेपाल), विधायक गोड़ा प्रभात वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह, मिशन द सरदार पटेल भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष जंग बहादुर पटेल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अलावा मिशन के जिलाध्यक्ष अरुण वर्मा, महामंत्री गुरु भिलन वर्मा, दिलीप वर्मा, विनय वर्मा, उपाध्यक्ष उमाशंकर वर्मा और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा अरुण वर्मा। अमृत विचार

कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं मुख्य अतिथि। अमृत विचार

महादेवा महोत्सव में आज

- दोपहर 12 बजे- यूनियन इण्टर कालेज के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम
- दोपहर 12 :30 बजे स्थानीय प्रार्थमिक विद्यालय के बच्चों की प्रस्तुति
- दोपहर 1 बजे कस्तूरबा गांधी विद्यालय की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुति
- दोपहर 1 :30 बजे स्थानीय बच्चों द्वारा शिव पार्वती विवाह, समुद्र मंथन
- दोपहर 2 बजे बीपीएन स्कूल के बच्चों की प्रस्तुति
- दोपहर 2 :15 बजे एसबीपीएम स्कूल के बच्चो की प्रस्तुति
- दोपहर 2 :45 बजे कान्ती महाविद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुति
- दोपहर 3 गायन अर्चना मिश्रा
- शाम 4 सिद्धार्थ कनौजिया द्वारा कठपुतली प्रस्तुति
- शाम 4 :45 बजे पर्णिका श्रीवास्तव द्वारा कथक नृत्य
- शाम 6 बजे जवाबी कीर्तन

महादेवा महोत्सव से संबंधित खबरें पेज 8 पर ....

पंचायत भवन में बीएलओ के साथ बैठक करतीं एसडीएम। अमृत विचार

एसडीएम ने परखा एसआईआर कार्य, दिए निर्देश

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : मरकामऊ पंचायत भवन में सोमवार को उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। एसडीएम ने बीएलओ एवं सुपरवाइजर को कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि गणना कार्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि सिरौलीगौसपुर तहसील क्षेत्र के रामनगर एवं दरियाबाद विधानसभा क्षेत्रों में सभी बूथों पर बीएलओ तैनात कर दिए गए हैं, जो घर-घर जाकर गणना फॉर्म वितरित कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी ने बीएलओ को ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी और मतदाताओं से आवश्यक जानकारी व दस्तावेज समयबद्ध तरीके से एकत्र करने पर जोर दिया। इस मौके पर तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा और लेखपाल शुभेन्द्र अवस्थी के अलावा ग्राम प्रधान रेखा गुप्ता, बीएलओ निधि मौर्य, रितेश कुमार सहित अन्य बीएलओ उपस्थित रहे।

नर्सिंग व पैरामेडिकल करियर कार्यशाला आयोजित

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: ताराश्री फाउंडेशन के उदयन शालिनी फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को राजकीय गर्ल्स इंटर कॉलेज, बाराबंकी में तीनों बैच की छात्राओं के लिए "नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में करियर विकल्प" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारम्भ फाउंडेशन के सह-संस्थापक राजीव गुप्ता ने किया और कृष्ण कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट, लखनऊ की टीम का स्वागत किया।

टीम ने नर्सिंग और पैरामेडिकल के विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रशिक्षण, रोजगार अवसर और भविष्य की संभावनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। विशेष रूप से ज्योति पटेल ने बीएससी नर्सिंग, एएनएम और जीएनएम पाठ्यक्रमों के बारे में मार्गदर्शन दिया। छात्राओं ने सक्रिय रूप से प्रश्न पूछकर अपने संदेह दूर किए और कार्यशाला को उपयोगी, मार्गदर्शक एवं प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर ताराश्री फाउंडेशन की टीम के सदस्य डा. अंजू, रुमा गोयल, डॉ. स्नेह लता, तुहिना, सुनीता यादुवंशी और कोऑर्डिनेटर कुसुम उपस्थित रहे। कुल 82 छात्राओं ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यशाला में मौजूद फाउंडेशन के सदस्य व बच्चे। अमृत विचार

परिक्रमा करते रहे साधु-संत। अमृत विचार

भक्तों ने साधु-संतों पर की पुष्प वर्षा

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : अलियाबाद बाजार में सोमवार की सुबह 84 कोसी परिक्रमा कर रहे साधु-संतों के पहुंचते ही भक्तिमय माहौल बन गया। बाजार क्षेत्र 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंज उठा। स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर परिक्रमा दल का स्वागत किया। परिक्रमा दल रविवार देर रात संतनामी भजनाश्रम में विश्राम के बाद तड़के लगभग छह बजे आगे की यात्रा पर निकला। यात्रा मार्ग में कई स्थानों पर ग्रामीणों ने जल, प्रसाद और फल वितरित कर जत्थे का स्वागत किया। परिक्रमा का नेतृत्व कर रहे महंत गोविंद दास महाराज ने बताया यात्रा अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा का प्रमुख चरण है। भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण से संत समाज में उत्साह है और जन्मभूमि की परिक्रमा कर आशीर्वाद प्राप्त करना सौभाग्य की अनुभूति कराता है। परिक्रमा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। थाना प्रभारी मनोज कुमार सोनकर और अलियाबाद चौकी इंचार्ज राकेश कुमार तिवारी पुलिस बल के साथ लगातार जत्थे के साथ चलते रहे। राहगीरों की सुविधा के लिए पुलिस ने कुछ मार्गों को डायवर्ट कर यातायात सुचारू रखा।

एक चिंगारी दो सौ मीटर तक मचा देती है तबाही

फॉलोअप

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: रविवार को शहर से सटे इलाके में बड़ी मात्रा में आतिशबाजी का सामान मिलने के मामले में गोदाम स्वामी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है। इसके साथ ही बम डिस्पोजल स्क्वायड से पत्राचार कर मिली आतिशबाजी को नष्ट कराने की कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के सामने आने पर लोग पूरे दिन चर्चा करते रहे। टिकैतनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सरांय बरई में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से दो मौतों व पांच के घायल होने की खबर अभी चर्चा में ही थी कि रविवार को हैरत में डालने वाली खौफनाक घटना सामने आई। हुआ यह कि शहर कोतवाली पुलिस को बहुत बड़ी मात्रा में आतिशबाजी की सामग्री का भंडारण होने की जानकारी मिली। इस सूचना पर क्षेत्राधिकारी नगर संगम कुमार, नायब तहसीलदार भूपेन्द्र विक्रम सिंह, शहर कोतवाल सुधीर कुमार सिंह के अलावा बड़ी संख्या में पुलिस बल ने पल्हरी चौराहा से जैदपुर को जाने वाले मार्ग पर महज सौ मीटर की दूरी पर बने एक गोदाम पर छापेमारी की। पुलिस ने गेट खुलवाकर अंदर नजर डाली तो देखा कि गोदाम के हर कमरे में पटाखों, गोलों और भारी मात्रा में आतिशबाजी का सामान रखा हुआ था। आतिशबाजी रखने के लिए तहखाने का भी पूरी तरह प्रयोग किया गया। चौंकाने वाली बात तो यह है कि शहर के बीच घनी आबादी के पास इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के रखी हुई थी। पुलिस ने कार्रवाई शुरु की तो करीब पंद्रह वाहनों ने आतिशबाजी ढोकर सुरक्षित जगह पहुंचाया। इस दौरान सुरक्षा के नाते फायर विभाग कर्मी भी बुलाए गए थे।

मौके पर जांच-पड़ताल करती पुलिस। अमृत विचार

लाइसेंस न सुरक्षा लाखों का जखीरा

बिना लाइसेंस बिना किसी सुरक्षा इंतजाम अवैध रूप से स्टाक कर रखी गई आतिशबाजी के मिलने की घटना ने सबको चौंका दिया है। वैसे इतनी बड़ी मात्रा में सामग्री यहां क्यों और कब रखवाई गई, यह साफ नहीं हो सका है। इसके बावजूद व्यापारी ने नियम कायदों की धज्जियां उड़ाते हुए यह काम किया, वह भी तब जब महज कुछ दिन पहले ही टिकैतनगर क्षेत्र में पटाखा फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो चुका है।

गणना प्रपत्रों की जांच करते बीएलओ व स्थानीय लोग। अमृत विचार

पुरानी मतदाता सूची में कमियों से बढ़ी परेशानी

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : विशेष मतदाता पुनरीक्षण के दौरान कई बूथों पर 2003 की मतदाता सूची में कई पृष्ठों के न होने तथा नाम निरस्त होने की समस्या के कारण मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में दिक्कतें आ रही हैं। विशेष मतदाता पुनरीक्षण के तहत तहसील स्तर पर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर दिये गये हैं। इन प्रपत्रों का संग्रह तेजी से करने के लिए लेखपाल, बीएलओ व सुपरवाइजरों की ड्यूटी निर्धारित की गयी है। यह टीम क्षेत्र में भ्रमण कर गणना प्रपत्रों का संकलन कर रही है। वहीं फतेहपुर कस्बे के नालापार उत्तरी में वर्ष 2003 की मतदाता सूची में मात्र 7 पृष्ठ हैं, अन्य पृष्ठ गायब है। इसी तरह नालापार दक्षिणी-एक व ब्राम्हनी टोला में भी इसी तरह की समस्याएं मतदाताओं के समक्ष आ रही है जिसके कारण वह अपने पूर्वजों का विवरण गणना प्रपत्र में अंकित नही कर पा रहे हैं। यहां के निवासी मो. रिजवान खान, मुनव्वर अली, मनीष कुमार, नोमान शेख, रहमत अली, खुर्शीद अहमद, रोहित जायसवाल आदि ने बताया कि 2003 की मतदाता सूची में पृष्ठ न होने के कारण उनके पूर्वजों का विवरण नहीं मिल पा रहा है।

बुजुर्गों को कानूनी संरक्षण देता है अधिनियम

बाराबंकी, अमृत विचार: प्लान आफ एक्शन के अन्तर्गत सोमवार को माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए भरण पोषण अधिनियम 2007 विषय पर मातृपितृ सदन सफेदाबाद में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ। जिला विधिक सेवा प्राधिकारण में सचिव श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह ने कहा सरकार ने 2007 में एक कानून बनाया जिसे हम माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम, 2007 के नाम से जानते हैं। इसका उद्देश्य सरल बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन का अधिकार सुनिश्चित करना। अधिनियम के प्रमुख उद्देश्य माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों को भरण-पोषण का कानूनी अधिकार देना, उपेक्षा और परित्याग से बुजुर्गों को सुरक्षा प्रदान करना, तेज, सरल और स्थानीय स्तर पर न्याय प्राप्ति की व्यवस्था उपलब्ध कराना, परिवार में सम्मान, सहयोग और कर्तव्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना। इस अधिनियम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह परिवार के भीतर जिम्मेदारी तय करता है और बुजुर्गों को कानूनी संरक्षण प्रदान करता है। इस अधिनियम के अंतर्गत माता-पिता चाहे वे 60 वर्ष से कम हों या अधिक, वरिष्ठ नागरिक 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुष एवं महिलाएँ, दादा-दादी, नाना-नानी भले ही उनके नाम पर कोई संपत्ति न हो, दत्तक माता-पिता के गोद लिए हुए माता-पिता भी दावा कर सकते हैं, यदि माता-पिता असमर्थ हों, तो उनकी ओर से कोई भी व्यक्ति आवेदन कर सकता है।

जानकारी देते सचिव श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह। अमृत विचार

किशोरी भगाकर ले गया युवक

हैदरगढ़, बाराबंकी: कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से 16 वर्षीय किशोरी नकदी, जेवर अंकपत्र लेकर दोबारा युवक के साथ फरार हो गई। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। पिता ने बताया कि हकमी निवासी लकी तिवारी व दो अज्ञात कार से गांव आए और उनकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गए। यह भी बताया कि लकी तिवारी के बहकावे में आकर उनकी पुत्री अपने साथ घर में भांजी की शादी के लिए रखे 24000 रुपए और 6500 रुपए कीमत के जेवर के अलावा हाई स्कूल इंटर के अंक पत्र व आधार कार्ड साथ लेकर चली गई। बताया कि एक वर्ष पूर्व भी लकी तिवारी ने ऐसी घटना को अंजाम दिया था।

हादसों में एक की इलाज के दौरान मौत, दो लोग घायल

बाराबंकी, अमृत विचार: अलग अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं दो लोग घायल हो गए, जिन्हे जिला अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अजीजमऊ का रहने वाला रामराज यादव 22 पुत्र रामकैलाश शनिवार की शाम छह बजे सिहाली से साईकिल पर घर लौट रहा था। फतेहपुर रामनगर मार्ग पर सावित्री देवी रामाधार कॉलेज के पास किसी कार ने उसे टक्कर मार दी। घायलावस्था में युवक को सीएचसी से जिला अस्पताल फिर ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। चिनहट थाना क्षेत्र में मल्हौर के पास निजी अस्पताल से घर लाने के बाद सोमवार सुबह युवक ने दम तोड़ दिया। दूसरे हादसे में कोठी थाना क्षेत्र के सराईबेलहरी गांव निवासी देवनारायण अपनी ससुराल अबहीपुर में रहते थे। देर शाम वह अपने घर सराई बेलहरी आ रहे थे। तभी अज्ञात बाइक ने ठोकर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हे सीएचसी कोठी में भर्ती कराया पर हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

अंशुल को संबोधित करते मनोज श्रीवास्तव। अमृत विचार

कायस्थ महासभा ने अंशुल को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : वरिष्ठ अधिवक्ता प्रेम कुमार श्रीवास्तव के पुत्र अंशुल श्रीवास्तव की मध्य प्रदेश सिविल जज पद पर नियुक्ति की खुशी में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने पुष्प गुच्छ प्रदान कर व माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि अंशुल श्रीवास्तव ने बड़े कड़े परिश्रम से अभूतपूर्व सफलता अर्जित की है। इसके पीछे माता पिता के सहयोग व समर्पण की बड़ी भूमिका होती है, यह उपलब्धि कायस्थ समाज के लिए बड़े गर्व का विषय है। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष महासभा व न्यायिक मजिस्ट्रेट हरिहर श्रीवास्तव, चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डा राकेश श्रीवास्तव, प्रतिष्ठित शिक्षाविद सुभाष श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, व्यापार प्रकोष्ठ अजय श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव सहित अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षिका को सम्मानित करते अतिथिगण। अमृत विचार

बाराबंकी की शिक्षिका राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित

रामसनेहीघाट, बाराबंकी : राष्ट्रीय शिक्षा सारथी सम्मान समारोह में क्षेत्र की प्रतिभाशाली शिक्षिका आरती साहू को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय शिक्षा सारथी सम्मान' और 'शब्द मंजरी सम्मान' से अलंकृत किया गया। समारोह लखनऊ में एक निजी प्रतिष्ठान में में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. पवन पुत्र बादल ने कहा भारतीय परंपराओं का संरक्षण ही 'आनंदघर' की संकल्पना को साकार कर सकता है। शिक्षिका आरती साहू को उनकी शैक्षिक योगदान और नवोन्मेषी प्रयासों के लिए विशेष रूप से सराहा गया। संयोजक दुर्गेश्वर राय ने बताया शैक्षिक संवाद मंच लंबे समय से शिक्षकों के कौशल विकास और क्षमता संवर्धन में भूमिका निभाता आ रहा है। इस दौरान 'फूले हैं पलाश वन' सहित तीन पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया। शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक प्रमोद दीक्षित मलय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

किशोर व युवक लापता परिजन परेशान

बाराबंकी, अमृत विचार : अलग-अलग थानों में एक किशोर व एक युवक के लापता होने की गुमशुदगी दर्ज कराई गई है। परिजन लगातार तलाश में जुटे हुए हैं, लेकिन अब तक दोनों का कोई सुराग नहीं लग सका है। पहला मामला कोतवाली असन्द्रा क्षेत्र का है, जहां रामलखन निवासी पूरे निधान मजरा खुसेहटी ने अपने 18 वर्षीय पुत्र भोगई के लापता होने की सूचना पुलिस को दी है। तहरीर के अनुसार, किशोर 15 नवम्बर की शाम लगभग 4 बजे सूरजपुर फार्म पर बाल कटवाने गया था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों में खोजबीन की, पर कोई जानकारी नहीं मिली। मोबाइल फोन भी बंद बता रहा है। दूसरा मामला थाना कोठी क्षेत्र का है। सुषमा देवी निवासी ग्राम सेमरावां ने अपने 13 वर्षीय पुत्र कृष्णा के लापता होने की तहरीर दी है। बताया गया कि कृष्णा मानसिक रूप से अस्वस्थ है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भूख और प्यास से बेहाल यात्री। अमृत विचार

बस खराब, 12 घंटे भूख-प्यास से बेहाल रहे यात्री

हैदरगढ़, बाराबंकी : गुड़गांव, हरियाणा से क्षमता से डेढ़ गुना अधिक सवारियां लादकर बिहार की ओर जा रही एक निजी ट्रैवेल्स की बस पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अचानक खराब हो गई। लगभग 12 घंटे तक बीहड़ जैसे इलाके में फंसे रहने के दौरान यात्री भूख-प्यास से बेहाल रहे, जबकि प्रशासनिक सहायता के नाम पर केवल औपचारिकता ही की गईं। जानकारी के अनुसार गुड़गांव से चली शिव ट्रैवेल्स की 55 सीटर बस में करीब एक सैकड़ा यात्री सवार थे। बस जैसे ही लोनीकटरा थाना क्षेत्र अंतर्गत अखैयापुर गांव के पास पहुंची, अचानक तकनीकी खराबी के कारण सड़क पर ही खड़ी हो गई। रात भर और सुबह तक बस में फंसे यात्रियों की हालत बिगड़ने लगी तो उन्होंने 112 पर कॉल कर सहायता मांगी। बताया गया कि सुबह करीब 10 बजे पहुंची पुलिस ने सहायता के नाम पर केवल एक मिस्त्री का नंबर देकर औपचारिकता निभाई और वापस लौट गई।

कोई नहीं ले सकता बाला साहब का स्थान

बाराबंकी, अमृत विचार: शिवसेना संस्थापक सुप्रीमो स्व बाला साहब ठाकरे की तेरहवीं पुण्यतिथि के मौके पर शिवसैनिको ने सोमवार को सोमैया नगर स्थित कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान शिवसैनिको ने बाला साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महासचिव मनोज मिश्र विद्रोही ने कहा कि पेशे से कार्टूनिस्ट रहे बाल ठाकरे को महाराष्ट्र में शिवसेना का गठन करने के उपरांत प्रखर हिंदू राष्ट्रवादी नेता के रूप में अपनी पहचान मिली। वह मराठी में अपने संगठन का मुखपत्र 'सामना' निकाला करते थे, जो आज भी प्रकाशित हो रहा है। फिल्मी जगत से उनका डीप कनेक्शन रहा है। सलमान से लेकर अमिताभ बच्चन तक, बुरे वक्त में उन्होंने हर स्टार की हर संभव मदद की थी। पार्टी जिला उप प्रमुख दीपू वाल्मिकी उर्फ पंडित ने कहा कि शिवसैनिको के लिए आज भी बाला साहब वंदनीय है जिनका स्थान कोई भी नहीं ले सकता। इस मौके पर जिला वरिष्ठ उप प्रमुख कमलेश सिंह चौहान, जिला उप प्रमुख अजय गुप्ता, जिला प्रचारक राधेश्याम सैनी, जिला सचिव चंद्र शेखर, जिला सचिव हेमेंद्र सोनी, युवा सेना जिला प्रमुख मनोज सिंह मिंटू, रामसनेहीघाट तहसील प्रमुख परशुराम वर्मा त्यागी आदि उपस्थित रहे।

बाला साहब को श्रद्धांजलि देते शिवसैनिक। अमृत विचार

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

जिला सैनिक बंधु की बैठक कल

सीतापुर, अमृत विचार : जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमाण्डर राजीव कुमार पाठक ने बताया कि 19 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक का आयोजन किया गया है। इसमें सभी भूतपूर्व सैनिक, सेवारत सैनिक उनके आश्रित सम्मिलित होंगे। इस दौरान सभी अपनी समस्याएं साझा करेंगे।

कितूरी घाट पुल के पास गड्ढे बने जानलेवा

रामपुर मथुरा, सीतापुर : कितूरी घाट पुल के उस पार छीता पासी गेट के पास काफी दिनों से डामर मार्ग का किनारा कट गया है। आसपास झाड़ियां उगने से दुर्घटना की आशंका बनी है। इस मार्ग पर थानगांव, भगौतीपुर, रेउसा, तम्बौर, बहराइच आदि स्थानों पर जाने के लिए ये मार्ग इस्तेमाल किया जाता है। ग्रामीण गुड्डू तिवारी, कल्लू, राम आधार, आसाराम, माधवराव, मुनेंद्र, शैलेंद्र, सुधाकर, दीपू, शोभा सहित ग्रामीणों ने मार्ग मरम्मत की मांग की है।

सुजीता कल करेंगी महिलाओं की सुनवाई

सीतापुर, अमृत विचार : जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी द्वारा 19 नवंबर को जनसुनवाई की जाएगी। महिला जनसुनवाई का आयोजन तहसील सदर के सभागार में किया जाएगा। बताया कि महिलाएं अथवा पीड़ित पक्ष को तहसील सदर सभागार में प्रार्थना पत्र के साथ आधार कार्ड लाना अनिवार्य है।

श्री विष्णु महायज्ञ में विधायक ने किया पूजन

महोली, सीतापुर : तहसील महोली के ग्राम ढकिया में आयोजित भव्य श्री विष्णु महायज्ञ में क्षेत्रीय विधायक शशांक त्रिवेदी ने पहुंचकर पूजन-अर्चन किया और यज्ञ में सम्मिलित होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। महायज्ञ के दौरान धार्मिक माहौल में क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख एलिया, ब्लॉक प्रमुख पिसावां लवकुश शुक्ला, अभिषेक मिश्र समेत भारी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे।

पुलिस ने गोवंश का कराया अंतिम संस्कार

नेरी, सीतापुर : हादसे में दम तोड़ चुके गोवंश का अंतिम संस्कार नेरी चौकी पुलिस ने कराया। बताते हैं कि गाय सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गई। इलाज से पहले ही दम गाय ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर चौकी इंचार्ज विनोद कुमार सिंह ने फोर्स सहित मौके पर पहुंचकर गाय का अंतिम संस्कार कराया। अंतिम संस्कार के दौरान केसरिया वाहिनी के जिला मीडिया प्रभारी संजय मिश्र, अमित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सीट बेल्ट नहीं फिर भी भर रहे फर्राटा

नेरी, सीतापुर : बिना हेलमेट और सीट बेल्ट लगाए बगैर वाहन चालक फर्राटा भर रहे हैं। ऐसे में नेरी इलाके में पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। चौकी प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले तथा विना सीट बेल्ट लगाए चार पहिया वाहन चालकों व डबल डेकर डग्गामार बस के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

तीन सर्किल प्रभारियों का बदला कार्य क्षेत्र

सीतापुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से सर्किल क्षेत्र में फेरबदल किये हैं। क्षेत्राधिकारी सदर नेहा त्रिपाठी को मिश्रिख सर्किल की कमान दी। लहरपुर सीओ विशाल गुप्ता को सीओ क्राइम बनाया गया। वहीं, सीओ ब्रजेश कुमार को लहरपुर सर्किल में तैनाती मिली।

जमीनी विवाद में चाचा पर किया हमला

सीतापुर, अमृत विचार : परसोईया गांव में जमीन विवाद को लेकर देर रात चाचा की भतीजों से मारपीट हो गई। आरोप है कि उसके सगे भतीजे अरुण और अंकित काफी समय से जमीन को लेकर उससे विवाद करते आ रहे हैं, जो कि कई बार उस पर हमला करने की कोशिश कर चुके हैं, पीड़ित के मुताबिक, देर रात जब पंचम घर के बाहर पानी भर रहा था, तभी अरुण और अंकित अपनी मां के साथ लाठी-डंडों लेकर वहां पहुंचे और मारपीट की। ग्रामीणों ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इंस्पेक्टर अमर सिंह का कहना है कि पीड़ित का बयान दर्ज कर पीड़ित की तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है।

जेठ ने गला काटकर की महिला की हत्या

रामपुर मथुरा के तुतहीपुर गांव का मामला, चार वर्षीय बालिका बनी मां की हत्या की चश्मदीद

संवाददाता रामपुर मथुरा, सीतापुर

अमृत विचार: जमीन के लालच में जेठ ने छोटे भाई की पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के तुतहीपुर गांव में हुई वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। घटना की चश्मदीद चार साल की बालिका से उसकी मां की हत्या से जुड़े हर एक बिन्दुओं को पुलिस ने आधार बनाया है। एएसपी का कहना है हत्या से पूर्व चारा काटने की मशीन को लेकर दोनों में विवाद हुआ था। तुतहीपुर वासी 25 वर्षीय अंजली के पति पलटूराम की मृत्यु डेढ़ वर्ष पूर्व हो गई थी। अंजली अपनी ससुराल में चार वर्षीय पुत्री रोशनी संग रहती थी। अंजली के नाम पति की 15 बीघा जमीन हाल के दिनों में नाम हो गई। इसी के बाद जेठ जगतराम व अंजली के रिश्तों में कड़वाहट आ गई। सुबह जेठ खेत में गन्ना काटने गया। लौटने पर अंजली व जगतराम में चारा काटने की मशीन को लेकर विवाद शुरू हो गया। अंजली के विरोध पर जगतराम ने बांके से गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार कर दिया जिससे अंजली की मौत हो गई। बताते हैं कि वारदात के समय घर पर अंजली की चार वर्षीय पुत्री रोशनी थी जिसने मां को बचाने का प्रयास किया। अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह का कहना है कि चारा मशीन लगाए जाने को लेकर विवाद के बाद हुई हत्या के मामले में जगतराम के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया गया है।

घटनास्थल पर ग्रामीणों से पूछताछ करती पुलिस। अमृत विचार

लखनऊ के युवक से पूछताछ

बताते हैं पति की मृत्यु के बाद लखनऊ के राजकुमार संग अंजली की नजदीकियां हो गईं। राजकुमार का घर आना-जाना बढ़ने लगा। उधर सूत्रों की मानें तो जेठ जगतराम पत्नी की मृत्यु और बेटियों के विवाह होने के बाद अंजली से नजदीकियां बढ़ाना चाहता था जिसका विरोध अंजली और राजकुमार दोनों कर रहे थे।

लोग देखते रहे और वार करता रहा दरिंदा

बताते हैं जगतराम व अंजली के मध्य काफी देर तक झगड़ा चला। आंगन में हो रही मारपीट देख बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। फिर जगतराम अंजली पर ताबड़तोड़ प्रहार करता रहा, लेकिन बचाने की कोई भी व्यक्ति हिम्मत न जुटा सका।

नामांकन शिविर में मौजूद शरद चौधरी व अन्य। अमृत विचार

आधार नामांकन शिविर में आए दो सौ आवेदन

बिसवां, सीतापुर : आधार नामांकन कैम्प का उद्घाटन अर्जुन आईटीआई कंदुनी शरद चौधरी, सीईओ एवं ट्रस्टी शरद चौधरी फाउंडेशन द्वारा फीता काटकर किया गया। कैंप में कुल दो सौ आवेदन आए। इसमें से एक सौ पचास आवेदन नया आधार कार्ड के आये, इनमें से एक सौ बारह लोगों का आधार नामांकन आनलाइन किये गये। विकलांग, वृद्धा, विधवा पेंशन के पचास आवेदनों में तैंतालिस आवेदन अनलाइन किये गये। आयोजक अरिंजय चौधरी ने बताया कि गावों में अभी भी बड़ी संख्या में लोगों के पास आधार कार्ड नहीं है। अरिंजय चौधरी ने बताया बिसवां ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामपुर घेरवा, हरिहरपुर, बजेहरा, मारुछी, शाहजलालपुर इन पंचायतों में एक नवम्बर से पंद्रह नवम्बर तक ग्रामीणों के मध्य कैम्प के माध्यम से बैठक कर शासन द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में फाउंडेशन द्वारा जागरूक किया गया। इस अवसर पर अशोक बाजपेई, हसन मियां, शकील, कल्लू राम, अनुज कुमार, उमेश कुमार, सुनील कुमार, राजकिशोर, देवी शंकर, मिश्रीलाल, प्रधान प्रतिनिधि कंदुनी ने सहभागिता की।

गाजियाबाद का लुटेरा मुठभेड़ में घायल

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार: गाजियाबाद में रहकर लूट करने वाले गिरोह का सरगना एसओजी की मुठभेड़ में घायल हो गया। पूछताछ में पता चला शातिर अपने गिरोह के साथ लूटे गए पैसे को प्रेमिका को देता था। मोबाइल और बाइक भी गिफ्ट में देने जा रहा था तभी पकड़ा गया। लहरपुर थाना क्षेत्र के घुड़सरिया गांव के नजदीक सुनार के साथ लूटपाट हुई। इससे पहले हरगांव और सकरन में भी कुछ ऐसी ही वारदातें हुई। सूत्र बताते हैं कि लूटपाट की सूचना पर एसपी अंकुर अग्रवाल खुद मौके पर पहुंचे, पता चला कि वारदात करने वाले तीन नवयुवक हैं। एसपी के निर्देश पर एसओजी सक्रिय हुई, नेटवर्क खंगाले गए तो कड़ियां गाजियाबाद से जुड़ती मिली। सूत्रों की मानें तो एक युवती के नंबर की कॉल डिटेल से शातिरों तक पुलिस को पहुंचने में पुलिस को मदद मिली। इसी के बाद मुठभेड़ में लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के जमसकरा निवासी प्रियांशू सिंह पुत्र अमर सिंह को गिरफ्तार किया।

मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गिरफ्त में लुटेरा गैंग का सरगना प्रियांशु सिंह। अमृत विचार

तीन अन्य गिरफ्तार

गैंग के सक्रिय तीन अन्य सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि लुटेरा गिरोह का सरगना प्रियांशु अपनी प्रेमिका को खुश करने के लिए लूटपाट करता था। सुनार से हुई लूट का पैसा उसने अपनी प्रेमिका को दिया। मोबाइल और बाइक देने के लिए गाजियाबाद जा रहा था।

अश्लील वीडियो बनाकर किया वायरल, मुकदमा

सीतापुर, अमृत विचार: पिसावां इलाके में महिला ने एक युवक पर उसके सोते समय अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप है। पुलिस ने केस दर्ज करते हुए मामले में जांच शुरू की है। महिला का आरोप है कि वो घर पर अकेली थी। इसी दौरान आरोपी युवक उसके घर आ गया। सोते हुए उसने अश्लील वीडियो बना लिया और फिर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। घटना को लेकर पीड़िता की ओर से शिकायत की गई। पिसावां थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पंकज पारा आर्यंस ने जीता खिताब

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार: यूपी 34 प्रीमियर लीग में पंकज पारा आर्यंस ने दमदार प्रदर्शन करते हुए शाने मछरेहटा को हराकर खिताब अपने नाम किया। मैदान में मौजूद हजारों दर्शकों ने पूरे मैच को बेहद रोमांचक बना दिया और खिलाड़ियों का जोरदार उत्साहवर्धन किया। फाइनल मुकाबले में कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही और नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर तथा भाजपा के जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात की, उत्साह बढ़ाया और पुरस्कार वितरण में हिस्सा लिया। आयोजन समिति की ओर से फाइनल विजेता पंकज पारा आर्यंस को एक लाख रुपये व ट्रॉफी की पुरस्कार राशि दी गई, जबकि उपविजेता शाने मछरेहटा को 51,000 रुपये का इनाम व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। शाहनवाज हुसैन ने टूर्नामेंट में मीडिया कोऑर्डिनेटर की भूमिका निभाई, वहीं सागर गुप्ता लीग के ब्रांड एंबेसडर रहे। टूर्नामेंट में आयोजन समिति के अध्यक्ष सरताज खान, उपाध्यक्ष पंकज मस्सा, नीशू, टूर्नामेंट के आयोजक आदिल, अनस, अबुल हसन मून, नेहाल इकबाल, मोनिस आदि रहे।

विजेता टीम के साथ ब्रांड एंबेसडर सागर गुप्ता व कमेटी के अध्यक्ष। अमृत विचार

दिव्यांगों को कृत्रिम अंग और ट्राई-साइकिल देते विधायक ज्ञान तिवारी। अमृत विचार

कृत्रिम अंग मिले तो खिल उठे दिव्यांगों के चेहरे

रेउसा, सीतापुर : दिव्यांगजन सशक्तिकरण की ओर से कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रेउसा, रामपुर मथुरा और सकरन ब्लॉक के दर्जनों दिव्यांगजन शामिल हुए। विधायक ज्ञान तिवारी ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। शिविर में 138 दिव्यांगों का पंजीकरण किया गया। इनमें से 121 ट्राई साइकिल, 17 जोड़ी बैसाखी और 14 लाभार्थियों को स्मार्ट केन डिवाइस वितरित की गईं। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अवधेश चौहान, जिला समाज कल्याण अधिकारी, खंड विकास अधिकारी प्रवीण जीत, सहायक विकास अधिकारी ओमेंद्र पाल और विनोद यादव सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

शटर का ताला तोड़ लाखों की चोरी

लहरपुर, सीतापुर: कोतवाली क्षेत्र में चोर चार दुकानों के शटर का ताला तोड़कर हजारों का सामान और नकदी चुरा ले गए। ग्राम रंगवा निवासी प्रमोद मौर्या के मुताबिक उनके मेडिकल स्टोर का शटर तोड़ चार हजार नकदी व सामान समेट लिया। आलोक नाथ ने बताया कि दुकान से बेसन और बिस्किट गायब हुए। अंकुर राज के मेडिकल स्टोर से 5,000 रुपए नकद और लगभग 10 हजार रुपए का सामान चोरी हुआ। कामेश्वर की रेडीमेड दुकान से लगभग 60 हजार रुपए मूल्य के कपड़े, जूते और चप्पल चुरा लिये गए। इसी तरह चोरों ने जान मोहम्मद के मकान के बरामदे में खड़े एक ट्रैक्टर से 10 हजार का अल्टीनेटर भी चोरी कर लिया गया।

पंजीकरण शिविर में मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

शिविर में 206 मरीजों का किया गया पंजीकरण

लहरपुर, सीतापुर : नगर के मोहल्ला पटकी टोला स्थित डॉ. ओम प्रकाश शुक्ला क्लीनिक पर आंख अस्पताल के सौजन्य से नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजित किया गया। एक निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, शिविर में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ी। शिविर में 206 नेत्र रोगियों ने इलाज के लिए अपना पंजीकरण कराया और आंख अस्पताल के डॉक्टर स्वप्निल शर्मा व उनकी टीम द्वारा मरीजों की आंखों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया। 133 नेत्र रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए सीतापुर आंख अस्पताल ले जाया गया। इस मौके पर समाजसेवी रामजी सहित भारी संख्या में मरीज व तीमारदार उपस्थित थे।

एथलेटिक्स लीग में बालिकाएं करेंगी प्रतिभाग

सीतापुर, अमृत विचार : भारतीय एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में खेलो इंडिया अस्मिता एथलेटिक्स लीग का आयोजन हर जिले में कराया जा रहा है। अध्यक्ष जिला एथलेटिक्स संघ अनुराग गुप्ता ने बताया जिला एथलेटिक्स संघ को मेजर ध्यानचंद स्टेडियम खेलो इंडिया अस्मिता एथलेटिक्स लीग का आयोजन करा रहा है। चेयरमैन टेक्निकल कमेटी राज शर्मा ने बताया कि एथलेटिक्स लीग में अंडर-14 तथा अंडर-16 आयु वर्ग की बालिकायें प्रतिभाग करेंगी।

बीएलओ घर-घर वितरित कर रहे फार्म

रामपुर मथुरा, सीतापुर : इलाके में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य तेजी पर है। इस प्रक्रिया के तहत बीएलओ ने घर-घर मतदाता सूची से संबंधित फॉर्म वितरित किये। चांदपुर क्षेत्र के बीएलओ राजेश ने बताया कि कार्य लगातार जारी है। पुनरीक्षण कार्य 2003 की जनगणना के आधार पर किया जा रहा है।

मां की शक्ति प्रत्येक कण में विद्यमान

लहरपुर, सीतापुर : नगर के हनुमत निवास मंदिर मीरा टोला में चल रही श्रीमद् देवी भागवत साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास ने शक्ति स्वरूपा मां की महिमा का वर्णन किया। कथा व्यास पंडित गरुड़ ध्वज बाजपेई व्याकरणाचार्य ने कहा कि मां की शक्ति की महिमा इस ब्रह्मांड में प्रत्येक कण में विद्यमान है। यही शक्ति ऊर्जा ब्रह्मांड का सार है। इस मौके पर डॉ. आशुतोष शुक्ला, रामशरण पुरी, प्रमोद बाजपेई, प्रमोद टंडन, अनमोल पुरी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुख्य मार्ग पर बाधा, बिफरे ग्रामीण

सीतापुर, अमृत विचार : सिधौली कस्बा स्थित इस्माइलगंज ग्राम पंचायत के लोग उप जिलाधिकारी से मिले। आरोप है कि गांव में मुख्य मार्ग पर कुछ लोगों ने पेड़ लगा दिए हैं, जिससे वाहनों और कृषि यंत्रों की आवाजाही बाधित है। ग्रामीणों के मुताबिक, मुख्य मार्ग अवरुद्ध होने से खेतों तक कृषि यंत्र नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे गेहूं की बुवाई गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। इस दौरान विमल, बराती, अंजनी, विनोद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। बता दें कि इस्माइलगंज ग्राम पंचायत से हुसैनपुर, माझखेरवा, पहाड़पुर, दक्षिणपुरवा सहित कई मजरे हैं।

गायों को खिलाया गुड़ और केला

गुड़-केला खिलाते परियोजना निदेशक। अमृत विचार

मछरेहटा, सीतापुर : डीएम डॉ. राजागणपति आर के पूरे जिले में हो रहे ताबड़तोड़ निरीक्षण अभियान का असर दिखाई देने लगा है। विभागीय जिम्मेदार अपने केबिन से निकलकर फील्ड में दिखाई देते हैं और सभी विभाग अपनी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगे हैं। इसी क्रम में परियोजना निदेशक अनिल चौधरी ने मछरेहटा ब्लाक की सबसे बड़ी गौशाला रुद्रावर्त महादेव नंदी गौ आश्रय केंद्र का निरीक्षण किया और यहां की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इसके बाद उन्होंने सेनपुर और बनियामऊ गौशालाओं का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

20 बीघा गन्ने की फसल जलकर हुई राख

सीतापुर, अमृत विचार : नेरी मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के पीछे अरविंद नामक किसान के गन्ने के खेत में अज्ञात कारणों से आग लग गई। लपटों की चपेट में किसान की फसल आ गई। आग की चपेट में 20 बीघा फसल जल गई। किसान मोहित, गुलाब आदि ने बताया कि कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

95 छात्र-छात्राओं को मिली ड्रेस और किताबें

गोंदलामऊ, सीतापुर : गोंदलामऊ विकास खंड के कोरौना गांव स्थित रामकिशोर रामेश्वर दयाल महाविद्यालय परिसर में पाठ्य पुस्तक सामग्री का वितरण किया गया। 95 छात्र-छात्राओं को किताबें और ड्रेस वितरित की गईं। कार्यक्रम में कौशल विकास मिशन के डीपीएमयू संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि कौशल विकास मिशन के तहत दिया जाने वाला प्रशिक्षण जीवन को नई दिशा प्रदान देगा। इस दौरान शिवम शर्मा, नीरज यादव सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, एक घायल

बिसवां, सीतापुर : जनपद के बिसवां थाना क्षेत्र के काजीपुर मोड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार जीजा साले को टक्कर मार दी। जिससे हादसे में ग्राम सुमरावां थाना सकरन निवासी मृतक मनोज गिरी (40) की मौत हो गई और उसका साला घायल हो गया। बताते हैं कि मृतक मनोज अपनी ससुराल सकरन से वापस अपने गांव एक बाइक पर अपने साले के साथ आ रहा था। तभी एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया। पुलिस घटना की जांच-पड़ताल कर रही है।

सीएचसी में अव्यवस्था, डीएम खफा

सीतापुर, अमृत विचार: जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. चार्ज लेने के बाद से ही सेहत महकमे को टोह रहे हैं। इस कड़ी में अचानक सीएचसी खैराबाद पहुंचे। औचक निरीक्षण में अव्यवस्था पसरी मिली, ऐसे में सीएचसी प्रभारी को नोटिस मिला। बीपीएम, एएनम, स्टाफ नर्स नोटिस को भी इसी कार्रवाई का सामना करना पड़ा। वहीं बीपीएम का 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश भी मिले।

दरअसल, खैराबाद इलाके में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई दिनों से डीएम को शिकायतें मिल रही थीं। इसी को लेकर अचानक डीएम सीएचसी खैराबाद पहुंचे। देखा तो पाया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व वंदना दिवस को लेकर कोई भी तैयारियां नहीं थीं। डिलीवरी रजिस्टर पर विवरण दर्ज नहीं था। ऐसे में सीएचसी अधीक्षक डॉ. राहिल फरीद से स्पष्टीकरण मांगा। निरीक्षण में एएनएम सुमनलता, स्टाफ नर्स पिंकी सिंह और पूनम सिंह से भी जवाब मांगा गया। उधर, बीपीएम अनुज कुमार का 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये। रेफर रजिस्टर देखकर रेफर मरीजों से भी फोन पर डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया। अनावश्यक रेफर की जानकारी मिलने पर सीएचसी प्रभारी और एक अन्य चिकित्सक को आड़े हाथो लिया। इस दौरान सीएमओ डॉ. सुरेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सीएचसी खैराबाद का निरीक्षण करते जिलाधिकारी।

दहेज में कार नहीं मिली तो दे दिया तीन तलाक

लहरपुर, सीतापुर : दहेज लोभियों को कार नहीं मिली तो पति ने तीन तलाक दे दी। तलाक की नोटिस मिलने पर पीड़िता के घर कोहराम मच गया। आनन फानन में कोतवाली लहरपुर पहुंचकर महिला ने केस दर्ज कराया है। पीड़िता की ससुराल हरगांव थानाक्षेत्र के लौका ककराही गांव की है। लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला काजी टोला निवासी बुशरा खातून के मुताबिक, उसका निकाह 24 दिसंबर 2023 को मोहम्मद तारिक उर्फ कुमार रानू पुत्र हसीब निवासी ग्राम लौका ककराही थाना हरगांव के साथ हुआ था। आरोप है कि पति मोहम्मद तारिक दहेज में कार की मांग कर रहे थे। न देने पर विवाह के बाद ससुराल में अमानवीय यातनाएं दी जाने लगीं। बीते दिनों पीड़िता को मार पीटकर जेवर छीनने के बाद घर से भगा दिया। बाद में डाक के माध्यम से तीन तलाक की नोटिस भिजवा दी। कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि विवाहिता की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है।

सिगरेट उधार न देने पर धारदार हथियार से हमला

महमूदाबाद, सीतापुर : महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के याकूबपुर गांव में उधार सिगरेट न देने को लेकर हुए विवाद में धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। आरोप है कि याकूबपुर निवासी रामगुलाम पैंतेपुर में अजीत की किराना दुकान पर काम करते हैं। शुभम उनकी दुकान पर आया और उधार सिगरेट मांगी। रामगुलाम ने सिगरेट देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद शुभम ने उनकी पिटाई कर दी। इस घटना के बाद रामगुलाम ने पैंतेपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन कारवाई नहीं हुई थी, जिसके बाद देर रात को रामगुलाम का बेटा महेंद्र रावत लखनऊ से घर लौट रहा था और दुकान के पास पहुंचा। आरोप है कि शुभम ने रामगुलाम को जातिसूचक शब्द कहे, विरोध करने पर विवाद बढ़ गया। शुभम भाई संग आया और मारपीट के दौरान उसने महेंद्र पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।

फर्राटा भर रहे ओवरलोड वाहन

इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के काजी कमालपुर चौकी क्षेत्र में ओवरलोड वाहन फर्राटा भर रहे हैं। रोजाना गन्ने की खोई भरकर वाहन गुजरते देखे जा सकते हैं। कई बार हादसे हो चुके हैं। कस्बावासियों ने कार्रवाई की मांग की है। ● अमृत विचार

पशु चिकित्सालय के चिकित्सक कक्ष में खाली पड़ीं कुर्सियां। अमृत विचार

चिकित्सालय तो है लेकिन जिम्मेदार नदारद

नैमिषारण्य, सीतापुर : ये तस्वीर नैमिषारण्य स्थित पशु चिकित्सालय की है। इलाके में बड़ी संख्या में बेजुबान विचरण करते हैं। छुट्टा और गोवंशों को बड़ी संख्या में आने वाले भक्त प्रसाद इत्यादि का सेवन कराते हैं। कई बार सड़क पार करते समय हादसे भी हो चुके हैं। कई बार मवेशियों में बड़ी संख्या में बीमारियां भी पनपती हैं। इसे लेकर पशु चिकित्सालय में सुविधाएं विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाती रही हैं लेकिन जिम्मेदार नदारद दिखते हैं। इलाका वासी दिलीप, अमन, आकाश आदि का कहना है कि चिकित्सक तो छोड़िये, यहां फार्मासिस्ट भी नहीं दिखते। ऐसे में बेजुबानों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शिकायतों के बावजूद समस्या जस की तस है।

न्यूज ब्रीफ

एडीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

रायबरेली : कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों, उप जिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा तहसीलदार/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ आलेख्य प्रकाशित मतदेय स्थल सूची को अन्तिम रूप से दिये जाने के सम्बन्ध में एक बैठक सम्पन्न की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने बैठक में उपस्थित सभी राजनैतिक दलों एवं अधिकारीगणो के सम्मुख कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों से संबंधित मतदेय स्थलों के सम्भाजन की प्रक्रिया की जानकारी दी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जनपद में समाविष्ट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार 177 बछरावों (अजा.), 179 हरचन्दपुर, 180 रायबरेली, 181 सलोन (अजा.), 182 सरेनी एवं 183 ऊंचाहार विधानसभा के सभी बढ़ने/घटने वाले मतदेय स्थलों के संबंध में चर्चा की गई। इस मौके पर प्रभारी अधिकारी निर्वाचन अभिषेक वर्मा, उपजिलाधिकारी ऊंचाहार राजेश कुमार श्रीवास्तव, तहसीलदार सदर शमीम अहमद, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ब्रजेश कुमार तिवारी, फिरोज अहमद उपस्थित रहे।

जनसुनवाई 20 को

रायबरेली : उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्य पूनम द्विवेदी 20 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभागार में 11 बजे जनसुनवाई करेंगीं। जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा ने बताया कि हरचंदपुर ब्लाक सभागार में वह जागरूकता चौपाल भी लगाएंगी।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत

डलमऊ : डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के सराय लखनी निवासी उर्मिला की 10 वर्ष पूर्व अटौरा बुजुर्ग थाना गुरुबक्शगंज निवासी सतीश कुमार के साथ शादी हुई थी। परिजनों का कहना है कि शनिवार की शाम को उर्मिला गंभीर अवस्था में मायके पहुंची, उसकी हालत को देखकर तुरंत उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था कि रास्ते में उसकी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची डलमऊ पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल

बछरावां : गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र के सराय मुबारक निवासी अभिषेक पुत्र रामस्वरूप (32) अपने साथी बबलू पुत्र जगदीश के साथ बाइक से लखनऊ जा रहे थे। हाईवे पर चुरूवा गांव के पास सड़क पार कर रही दो छात्राओं को बचाने के चक्कर में उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई। हादसे में एक छात्रा की साइकिल क्षतिग्रस्त हुई है। दुर्घटना में घायल दोनों बाइक सवारों को सीएचसी बछरावां पहुंचाया गया है।

भंडारे में भक्तों ने छका प्रसाद

सरेनी : सरेनी विकास क्षेत्र के मुरारमऊ गांव में समाज सेवक राजा दुर्गा बक्स सिंह उर्फ राजा साहब की ओर से सोमवार को भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व प्रधान शिव दर्शन यादव, सुशील वर्मा पूजा शुक्ला, अनूप पाण्डेय, सुरेश सिंह, अजय यादव, अगम सिंह, सोहन बैरागी, सर्वेश कोटेदार, अमीन हाशमी, शिवबोध, कृष्ण कुमार साहू, अरुण कोटेदार, नीरज, श्रीराम नारायण, डॉ. शैलजा, देवेश साहू, इजराइल खान रहे।

सड़क की मरम्मत से घंटों लगा रहा जाम

संवाददाता, डलमऊ (रायबरेली)

अमृत विचार। उन्नाव-ऊंचाहार रेलखंड पर मुराई बाग चौराहे के पास बने रेलवे गेट पर रेलवे लाइन के मध्य खराब हो चुकी सड़क के मरम्मतीकरण का कार्य कराया गया। जिसके चलते कस्बे के प्रमुख मार्गो पर घंटों जाम लगा रहा। करीब एक किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारे लगी रहीं। भीषण जाम लगने के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का समाना करना पड़ा।

कस्बा निवासी सर्वेस कुमार, सुधीर जायसवाल, मनोज सोनकर, टेसू दीक्षित, कुलदीप कुमार, अरविंद कुमार, विनीत कुमार, राजू गुप्ता, दीपांशु, पवन जायसवाल आदि लोगों ने बताया कि रेलवे विभाग

डलमऊ कस्बे में लगा जाम। अमृत विचार

लोग परेशान

द्वारा कराए जा रहे मरम्मतीकरण कार्य के दौरान कस्बे में भयंकर जाम लग जाने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया, जिससे लोगों को जरूरी काम एवं छात्र-छात्राओं को विद्यालय जाने में भारी समस्या का सामना करना पड़ा। इस संबंध में स्टेशन मास्टर डलमऊ अंकित सिंह ने बताया कि रेल की पटरियों के मध्य सड़क खराब होने के चलते मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। जिसमें सड़क की पटरियों के मध्य गटर एवं लोहे की प्लेट डालने का काम किया जा रहा था जो रात 10:30 बजे से सुबह 7 तक किया गया।

एम्स के चिकित्सकों ने पीड़ित को दिया नया जीवन

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। जिले में डेढ़ माह की नवजात आकृति न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट से ग्रसित थी जिसका राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत जनपद स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में डॉ. सुयश सिंह, एमएस न्यूरो सर्जरी एवं उनकी टीम द्वारा सफल ऑपरेशन कर नया जीवन दिया गया। बच्ची आकृति के पिता दीपक अग्रहरी व मां रूचि अग्रहरी ने कहा कि उनकी बच्ची का ऑपरेशन निःशुल्क हो गया यदि उन्हें जनपद से बाहर जाकर उपचार एवं ऑपरेशन करना पड़ता तो उनका पैसा भी बहुत खर्च होता और वह बहुत परेशान होते।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.

सफलता

- **जनपद में शुरू हुए न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट के ऑपरेशन, रोगियों को नहीं पड़ेगा भटकना**

नवीन चंद्रा ने कहा कि आरबीएस के तहत न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट का निशुल्क ऑपरेशन पहली बार अखिल भारतीय और विज्ञान संस्थान (एम्स) रायबरेली में कराया गया। इससे पहले इसकी सुविधा जनपद में नहीं थी। इस ऑपरेशन के लिए बच्चों को झांसी लखनऊ जैसे अन्य जिलों में जाना पड़ता था, लेकिन अब आरबीएस के कार्यक्रम को एम्स रायबरेली के साथ जोड़ा गया है। अब यहां के बच्चो को दूसरे जनपदों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सीएमओ ने बताया कि

पीड़ित आकृति और उसके परिजनों के साथ सीएमओ डॉ. नवीन चंद्रा।

आरबीएसके के तहत 47 प्रकार की जन्मजात विकृतियों एवं बीमारियों का इलाज किया जाता है। जनपद में हर ब्लाक पर दो आरबीएसके टीम है। कुल 18 ब्लाक हैं। इस तरह कुल 36 आरबीएसके टीम बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार करती हैं या उच्च स्वास्थ्य केन्द्रों पर रिफर करती हैं। हर टीम में एक महिला व एक पुरुष चिकित्सक और दो पैरा मेडिकल स्टाफ होता है।

वहीं उपमुख चिकित्सा अधिकारी तथा नोडल डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि आरबीएस से इस वित्तीय वर्ष में अब तक 39 बच्चों का कटे होंठ एवं तालू का ऑपरेशन निशुल्क से किया गया है। उधर, डीएचईआईओ डीएस अस्थाना ने बताया कि आरबीएस के अंतर्गत जिला चिकित्सालय में प्रत्येक बुधवार अनुष्का फाउंडेशन के सहयोग से क्लब फुट की जांच और इलाज किया जाता है। इस वित्तीय वर्ष में क्लब फुट(टेढ़े मेढे पैर या घूमे हुए पैर) से पीड़ित 32 बच्चों का सफल उपचार किया जा चुका है।

श्री अन्न की पैदावार कर बढ़ा सकते आय: दिनेश

मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिता एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम को प्रदेश के उद्यान मंत्री ने संबोधित किया

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश मिलेट पुनरुद्धार योजना के तहत जीआईसी मैदान में मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिता एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ प्रदेश के उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने फीता काटकर किया। उन्होंने श्री अन्न के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से मिलेट्स आधारित उत्पादों के उपयोग, उपभोग एवं लाभों का व्यापक प्रचार-प्रसार होता है। उन्होंने सभी से अपील की कि श्री अन्न के व्यंजनों को अपने दैनिक आहार में अवश्य शामिल करें। उन्होंने कहा कि श्री अन्न की पैदावार कर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

उद्यान मंत्री ने बताया कि मिलेट्स के क्षेत्रफल और उत्पादन में वृद्धि हेतु कृषि विभाग द्वारा ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो और सांवा के मिनीकिट निःशुल्क किसानों को वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही विभाग को

जीआईसी में आयोजित मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिता एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारम्भ करते उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह।

निर्देशित किया गया है कि जनपद रायबरेली में उन क्षेत्रों में श्री अन्न की फसलों को पुनः बढ़ावा दिया जाए, जहां पूर्व में इनकी खेती होती थी।

वहीं सीडीओ अंजुलता ने किसानों से इन फसलों के उपयोग को बढ़ाने की अपील की। इनके साथ कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरके कन्नौजिया ने श्री अन्न की खेती, पोषण मूल्य एवं उसके विविध उपयोगों के बारे में जानकारी प्रदान की। वहीं उप कृषि निदेशक विनोद कुमार द्वारा विभागीय योजनाओं एवं मिलेट्स की उपलब्धता से संबंधित जानकारियां साझा की गईं।कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने अत्यंत उत्साह के साथ चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता में सहभागिता की। वहीं मिलेट्स रेसिपी कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा 46 स्टॉल लगाए गए। कार्यक्रम के समापन पर सीडीओ ने सभी स्टालों का अवलोकन कर विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न वितरित किए।

135 जोड़ों ने एक-दूजे का थामा हाथ

रायबरेली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। यहां पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान तरीके से 135 जोड़ों का विवाह सकुशल सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता द्वारा किया गया। इसमें नगर पालिका परिषद रायबरेली और दो विकास खण्डों के 135 जोड़ों ने भाग लिया, जिसमें विकास खंड राही 66, अमावां 58 एवं नगर पालिका परिषद रायबरेली 11 जोड़े सम्मिलित रहे। सामूहिक विवाह समारोह में पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी जोड़ों को सात फेरे दिलाए और विवाह की पूरी रस्में निभाई। सामूहिक विवाह के दौरान अतिथियों व सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। प्रत्येक जोड़ो को वस्त्र, आभूषण (चांदी की पायल, बिछिया) स्टील डिनर सेट, प्रेशर कुकर, वैनिटी किट, दीवार घड़ी, ट्रॉली बैग आदि उपहार प्रदान किए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि ऐसे गरीब व निर्धन परिवार जो शादी विवाह समारोह में होने वाले व्यय को वहन करने में सक्षम नहीं हैं, उनका भी विवाह समारोह सम्मानपूर्वक, परम्परागत व धार्मिक रीति-रिवाज से सम्पन्न हो सके। इसलिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को प्रारंभ किया गया है। इससे पहले आगंतुकों का परियोजना निदेशक डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्रा के साथ जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी ने स्वागत किया। इस मौके पर कमल श्रीवास्तव, मुकेश सिंह, आशीष आदि मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह में वर-वधू को आशीर्वाद और उपहार देती सीडीओ अंजुलता। अमृत विचार

खीरों पुलिस का कारनामा : पैसा दो तो निर्दोष, नहीं तो दोषी

संवाददाता, खीरों (रायबरेली)

- **पूरे जुड़ावन मजरे मेड़ौली के मामले का वीडियो वायरल**

अमृत विचार। खीरों थाने में इस समय खुलेआम न्याय की बोली लग रही है। पैसा देने पर बड़े से बड़ा अपराध करने के बाद खीरों पुलिस दोषी को निर्दोष साबित करने का निरंतर प्रयास कर रही है। लेकिन पैसा न हो तो निर्दोष भी खीरों पुलिस की नजरों में दोषी करार कर दिए जाने की चर्चा है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसमें थाना क्षेत्र खीरों के गांव पूरे जुड़ावन मजरे मेड़ौली का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें मामा-भांजे के मामूली जमीनी विवाद में मामा द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के बाद दोनों पक्षों में सुलह समझौता हो जाने के बाद भी एक पक्ष को सात हजार रुपए देने पर ही घर जाने की इजाजत अन्यथा मुकदमा लिखकर जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। हालाकि अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

वायरल वीडियो में पूरे जुड़ावन मजरे मेड़ौली निवासी पीड़ित रामसेवक द्वारा बताया जा रहा है कि उसने पैतृक घरेलू जमीन पर अपना छप्पर रखा है। जिसका चचेरे मामा शिवचरन विरोध कर रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में रविवार की शाम कहासुनी हो गई। मामा शिवचरन ने भांजे रामसेवक और उसकी पत्नी सरिता के विरुद्ध खीरों थाने में शिकायती पत्र दिया। सोमवार को दोनों पक्षों ने थाने पहुंचकर आपस में लिखित सुलह समझौता कर एक प्रति थाने में दे दी। पीड़ित रामसेवक का आरोप है कि थाना खीरों में तैनात उपनिरीक्षक सन्तोष कुशवाहा और आरक्षी रितेश पटेल ने रामसेवक को फोन कर घर से बुलाया और थाने में बैठाकर सात हजार रुपए की मांग करने लगे। पीड़ित को आरक्षी सन्तोष कुशवाहा और आरक्षी रितेश पटेल ने यह धमकी भी दी कि रुपए न देने पर उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। वहीं इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि मामला जानकारी में आते ही रामसेवक को घर भेज दिया गया है।

भाजपा नेता पर रंगदारी मांगने का आरोप, प्रदर्शन

ऊंचाहार (रायबरेली)। मकान पर कब्जा दिलाने के एवज में बीजेपी नेता व उनके भाई पर रंगदारी लेने के आरोप में मुकदमा दर्ज न होने से नाराज कांग्रेस नेत्री की अगुवाई में दर्जनों महिलाओं ने कोतवाली गेट पर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और मुकदमा दर्ज कराने की मांग की। इस दौरान कोतवाल समेत अन्य अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपा है। इटौरा बुजुर्ग गांव की कुसुम लता पासी प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व उन्होंने अरखा गांव में राहुल सोनी व उनकी मां से 35 लाख रुपये में मकान का बैनामा लिया था और मकान में रहने लगी थी। इसी दौरान बीमारी के चलते वह दिल्ली चली गई, तभी उनके मकान में ताला लगा दिया गया। आरोप है कि मकान पर कब्जा दिलाने के एवज में गांव के ही बीजेपी नेता व उनके स्वैच्छिक सेवानिवृत्त दरोगा भाई ने रंगदारी के तौर पर 3 लाख रुपये लिये। जिसका साक्ष्य भी उनके पास मौजूद है। इसके बावजूद भी बीजेपी नेता पर मुकदमा दर्ज नहीं किया जा रहा है। इस सम्बंध में कोतवाल अजय कुमार राय ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है, मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फौजी की पत्नी से 16 लाख की धोखाधड़ी

रायबरेली। मिल एरिया थाना क्षेत्र के ओम नगर निवासी पूनम चंद्र सिंह भारतीय सेना में तैनात हैं। वह इस समय केरल में ड्यूटी कर रहे हैं। फौजी की पत्नी ने सीएम को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि शहर कोतवाली क्षेत्र के राना नगर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में लोन लेने के लिए संपर्क किया था। आरोप है कि बैंक के कर्मचारियों और अधिकारियों ने मकान व प्रॉपर्टी के कागजातों का गलत इस्तेमाल कर फर्जी लोन स्वीकृत कर लिया। फौजी के अनुसार बिना किसी सूचना के उनके नाम पर 16 लाख रुपये का लोन जारी कर दिया गया और किस्तें उनके खाते से काट ली गईं। जब मामले का खुलासा हुआ, तो बैंक ने कोई सहयोग नहीं किया। पिछले एक महीने से न्याय पाने के लिए फौजी पुलिस थानों व अधिकारियों के चक्कर काट रहा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री से मिल कर फौजी मामले की शिकायत की। इसके बाद जिले की पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिल एरिया थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह का कहना है कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

डंपर की टक्कर से दो लोग गंभीर

अमावां, रायबरेली। मिल एरिया थाना क्षेत्र में प्रयागराज लखनऊ हाईवे पर सोमवार की दोपहर एक तेज रफ्तार डंपर ने आगे जा रही कार को जोरदार टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर से अनियंत्रित हुई कार सड़क के किनारे पानी पुरी लगाने वाले एक ठेले में घुस गई। घटना में कार चालक व पानी पुरी का ठेला लगाने वाला युवक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस ने दुर्घटना में शामिल डंपर को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मिल एरिया थाना क्षेत्र के सींकी सलेमपुर गांव का जितेन्द्र सिंह कार से लखनऊ की ओर जा रहा था। लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर रतापुर चौराहे के पास पीछे से आए एक तेज रफ्तार डंपर में कार में जोरदार टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर से अनियंत्रित होकर कार सड़क के किनारे पानी पुरी के एक ठेले में घुस गई। घटना में कार चालक जितेंद्र सिंह, जालौन निवासी महेश पुत्र उमाशंकर घायल हो गए।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

संवाददाता, डलमऊ (रायबरेली)

- **रायबरेली-डलमऊ मार्ग पर हुआ हादसा, चार लोग रेफर**

अमृत विचार। देर शाम तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से दो बाइक सवार छह लोगों में एक ही परिवार के पिता-पुत्र की मौत हो गई। वहीं मृतक की पत्नी, पुत्री और दो अन्य बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा आनन-फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ लाया गया, जहां पर चिकित्सकों द्वारा सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सोमवार को डलमऊ कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत चौदह मिल के पास रायबरेली-डलमऊ मार्ग पर तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने दो बाइक को जोरदार टक्कर मार दिया, जिसमें एक ही बाइक में परिवार के चार लोगों के साथ दूसरी बाइक सवार में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची डलमऊ पुलिस ने सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया, जहां पर एक बाइक सवार चालक आशिक (35) और उसका चार वर्षीय बेटे अरसम को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वही मृतकआशिक की पत्नी शाहीन बानो (30), पुत्री अरीबा (10) के साथ दूसरी बाइक सवार नीरज उम्र (21), राजकुमार (22) निवासी पूरे बाके सिंह मजरे खरगपुर कुर्मीयाना कोतवाली डलमऊ की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। क्षेत्राधिकार डलमऊ गिरजा शंकर त्रिपाठी ने बताया कि ट्रक को गिरफ्त में ले लिया गया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

आशिक की फाइल फोटो।

तड़पता रहा घायल, कागजी कोरम में लगे रहे चिकित्सक: स्टेचर पर खुले आसमान के नीचे तड़पता रहा दुर्घटना में घायल युवक लोगों के कहने के बावजूद भी चिकित्सक अपना कागजी कोरम पूरा करने में जुटे रहे। इस दौरान घायल युवक का इलाज करने की जहमत नहीं उठाई, जिससे आक्रोशित लोगों ने इसकी शिकायत सीएमओ से करने के लिए कहा।

ऑटो पलटा, पिता-पुत्र घायल, महराजगंज: क्षेत्र के दौतरा निवासी राम लाल (35) अपने परिवार के साथ सोमवार को दिल्ली से वापस बस से महराजगंज पहुंचे। ऑटो बुक करके घर दौतरा जाते समय चंदापुर मुंडाबीरन के पास ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें वह घायल व उनका बेटा रिकित भी घायल हो गया। जबकि उनकी पत्नी पिंकी व बेटी खुशी को मामूली चोटें आई है। घायल रामलाल को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

डंपर व डीसीएम में भिड़ंत, चालक घायल

संवाददाता, बछरावां (रायबरेली), अमृत विचार। थाना क्षेत्र के कस्बा अंतर्गत बांदा-बहराइच राजमार्ग पर डंपर व डीसीएम की जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें डीसीएम चालक को मामूली चोटें आई है। जिसका इलाज अस्पताल में कराया गया है। जानकारी के अनुसार डीसीएम चालक प्रेम कुमार दुबे पुत्र जयराम दुबे डीसीएम लेकर कानपुर से गोरखपुर जा रहा था। बछरावां-लालगंज मार्ग पर स्थित ओवर ब्रिज पर चढ़ने लगा, तभी ओवर ब्रिज के ऊपर हैदरगढ़ की तरफ से लालगंज की तरफ आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर की उससे भिड़ंत हो गई। घटना के बाद डंपर चालक मय वाहन सहित मौके से फरार हो गया। वहीं डीसीएम का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें उसका चालक भी फंस गया। आसपास मौजूद लोगों ने चालक को डीसीएम से बाहर निकाल कर उसे निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज किया गया है।

हादसे में क्षतिग्रस्त डंपर।

दिखाया दमखम

बेसिक स्कूलों के बच्चों की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह का किया गया आयोजन

बच्चों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खेल जरूरी : डॉ. अमल

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। बैसवारा इंटर कॉलेज के खेल मैदान में सोमवार को बेसिक स्कूलों के बच्चों की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता समारोह के मुख्य अतिथि बैसवारा इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से बच्चों के जीवन में अनुशासन आता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज अधीक्षक डॉ. अमल पटेल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों द्वारा बच्चों का मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। हमें मोबाइल से दूरी बनानी चाहिए व खेलों के प्रति आकर्षित होना चाहिए। खंड शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार ओझा ने कहा कि खेल हमारे जीवन में संयम व ऊर्जा का प्रवाह करते हैं।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बच्चे। अमृत विचार

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में प्राथमिक स्तर पर 50 मीटर की दौड़ में प्रियांशु प्रथम, रविंद्र द्वितीय, लवकुश ने तृतीय, 100 मीटर की दौड़ में अनिकेत कुमार प्रथम, सौरभ द्वितीय, गौरव ने तृतीय, 200 मीटर की दौड़ में प्रांशु प्रथम, अनिकेत द्वितीय और गौरव ने तृतीय व 400 मीटर की दौड़ में रौनक ने प्रथम, रामू ने द्वितीय व आदर्श ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं में 50 मीटर की दौड़ में परी सिंह प्रथम, सुहानी द्वितीय, महक शुक्ला तृतीय, 100 मीटर की दौड़ में नैंसी प्रथम, सुहानी द्वितीय, पायल ने तृतीय व 400 मीटर की दौड़ में किरण प्रथम, महक द्वितीय, पायल ने तृतीय व जूनियर बालक वर्ग में 100 मीटर की दौड़ में शोभित कुमार प्रथम, मोहम्मद जजन द्वितीय विकास ने तृतीय व 200 मीटर की दौड़ में शुभम ने प्रथम, करन ने द्वितीय, गौरव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर में शुभम प्रथम, अर्जुन द्वितीय, सौरभ तृतीय व जूनियर स्तर बालिका वर्ग में दौड़ में 100 मीटर दौड़ में लक्ष्मी प्रथम, हिमांशी द्वितीय, महिमा ने तृतीय व 200 मीटर की दौड़ में काजल ने प्रथम, हिमांशी ने द्वितीय, खुशी तृतीय व 400 मीटर की दौड़ में तहसीन ने प्रथम, लक्ष्मी ने द्वितीय और शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम का संचालन आशीष प्रताप सिंह व संतलाल ने किया। इस मौके पर व्यवस्थापक विनोद कुमार, मुन्नालाल, राजेश कुमार, राकेश कुमार, धर्मेंश कुमार, राजनारायण, अनुराधा, शिव देवी, विनीता, ज्योति बाजपेई, रेनू, उदय राज सिंह, बालगोविंद, आलोक कुमार, अजय बाबू पांडे, उपेंद्र सिंह, संजय सिंह, पंकज कुमार सिंह आदि लोग रहे।

फाइनल मुकाबले में खरगापुर को हराकर बकुलिहा टीम का कप पर कब्जा

संवाददाता, खीरों, रायबरेली, अमृत विचार। विकास क्षेत्र के गांव नयाखेड़ा के यश इंडोर स्टेडियम में द सुपर एट कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके फाइनल मुकाबले में खरगापुर की टीम ने बकुलिहा की टीम को हराकर कप पर अपना कब्जा जमाया। विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ममता विद्या मंदिर गर्ल्स इंटर कालेज के प्रबंधक पंकज श्रीवास्तव और ग्राम प्रधान रामसनेही साहू ने कप और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। नयाखेड़ा के यश इंडोर स्टेडियम में आयोजित द सुपर एट कप क्रिकेट प्रतियोगिता में हरीपुर निहस्था, मनिकापुर उन्नाव, बजेउरा, सेमरी, बकुलिहा ए, बकुलिहा बी, सराय और खरगापुर सहित कुल आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। सेमी फाइनल मुकाबले में खरगापुर की टीम ने बकुलिहा ए टीम को और बकुलिहा बी की टीम ने मनिकापुर उन्नाव की टीम को हराकर फाइनल मुकाबले में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में खरगापुर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में सात विकेट खोकर कुल 115 रन बनाए। जिनमें अपनी टीम के लिए प्रकाशू ने 44 रन और सुमित ने 27 रन का सर्वाधिक योगदान किया। बकुलिहा के गेंदबाज निखिल ने दो ओवर में 10 रन देकर 4 और माइकल ने 25 रन देकर दो विकेट चटकाए। 116 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बकुलिहा बी की टीम 9 .4 में ही 83 रन पर तास के पत्तों की तरह बिखर गई। जिसमें खरगापुर के निशांत शुक्ला ने तीन ओवर में 30 रन देकर चार विकेट और वाडले ने 2 .4 ओवर में 6 रन देकर दो विकेट चटकाए। इस प्रतियोगिता में मैन आफ द सिरीज माइकल चौधरी, बेस्ट बालर वाडले, बेस्ट बैट्स मैन माइकल चौधरी, मैन आफ द मैच निशांत शुक्ला को घोषित किया गया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक विशाल दीक्षित, राघव वाजपेई और पप्पू, अविनाश विश्वकर्मा थे। सभी विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ममता विद्या मंदिर गर्ल्स इंटर कालेज सेमरी के प्रबन्धक पंकज श्रीवास्तव और ग्राम प्रधान रामसनेही साहू ने कप और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

विजेता खिलाड़ी को कप प्रदान कर सम्मानित करते प्रबंधक पंकज श्रीवास्तव और प्रधान रामसनेही साहू।

डॉ. ब्रजेश आईएसीएम का प्रेसीडेंट एप्रीसिएशन अवार्ड से सम्मानित

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल मेडिसिन (आईएसीएम) के 31वें वार्षिक सम्मेलन में जिले के प्रख्यात चिकित्सक और आईएसीएम के जिला अध्यक्ष डॉ. ब्रजेश सिंह को 'प्रेसीडेन्ट एप्रीसियेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। चिकित्सा सेवा क्षेत्र मे काम कर रहे सैकड़ों चिकित्सकों की मौजूदगी में पंजाब सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलवीर सिंह ने सम्मानित किया। डॉ. ब्रजेश को यह गौरवपूर्ण सम्मान, चिकित्सा के क्षेत्र में उनके स्मरणीय व सराहनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। कार्यक्रम में डॉ ब्रजेश के साथ ही रायबरेली के तीन अन्य डॉक्टरों को भी 'फेलोसिप अवार्ड' देकर सम्मानित किया गया। पंजाब के चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट सम्मान पाकर चिकित्सा के क्षेत्र में रायबरेली को सर्वोच्च शिखर पर प्रतिस्थापित कर दिया है। चिकित्सकों को मिली उपलब्धि पर समूचा जनपद गौरवान्वित है।

चंडीगढ़ में आयोजित सम्मेलन में सम्मानित डॉ. ब्रजेश सिंह व अन्य चिकित्सक।

चंडीगढ़ स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में आयोजित सम्मेलन में जिले के करीब दस चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। इसमें डॉ. ब्रजेश सिंह के अलावा डॉ बीरबल, डॉ. राजीव चौधरी, डॉ. रोहित हसानी, डॉ. मनीष चौहान, डॉ. डीआर मौर्या, डॉ राजेश गुप्ता, डॉ केपी वर्मा, डॉ एआर त्रिपाठी और डॉ. विपिन गुप्ता शामिल रहे। कार्यक्रम में पंजाब सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलवीर सिंह सम्मानित किया। ख्याति प्राप्त फिजीशियन डॉ. बीरबल, डॉ. राजीव चौधरी व डॉ. रोहित हसानी को फेलोशिप सम्मान प्रदान किया गया।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बोलेरो और बाइक में हुई टक्कर, दो की मौत

रायबरेली : मिल एरिया थाना इलाके में दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोगों में से दो की मौत हो गई जबकि एक ही हालत गंभीर है। मामला थाना क्षेत्र के के राही का है। यहां शहर कोतवाली क्षेत्र के सोनिया नगर निवासी विजय कुमार अपने साथियों निहाल, और सन्नी के साथ बाइक पर सवार होकर सुल्तानपुर रायबरेली मार्ग पर काफी तेज़ गति से जा रहे थे। उसी दौरान जायस की ओर से आ रही बोलेरो से आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर में विजय व निहाल की मौके पर ही मौत हो गईं जबकि सन्नी गंभीर तौर पर ज़ख्मी हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ अरुण नौहर ने बताया कि घायल का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बोलेरो का ड्राइवर मौके से फरार हो गया है।

फरार गोकश चढ़ा पुलिस की हत्थे

जगदीशपुर (अमेठी) : पुलिस मुठभेड़ में फरार हुए शातिर गोकश को अमेठी पुलिस ने दिल्ली के जाफराबाद नॉर्थ इलाके से गिरफ्तार कर लिया। फरार गौकश पर अमेठी में गैंगस्टर समेत 15 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं ।फिलहाल पुलिस अब पूरे मामले में विधिक कार्रवाई करने में जुटी हुई है। दरअसल 27 अक्टूबर को जगदीशपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और गौकशो में मुठभेड़ हुई थी। मुठभेड़ में पुलिस ने एक गोकश को लंगड़ा करने के बाद गिरफ्तार कर लिया जबकि उसका एक साथ ही गौहर का पुरवा निवासी मोइन पुत्र रफीक मौके से फरार हो गया। अपराधी के फरार होने के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। सूचना के बाद दिल्ली पहुंचे जगदीशपुर थाना प्रभारी धीरेंद्र यादव और उनकी टीम ने गौकश को दिल्ली के जाफराबाद नार्थ पूर्वी दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया ।गिरफ्तार गौकश पर जगदीशपुर थाने में गैंगस्टर समेत 15 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पूछताछ में नईम ने बताया कि 27 अक्टूबर की रात वहां और उसका साथी जावेद गोकशी करने गए थे।

सफाई कर्मचारियों ने जताई नाराजगी

तिलोई (अमेठी) : जायस नगर पालिका में सफाई कर्मचारियों ने अपने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष के साथ बैठक की। इस दौरान कर्मचारियों ने भविष्य निधि (पीएफ) के बकाया भुगतान को लेकर नाराजगी व्यक्त की और प्रशासन को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है। चेतावनी दी गई है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। कर्मचारियों का आरोप है कि संविदा सफाई कर्मचारियों के वेतन से पिछले 29 महीनों से पीएफ के नाम पर प्रति कर्मचारी 4500 रुपये काटे जा रहे हैं, लेकिन यह राशि अभी तक उनके खातों में जमा नहीं की गई है। उन्होंने 23 नवंबर 2025 तक 29 महीने के पीएफ बकाया का भुगतान करने की मांग की है ।इसके अतिरिक्त, आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों के लिए एक महीने में चार अवकाश बिना वेतन कटौती के लागू करने की भी मांग की गई है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का समय पर समाधान नहीं होता है, तो 24 नवंबर 2025 से जायस नगर पालिका के सभी सफाई कर्मचारी अनिश्चितकाल के लिए सफाई कार्य का बहिष्कार कर धरने पर बैठ जाएंगे। उन्होंने चेतावनी देते कहा कि सफाई व्यवस्था बिगडने पर इसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और नगर पालिका प्रशासन की होगी।

सड़क हादसों में बालक समेत दो की मौत

अमेठी-मुसाफिरखाना मार्ग पर अज्ञात वाहन ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, दो मौतों से परिजनों में कोहराम

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय बाबूलाल की मौत हो गई। मुंशीगंज क्षेत्र के कोरियानी गांव निवासी बाबूलाल पैदल भुसियावां गए थे और लौटते समय अमेठी-मुसाफिरखाना मार्ग पार कर रहे थे। इसी दौरान भुसियावां गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें तेज रफ्तार में टक्कर मार दी।

वाहन की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाबूलाल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर ही गिर पड़े। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल बाबूलाल को मुंशीगंज स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उनके इलाज की कोशिश की, लेकिन गंभीर चोटों के कारण बाबूलाल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के बेटे मोनू ने बताया कि उनके पिता खेती-किसानी करके परिवार का भरण-पोषण करते थे। अचानक हुए इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। वहीं प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और फरार वाहन व उसके चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

स्कूटी और बाइक की टक्कर में तीन महिलाओं समेत छह घायल, मुसाफिरखाना: सोमवार देर शाम स्कूटी और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों गाड़ियों पर सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी मुसाफिरखाना में भर्ती कराया जहां से गंभीर हालत में चार लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

दरअसल यह पूरा मामला मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित पूरे प्रेम शाह गांव के पास का है। जहां देर शाम करीब 7 बजे तेज रफ्तार बाइक और स्कूटी की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार दोनों गाड़ियों पर सवार तीन महिलाओं और एक बच्ची समेत 6 लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मुसाफिरखाना कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सीएचसी पहुंचाया जहां से प्राथमिक इलाज के बाद चार लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घायलों की पहचान इसी थाना क्षेत्र के पूरे मलिक गांव के रहने वाले 17 वर्षीय आमिर, 37 वर्षीय शीबा पत्नी इफ्तिखार, 5 वर्षीय आयजा पुत्री शीबा और मठा भुसुंडा गांव के रहने वाले 27 वर्षीय विजय यादव,23 वर्षीय अनीशा और 17 वर्षीय रितिमा के रूप में हुई। गंभीर रूप से घायल रितिमा, आमिर, आयजा और अनिशा को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से नौ वर्षीय बच्चे की मौत

ऋषभ शर्मा की फाइल फोटो।

अमेठी, अमृत विचार। मुंशीगंज थाना क्षेत्र के सुमेरपुर के पास रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 9 वर्षीय बालक की मौत हो गई। तेज़ रफ़्तार मोटरसाइकिल ने दुकान से सामान लेकर पैदल घर लौट रहे मासूम को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान ऋषभ शर्मा (9 वर्ष), पुत्र आशीष शर्मा, निवासी ग्राम मनीरामपुर रविवार शाम करीब 6 बजे, मुंशीगंज थाना क्षेत्र के सुमेरपुर के पास दुकान से सामान लेकर पैदल अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान, पीछे से तेज़ रफ़्तार से आ रहे मोटरसाइकिल सवार विनोद उर्फ खबरी (पुत्र रामदुलारे, निवासी सुमेरपुर) ने उसे ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि ऋषभ गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के तुरंत बाद परिजन घायल बच्चे को आनन-फानन में जिला अस्पताल सुल्तानपुर ले गए। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। रात में परिजन शव को घर ले आए। सोमवार सुबह 9 बजे परिजनों ने मुंशीगंज कोतवाली में आरोपी चालक के खिलाफ नामजद तहरीर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना इंचार्ज राजकुमार सिंह ने बताया कि परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

निजी क्लीनिक के मोह के चलते सरकारी अस्पताल 'राम भरोसे'

संवाददाता, अमेठी

लापरवाही

- **अमेठी सीएचसी में चरमराई स्वास्थ्य सेवाएं, परेशान मरीजों ने लगाए गंभीर आरोप**

अमृत विचार। सीएचसी अमेठी के अधीक्षक डॉ. सौरभ सिंह पर गंभीर आरोप लगे हैं कि वह सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की अनदेखी कर निजी क्लीनिक की प्रैक्टिस को प्राथमिकता दे रहे हैं। जहां अमेठी में स्थित शशी हॉस्पिटल जो कि अमेठी यह डॉ. सौरभ की पत्नी के नाम है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस लापरवाही का सीधा असर सीएचसी की व्यवस्थाओं पर पड़ रहा है। जिससे इलाज के लिए आने वाले गरीब और जरूरतमंद मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के मुताबिक सीएचसी अधीक्षक को विभाग द्वारा परिसर में सरकारी आवास इसलिए आवंटित किया गया है ताकि वह 24 घंटे सीएचसी में उपलब्ध रहें और आपातकालीन स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी कर सकें। हालांकि, सूत्रों और स्थानीय लोगों के अनुसार, डॉ. सिंह इस आवास में निवास नहीं करते हैं। उनका मुख्य समय अमेठी कस्बे में उनकी पत्नी के नाम से संचालित निजी अस्पताल में व्यतीत होता है। वह अपनी अधिकतम ऊर्जा और समय निजी प्रैक्टिस को दे रहे हैं, जिसके कारण सीएचसी में उनकी उपस्थिति और निगरानी कमजोर रहती है। अधीक्षक के इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये से सीएचसी अमेठी की कार्यप्रणाली चरमरा गई है। अस्पताल में इस समय अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है। सीएचसी अधीक्षक की लापरवाही के चलते डॉक्टर और स्टाफ की उपस्थिति भी अनियमित रहती है। वहीं सीएचसी परिसर में साफ-सफाई और रखरखाव की स्थिति अक्सर खराब बनी रहती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

आपातकालीन सेवाओं में बाधा: रात या किसी भी आपात स्थिति में अधीक्षक की अनुपलब्धता से सीएचसी के गंभीर मरीजों को समय पर जरूरी उपचार नहीं मिल पाता है। वहीं सीएचसी में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों ने अधीक्षक के व्यवहार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संतोष तिवारी, निवासी बघवारिया, ने आरोप लगाया कि मैं शुक्रवार को सीएचसी दिखाने गया था। रजिस्ट्रेशन के बाद डॉक्टर सौरभ सिंह के पास गया। उन्होंने कहा कि कुछ दवा हॉस्पिटल से और बाकी दवा बाहर से ले लेना। मैं गरीब आदमी हूं, बाहर जांच नहीं करवा पाया। मरीज यह बयान स्पष्ट करता है कि सरकारी अस्पताल में भी मरीजों को बाहर से दवाइयां और जांचें कराने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने जांच की मांग की: अधीक्षक के इस रवैये और सीएचसी की बदहाल व्यवस्था से स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सुरेश चंद्र, पवन तिवारी, रामसुख मिश्रा, विमला पांडे और पूर्व प्रधान राकेश कश्यप सहित दर्जनों ग्रामीणों ने जिले के उच्चाधिकारियों से जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस गंभीर मामले का तत्काल संज्ञान लिया जाए और सीएचसी की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुधारा जाए।

क्या बोले जिम्मेदार

वहीं इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक डॉ. सौरभ सिंह का कहना है कि अमेठी में ही मेरे माता जी के नाम निजी अस्पताल चल रहा है। जो मेरी पत्नी की देखभाल में चलता है। मेरे द्वारा सिर्फ आना-जाना रहता है। साथ ही सीएचसी अधीक्षक आवास अभी हमें नहीं मिला है व अभी सरकारी आवास पूर्व सीएचसी अधीक्षक के पास ही है। दूसरी ओर इस मामले में सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह ने बताया कि संबंधित शिकायत की जांच की जाएगी। यदि सीएचसी अधीक्षक अपने निजी अस्पताल में मरीज देखते मिलते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

लोकतंत्र समझने के लिए विधान सभा का भ्रमण जरूरी: सुरेश

संवाददाता, शुकुल बाजार (अमेठी)

अमृत विचार। लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को नजदीक से दिखाने की अनूठी पहल को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्रीय विधायक व पूर्व राज्यमंत्री सुरेश पासी ने सोमवार को जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र के शुकुल बाजार व हलियापुर के 50 से अधिक मीडिया कर्मियों को लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश विधानसभा का भ्रमण कराया। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और यूट्यूब प्लेटफॉर्म के पत्रकारों ने सदन कक्ष, मुख्य भवन, समिति अनुभागों और अन्य महत्वपूर्ण विधायी इकाइयों को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को प्रश्नकाल, शून्यकाल, विधेयक निर्माण प्रक्रिया, समिति प्रणाली तथा सदन की दैनिक कार्यवाही के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पत्रकारों ने विधायी प्रक्रियाओं को बेहतर समझने के लिए अधिकारियों से सवाल भी पूछे। वहीं विधायक सुरेश ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के समर्थ स्तंभ हैं और उन्हें विधानसभा की कार्यशैली का प्रत्यक्ष ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विभिन्न वर्गों के 700 से अधिक लोगों को अब तक विधानसभा भ्रमण कराया जा चुका है और यह कार्यक्रम आगे भी बदस्तूर जारी रहेगा।

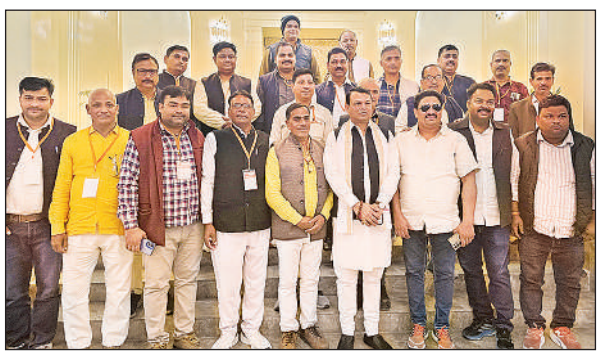

विधान सभा का भ्रमण कराते विधायक सुरेश पासी व मौजूद पत्रकार। अमृत विचार

- **पत्रकारों ने जाना विधायी प्रक्रिया, डिजिटल हेलीकॉप्टर से किए तीर्थ व पर्यटन स्थलों के वर्चुअल दर्शन**

विधान सभा के भ्रमण के बाद सभी मीडिया कर्मियों को डिजिटल हेलीकॉप्टर तकनीक के माध्यम से उत्तर प्रदेश के प्रमुख तीर्थ और पर्यटन स्थलों, अयोध्या, काशी, प्रयागराज, वृंदावन, चित्रकूट, कुशीनगर एवं लखनऊ का वर्चुअल अनुभव कराया गया। प्रतिभागियों ने इसे बेहद रोचक और उपयोगी बताया। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकर्ता अमन शुक्ला, वरिष्ठ नेता रामहेत वैश्य, रामनाथ प्रधान, अमित सोनी, अमरनाथ मौर्य सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी पत्रकारों को डायरी, कलम, बैग व पानी की बोतल देकर सम्मानपूर्वक रवाना किया गया।

सर प्लस टीचरों को दूसरे विद्यालय में किया जाएगा समायोजित

अमेठी। एकल प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों की कमी को देखते हुए अमेठी के बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी ने अन्य विद्यालय में तैनात सर प्लस शिक्षकों को दूसरे विद्यालयों में तैनात करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिले में करीब 50 ऐसे विद्यालय हैं, जिसमें शिक्षकों की कमी है और इसी कमी को पूरा करने के लिए विभाग द्वारा समायोजन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिले में कुल 1570 विद्यालय हैं। बीएसए की माने तो जिले में समायोजन की प्रक्रिया चल रही है और अब तक करीब दो बार समायोजन किया जा चुका है लेकिन अब जिन विद्यालयों में शिक्षक कम है और बच्चों की संख्या ज्यादा है वहां शिक्षकों की तैनाती शुरू कर दी गई है।

प्राथमिकता पर निस्तारित होंगी उद्यमियों की समस्याएं: सीडीओ

बैठक करते सीडीओ व मौजूद व्यापारी। अमृत विचार

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) सचिन कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु, औद्योगिक/व्यापारिक सुरक्षा फोरम व एमओयू क्रियान्वयन समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने अधिकारियों को उद्यमियों की सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ ने कहा कि उद्यमियों की समस्याएं प्राथमिकता पर निस्तारित होंगी।

बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंध, अनधिकृत कब्जों को हटाने, पार्किंग व्यवस्था, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाणपत्र, विद्युत कनेक्शन समेत अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना तथा एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति के निर्देश दिए गए।

बंकागढ़-सेहगों सम्पर्क मार्ग के बदहाल होने से ग्रामीणों में रोष

बदहाल शिवगढ़ क्षेत्र का बंकागढ़-सेहगों सम्पर्क मार्ग।।

शिवगढ़, रायबरेली, अमृत विचार। क्षेत्र का बंकागढ़—सेहगों सम्पर्क मार्ग पिछले कई सालों से जर्जर एवं बदहाल होने से स्कूली छात्र-छात्राओं, ग्रामीणों एवं राहगीरों को आवागमन में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। करीब 5 .7 किलोमीटर लम्बा यह सम्पर्क मार्ग क्षतिग्रस्त एवं गड्ढों में तब्दील होने से साधन से चलना तो दूर की बात पैदल चलना भी दुश्वार हो रहा है। हल्की बारिश होते ही गड्ढों में पानी भर जाने से गड्ढों का अंदाजा न लग पाने से राहगीर हादसों का शिकार होते रहते हैं। सम्पर्क मार्ग के बदहाल होने से ग्रामीणों में पीडब्ल्यूडी विभाग के प्रति गहरा रोष व्याप्त है। बंकागढ़ प्रधान दुर्गेश बहादुर,सत्यनारायण, बाबादीन, शत्रोहन वर्मा, राजकुमार, नान्हा, कपिल, दिनेश वर्मा, सुन्दर लाल, दीनदयाल शर्मा सहित तमाम ग्रामीणों ने विभाग से तत्काल सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी सड़क की हालत जस की तस बनी हुई है। पीडब्लूडी विभाग द्वारा अभी तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई है। इस सम्बन्ध में पीडब्ल्यूडी विभाग के जेई समीर श्रीवास्तव ने बताया कि बंकागढ़ से सेहगों तक 5 .710 किलोमीटर लम्बे सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो गई है, जल्द ही मरम्मत का कार्य शुरू कराया जाएगा।

सिटी डायरी

साधन सहकारी समिति में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथि।

अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह आयोजित

सरेनी (रायबरेली)। सोमवार को साधन सहकारी समिति इब्राहिमपुर में अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैंक के उपाध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा व विशिष्ट अतिथि इफको के प्रबंधक डॉ. बीके सिंह रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि सहकारी बैंक तीन प्रतिशत वार्षिक दर से ऋण की सुविधा उपलब्ध कराता है। डॉ. बीके सिंह ने कहा कि किसान जैविक खादों का प्रयोग करें। रासायनिक खाद संतुलित मात्रा में डालें क्योंकि मिट्टी की सेहत बिगड़ रही है। आयोजित किए गए कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी ने किया। इस मौके पर सुधाकर सिंह, जितेंद्र सिंह, शिव प्रकाश दीक्षित, रणंजय सिंह, सुरेश सिंह, अजीत सिंह, अशोक कुमार आदि उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में भरा गंदा पानी।

बच्चों की जिंदगी से हो रहा खिलवाड़

तिलोई (अमेठी)। ब्लाक तिलोई क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत ओनडीह के ग्राम पंचायत भवन अपनी बदहाली पर आंसु बहा रहा है। उसी भवन में ग्राम प्रधान तथा ग्राम विकास अधिकारी कार्यालय संचालित हैं व भवन के आसपास कभी गन्दगी व बारिश, गांव के नालियों का पानी भवन परिसर में जमा हैं उसी भवन में आंगन बाड़ी के नौनिहाल बच्चे पढ़ने को मजबूर हैं। यहां के ग्राम प्रधान अजीजुल रहमान ने बताया ग्राम पंचायत की जमीन पर गांव के कुछ दबंगों द्वारा कब्जा करके अधिक्रमण कर लिया जिससे पंचायत भवन का पानी बाहर नहीं निकल पा रहा है और नहीं भवन की साफ-सफाई हो पा रही है । वहीं खण्ड विकास अधिकारी राजकुमार शर्मा से बात किया तो बताया कि मामला मेरी जानकारी में नहीं है जल्द उचित कार्यवाही की जायेगी।

व्यास गद्दी की पूजा-अर्चना करते भक्तगण।

श्री राम-भरत मिलाप प्रेम और भक्ति का प्रतीक : साध्वी

लालगंज (रायबरेली)। लालगंज नगर के संस्कृत विद्यालय में चल रही श्री राम कथा के छठे दिन व्यास गद्दी पर विराजमान साध्वी निशु भारद्वाज ने कहा कि श्री राम कथा में भरत मिलाप एक अत्यंत भावपूर्ण और प्रेरणादायक प्रसंग है। जब भगवान राम को वनवास हुआ, तो भरत ने अपने भाई के प्रति प्रेम और भक्ति का अद्वितीय उदाहरण पेश किया। यहां कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष महेश शर्मा, व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा, जिलाध्यक्ष रोहित सोनी, प्रदेश मंत्री मृत्युंजय बाजपेई, अप्पू शर्मा, विष्णु पांडे, प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह आदि रहे।

भक्त प्रहलाद की कथा का किया वर्णन

कथा सुनाते आदर्श जी महराज। अमृत विचार

संग्रामपुर (अमेठी)। संग्रामपुर क्षेत्र के पूरे बख्शी पांडे माजरा भावलपुर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के तीसरे दिन बाल व्यास आदर्श जी महाराज व्यास गद्दी पर विराजमान होकर भक्तिमय कथा सुना रहे थे। आज के प्रवचन में उन्होंने भक्त प्रहलाद की कथा का विशेष वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भक्त प्रहलाद ने ईश्वर में अटूट विश्वास और भक्ति की शक्ति से हर कष्ट व यातना को सहन किया। अंततः भगवान नृसिंह प्रकट होकर उनकी रक्षा करते हैं—जो यह दर्शाता है कि सच्ची भक्तिभावना ईश्वर को प्रकट करने की सामर्थ्य रखती है। कथावाचक ने ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि मां सुनीति की प्रेरणा से ध्रुव ने कठोर तप किया और भगवान विष्णु को प्रसन्न कर ध्रुव लोक की प्राप्ति की। साथ ही भगवान विष्णु के मत्स्य, वामन एवं अन्य अवतारों की दिव्य कथाओं का भी सुंदर वर्णन किया। समुद्र मंथन प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि यह कथा मनुष्य की भीतर चलने वाले अच्छे और बुरे विचारों के संघर्ष का भी प्रतीक है। कथावाचक आदर्श जी ने कहा कि भगवान की कथाएं हमें सिखाती हैं कि ईश्वर-भक्ति सरल नहीं, बल्कि इसके लिए सच्ची श्रद्धा, धैर्य और अटूट विश्वास आवश्यक है।

कार्यक्रम माधव सेवा संस्थान के तत्वावधान में रायबरेली क्लब में किया गया ऑडिशन का आयोजन

मॉडलिंग, डांस और गायन में बच्चों ने बिखेरा जलवा

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। माधव सेवा संस्थान के तत्वावधान में रायबरेली क्लब में नृत्य, गायन एवं मॉडलिंग ऑडिशन का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के सैकड़ों युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एनजीओ प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अरविंद श्रीवास्तव एडवोकेट द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। संस्थान की अध्यक्ष प्रियंका अवस्थी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य रायबरेली के युवाओं को राष्ट्रीय मंच पर कला और संस्कृति के क्षेत्र में पहचान दिलाना है। उन्होंने बताया कि ऑडिशन में चयनित प्रतिभागियों का ग्रैंड फिनाले 21 दिसंबर को शहर में आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि मुंबई से बॉलीवुड अभिनेत्री शायन्तनी घोष होंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में ईशा शर्मा, प्रिया उपाध्याय, भवलीन चावला, हरप्रीत कौर, नेहा झा, अमन शर्मा और रेनू वर्मा का सहयोग सराहनीय रहा।

डांस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती युवती।

मॉडल प्रतियोगिता में हिस्सा लेतीं युवतियां।

प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल से नवाजे गए नगर पंचायत अध्यक्ष के पुत्र मारियुस गुप्ता

सम्मानित मारियुस व मौजूद शिक्षक।

लालगंज (रायबरेली)। लालगंज नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता दीपेंद्र गुप्ता के पुत्र मारियुस गुप्ता ने प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल प्राप्त कर लालगंज ही नहीं प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर से बीटेक (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) की डिग्री प्राप्त करने के साथ ही उन्हें एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल से नवाजा गया। इस उपलब्धि पर विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक अशोक सिंह, निवर्तमान विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, श्री फाउंडेशन के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी, समाज सेविका एवं पूर्व प्रत्याशी सुधा द्विवेदी, भाजपा नेता अनूप पांडेय, कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष महेशशर्मा, व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष रोहित सोनी, पूर्व अध्यक्ष अर्चना नागेंद्र गुप्ता और अनूप बाजपेयी ने मारियुश को क्षेत्र का गौरव बताया और निरंतर प्रगति की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. निरंजन राय, प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र बहादुर सिंह, प्रबंधक लाल देवेंद्र बहादुर सिंह, सुनील शुक्ला, सुनील सिंह, अरुण कुमार सिंह, डॉ. एमडी सिंह, डॉ. ओपी सिंह, बैजनाथ विश्वकर्मा, राजेश सिंह फौजी, सुरेंद्र गुप्ता, शिव शंकर मिश्रा, मनोज दीक्षित आदि लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

आबकारी मंत्री आज करेंगे पार्क का लोकार्पण

हरदोई, अमृत विचार। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल मंगलवार की शाम आवास विकास के सी-ब्लाक में निर्मित पार्क का लोकार्पण करेंगे। बुधवार को वह पटेल जयंती पर होने वाली यूनिटी मार्च यात्रा का शुभारंभ गांधी मैदान से करेंगे।

यातायात जागरूकता अभियान का आयोजन

पिहानी, हरदोई। सोमवार को कोतवाली क्षेत्र के भारतीय इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति अभियान फेस-5.0 एवं सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा यातायात जागरूकता अभियान के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मिशन शक्ति प्रभारी ने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा, और साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में इंटरमीडिएट की छात्रा निराली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसे एसआई दीक्षा यादव ने शील्ड देकर सम्मानित किया।

बिलग्राम में 8 फीट लंबा अजगर पकड़ा गया

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। अंजुमन प्लाई फैक्ट्री के पास सड़क पर एक अजगर देखा गया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। इसके लगभग एक घंटे बाद वन विभाग की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और अजगर को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। वन विभाग कर्मचारी राहुल और इमरान ने बताया कि अजगर चांदी के पेड़ पर चढ़ा हुआ था। टीम ने पेड़ की डाली को काटा, जिसके बाद अजगर डाली सहित खेत में गिर गया और उसे पकड़ लिया गया। पकड़े गए अजगर का वजन लगभग 45 किलोग्राम बताया जा रहा है, जिसकी लंबाई 8 फीट थी।

छात्र को अगवा कर पुलिस जीप में बंधक बनाकर पीटा

अब्बास नाम के व्यक्ति के बारे में पूछताछ कर रहे दो लोग

संवाददाता, हरदोई

पीड़ित आयुष पाल।

अमृत विचार। स्कूल जा रहे छात्र को रास्ते में बाइक सवार दो युवकों ने अगवा कर लिया। छात्र को पिहानी रोड फ्लाई ओवर के नीचे ले जाया गया, जहां पहले से खड़ी पुलिस जीप में उसे ठूंसकर अब्बास नाम के व्यक्ति के बारे में पूछताछ की गई। न बताने पर उसे पुलिस के सामने बुरी तरह टार्चर किया गया। छात्र के परिजनों को उसके लापता होने की जानकारी तब हुई जब वह स्कूल नहीं पहुंचा।

कोतवाली देहात के कमला नगर पिहानी रोड निवासी छुन्नू पाल का 15 वर्षीय बेटा आयुष पाल लखनऊ रोड के नामी इंग्लिश मीडियम स्कूल में 10वीं का छात्र है। पिता छुन्ना पाल ने एसपी से की शिकायत में कहा कि उसका बेटा सोमवार की सुबह पिहानी रोड पर एक गेस्ट हाउस के सामने स्कूल बस की राह देख रहा था। उसी बीच एक सफेद अपाचे उसके पास रुकी। उस पर सवार दो लोगों ने आयुष को जबरिया बाइक पर बैठा लिया और पिहानी रोड फ्लाई ओवर के नीचे लेकर गए। वहां एक पुलिस जीप पहले से खड़ी थी। छुन्नू पाल ने बेटे आयुष के बताने के मुताबिक आगे कहा कि वही दोनों अपाचे सवार उससे किसी अब्बास नाम के शख्स के बारे पूछताछ करने लगे। बोले...अब्बास तेरा कौन है, छात्र ने बताया कि वह इस नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानता। उसी बात पर छात्र को पुलिस जीप में ठूंसकर उसे बुरी तरह टार्चर किया। करीब दो घंटे बाद उसे दूसरे ठिकाने पर छोड़ गए। उधर आयुष के गैर हाज़िर होने पर स्कूल से फोन आया। पिता छुन्नू पाल ने बताया कि फोन आते ही वह आयुष को ढूंढने निकल पड़ा, उसी बीच वह बदहवास हालत में घर पहुंचा और सारी बात बताई। एसपी से पूरे मामले की गहराई से जांच करने की मांग की गई है।

राज्यमंत्री के बेटे हैं स्कूल के चेयरमैन

पीड़ित छात्र आयुष पाल जिस इंग्लिश मीडियम स्कूल में 10वीं का छात्र है, वह स्कूल सूबे की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी का है। मंत्री के बेटे आदि तिवारी उसके चेयरमैन हैं। उनके स्कूल के छात्र आयुष पाल के साथ हुए इस तरह के बर्ताव की खबर सुनकर हर कोई हैरान रह गया। फिलहाल देर शाम तक पुलिस की तरफ से मामले को लेकर कोई बयान नहीं आया है।

बैंक प्रबंधक सहित दो पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। सौर ऊर्जा चक्की कारखाना लगाने के नाम पर महिला के साथ धोखाधड़ी की गई। जिसमें पीड़िता की तहरीर पर बैंक मैनेजर और कोटेशन लगाने वाले के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। थाना क्षेत्र के हरिवंशपुर गांव निवासी रामवती पत्नी रामू राजपूत ने पांच माह पूर्व प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत बैंक आफ इंडिया सांडी से सौर ऊर्जा आटा चक्की कारखाना लगाने के नाम पर 10 लाख रुपए का लोन स्वीकृत कराया था, जिसमें मार्जिन मनी के नाम पर ढाई लाख रुपए उसने अपने पास से जमा किया था। जिसमें कारखाने का सामान लेने के लिए सांडी थाना क्षेत्र के तिरिया गांव निवासी पुष्पेंद्र कुमार की फर्म का कोटेशन लगा था, जिसके आधार पर बैंक द्वारा पुष्पेंद्र की फार्म के खाते में 12 .50 लाख रुपए भेज दिया। इसके बाद फार्म द्वारा पीड़िता को कोई भी सामान नहीं दिया गया। रामवती ने बैंक मैनेजर और कोटेशन धारक पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत की। आखिरकार पुलिस ने कोटेशन धारक तेरिया गांव निवासी पुष्पेंद्र व बैंक आफ इंडिया के प्रबंधक हिमांशु कुमार के विरुद्ध कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी राकेश यादव ने बताया मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

- सौर ऊर्जा लगाने के नाम पर महिला से की गई ठगी

देश के एकीकरण में पटेल की ऐतिहासिक भूमिका : वैभव

एकता यात्रा निकालते विधायक व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई

अमृत विचार। भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को दिव्य कृपाल पीजी कॉलेज गोसवां से एकता यात्रा निकाली गई, जो आठ किमी जाकर मल्लावां चौराहे पर खादी आश्रम के पास समाप्त हुई। एकता यात्रा सांसद अशोक रावत, विधायक आशीष सिंह आशू के नेतृत्व में निकाली गई। मुख्य अतिथि वैभव सिंह राष्ट्रीय महामंत्री युवा मोर्चा, सांसद अशोक रावत, विधायक आशीष सिंह आशू, जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने यात्रा में शामिल रहे। मुख्य अतिथि ने रियासतों के विलय और देश के एकीकरण में सरदार पटेल की ऐतिहासिक भूमिका को विस्तार से बताया। विधायक आशीष सिंह आशू ने कहा कि सरदार पटेल के विचार, दर्शन और राष्ट्रभक्ति से हर भारतीय को प्रेरणा लेनी चाहिए। सांसद अशोक रावत ने बताया कि आज देश मजबूत हाथों में है। आज जो सम्मान भाजपा दे रही है। वह कांग्रेस ने कभी नहीं दिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, पूर्व जिलाध्यक्ष राम बहादुर सिंह, संदीप सिंह, अनिल राठौर, अभय शंकर शुक्ला, अरुण कुशवाहा, गुड्डू फौजी, रमेश वर्मा, अजीत कश्यप सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

हत्या में दोषी को आजीवन कैद और 25 हजार जुर्माना

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। अपर सत्र न्यायाधीश योगेंद्र चौहान ने एक फैसले में हत्या के मामले में आरोपी को जुर्म साबित होने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जज ने आरोपी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

शासकीय अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने बताया कि थाना कासिमपुर क्षेत्र के दुलारपुर निवासी अनिल कुमार ने महेंद्र उर्फ अविनाश कुमार की हत्या कर के सबूत मिटाने की गरज से उसके शव को बोरी में रखकर नदी में दबा दिया। इस मामले की रिपोर्ट मृतक अविनाश के पिता मदनलाल निवासी थाना बांगरमऊ जिला उन्नाव ने दर्ज कराई। कहा कि 28 सितंबर 2010 को आरोपित उसके घर आया और उसके बेटे को नौकरी लगवाने के बहाने साथ ले गया। बाद में पैसों को लेकर विवाद होने पर उसका बेटा घर चला आया था। जिसके चलते आरोपी उसके बेटे से रंजिश मानता था। इसी कड़ी में उसके बेटे की हत्या कर दी। न्यायाधीश ने अदालत के समक्ष पेश हुए सबूत के आधार पर और दोनों पक्षों को सुनकर आरोपी पर जुर्म साबित पाया और उसे सजा सुनाई।

भौतिक जीवन प्रमाण पत्र जमा कराया गया

हरदोई, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश पेंशनर्स शाखा की बैठक कोषांगार के पेंशनर्स कक्ष में सोमवार की सुबह अध्यक्ष बुद्धि सागर शुक्ल की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुई। बैठक का संचालन संस्था के मंत्री डॉ कमलाकांत बाजपेई ने किया। बैठक में आए हुए पदाधिकारियों एवं सदस्यों का भौतिक जीवन प्रमाण पत्र संस्था द्वारा जमा कराय गया। डॉ कमलाकांत बाजपेई ने बैठक में उपस्थित पेंशनर्स से बताया कि अपने आस पास के ऐसे पेंशनर्स को बताये जिनकी आयु 80 वर्ष पूर्ण हो गई है तो इस संस्था के पदाधिकारी उनसे सम्पर्क क़र सदस्य बनाकर सम्मानित कराने का कार्य करेंगे।

खराब प्रगति पर हरपालपुर और टड़ियावां एपीओ को फटकार

संवाददाता, हरदोई

अनुनय झा, डीएम।

- समीक्षा बैठक में जॉब कार्ड का सत्यापन एक सप्ताह में पूरा करने का निर्देश

अमृत विचार। विवेकानंद सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में मनरेगा, 15वें वित्त, राज्य वित्त, केंद्रीय वित्त, स्वच्छ भारत मिशन, एनआरएलएम आदि के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की। उन्होंने मनरेगा की समीक्षा करते हुए कहा कि लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवसों का सृजन सुनिश्चित किया जाये। मनरेगा कार्यों में खराब प्रगति पर एपीओ हरपालपुर और टड़ियावां को फटकार लगाते हुए प्रगति में सुधार करने के निर्देश दिये। कहा कि जाब कार्ड का सत्यापन एक सप्ताह में पूरा किया जाये।

प्रधानमंत्री आवास की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिये कि बाढ प्रभावित परिवार जिनके घर कच्चे है उन्हें प्रधानमंत्री दिलाया जाये इसके लिये खण्ड विकास अधिकारी पात्रों को चिन्हित करें। कहा कि आगंनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण जल्द पूर्ण कराया जाये। महिला स्वयं सहायता समूह गठन के कार्य में तेजी लायी जाये। पंचायत भवनों में बनने वाले आय, जाति व निवास प्रमाण पत्रों का एक व्यवस्थित रजिस्टर रखा जाये। व्यक्तिगत शौचालयों के आवेदनों को लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

बीएलओ ड्यूटी का किया निरीक्षण

बेनीगंज, हरदोई, अमृत विचार। सरकार द्वारा चलाए जा रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में ड्यूटीरत बीएलओ के द्वारा किए जा रहे कार्यों व उनकी ड्यूटी का सोमवार को औचक निरीक्षण करने पहुंची नायब तहसीलदार सण्डीला अनुपम वर्मा ने बीएलओ को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। नगर के बस स्टाप पर स्थित जूनियर हाईस्कूल विद्यालय में मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 14 बीएलओ की ड्यूटी लगाई गई है, जो कि बेनीगंज नगर के वार्डों के साथ-साथ उल्जा, नयापुरवा व नईबस्ती के निवासियों का मतदाता पुनरीक्षण का कार्य करेंगे। सोमवार को नायब तहसीलदार सण्डीला ने औचक निरीक्षण किया।

अवैध वेंडरों पर शिकंजा, यात्रियों को राहत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। रेलवे स्टेशन पर इन दिनों मंडल रेल प्रबंधक के निर्देश पर वेंडरों की जांच-पड़ताल को लेकर बड़ा अभियान चल रहा है। पिछले कुछ दिनों में हरदोई, बालामऊ और संडीला स्टेशन क्षेत्रों में संयुक्त कार्रवाई की गई, जिसके दौरान आधा दर्जन से अधिक वेंडरों को गिरफ्तार कर आरपीएफ के हवाले किया गया।

इस सख्ती का असर अब स्टेशन पर साफ दिखाई दे रहा है। जहां पहले प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में खाने-पीने का सामान बेचने वाले वेंडर नजर आते थे, वहीं अब उनकी उपस्थिति लगभग न के बराबर रह गई है। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर माहौल पहले की तुलना में शांत और व्यवस्थित महसूस हो रहा है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और अवैध तरीके से दुकानदारी करने वाले किसी भी वेंडर को बख्शा नहीं जाएगा। जिन वेंडरों के पास लाइसेंस नहीं है या जो लंबे समय से बिना अनुमति के कारोबार कर रहे थे, उन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। दूसरी ओर, अधिकृत वेंडरों के लिए नई व्यवस्था लागू की जा रही है ताकि सेवा में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जारी किया जाएगा नया पहचान पत्र

हरदोई। पंजीकृत वेंडरों को अनिवार्य रूप से अपना मेडिकल प्रमाण पत्र, पुलिस वेरिफिकेशन और अन्य जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे। सभी कागजात की प्रति जमा होने के बाद मंडल कार्यालय से उनका नया पहचान पत्र जारी किया जाएगा। यह आई-कार्ड आधुनिक क्यूआर कोड प्रणाली से लैस होगा। किसी भी रेलवे अधिकारी या यात्री द्वारा इस क्यूआर कोड को स्कैन करने पर वेंडर की पूरी जानकारी जैसे नाम, लाइसेंस नंबर, स्वास्थ्य प्रमाणपत्र की स्थिति और सत्यापन विवरण तुरंत सामने आ जाएगी। इससे धोखाधड़ी और फर्जी पहचान के मामलों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि जिन वेंडरों ने अब तक आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए हैं उनसे दस्तावेज मांगे जा रहे है। समय सीमा के भीतर दस्तावेज उपलब्ध न कराने वालों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अभियान का उद्देश्य स्टेशन परिसर को सुरक्षित, स्वच्छ और अनुशासित बनाना है ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधा और भरोसेमंद सेवा मिल सके।

मजदूर की सड़क हादसे में मौत 10 घंटे बाद शव की शिनाख्त

हरदोई, अमृत विचार। मज़दूर पेशा युवक पैदल घर जा रहा था, उसी बीच लखनऊ रोड चांद बेहटा के पास उसे तेज़ रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे वह उछल कर जा गिरा और वहीं मौत हो गई। सुबह पुलिस ने शव अपने कब्ज़े में लेते हुए जांच शुरु कर दी, उधर युवक की पत्नी उसे ढूंढते हुए पोस्टमार्टम हाउस पहुंची, जहां उसने शव की शिनाख्त की। कोतवाली देहात के नानकगंज झाला निवासी 35 वर्षीय अफरोज़ पेशे से मज़दर था। उसकी पत्नी रोशन ने बताया कि उसका पति रविवार की सुबह मज़दूरी पर चला गया। शाम को अफरोज़ घर नहीं पहुंचा, फोन स्विच ऑफ था, तब से रोशन अफरोज़ को ढूंढने लगी। सोमवार की शाम को पति को ढूंढती फिर रही रोशन पोस्टमार्टम हाउस पहुंची, जहां उसे पुलिस ने फोटो दिखाया, जिसे देखकर शव की शिनाख्त अफरोज़ के रूप में की।

शराब पीने को लेकर पत्नी से विवाद के बाद युवक ने लगाई फांसी, मौत

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। नशे की हालत में घर पहुंचे पति को पत्नी ने खाना परोसा, लेकिन पति ने उसे फेंक दिया। उसी बात पर दोनों में झगड़ा हो गया। उसके बाद पति ने कमरा बंदकर वहां फांसी लगा ली। दरवाज़ा तोड़ कर शव बाहर निकाल कर उसका पोस्टमार्टम कराया गया है।

कोतवाली शहर के बेहटा चांद निवासी राजू (38) पुत्र रावेंद्र नवीन मण्डी के पास हेयर ड्रेसर की दुकान पर काम करता था। परिवार में पत्नी आशा के अलावा तीन बेटे निखिल, नैतिक, अविचल और बेटी आयुषी है। पिता रावेंद्र ने बताया कि राजू नशे का लती था। रविवार की शाम वह नशे की हालत में घर पहुंचा। बहू आशा ने खाना परोसा तो राजू ने गाली-गलौज करते हुए खाना फेंक दिया। इसके बाद राजू कमरे में चला गया और दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। सोमवार की सुबह काफी देर बाद भी राजू कमरे से बाहर नहीं निकला, पिता ने आवाज़ देते हुए खिड़की से झांका तो राजू का शव लटकता मिला। आस-पड़ोसियों की भीड़ लग गई। पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है।

राजू की फाइल फोटो।

नाली साफ करने के विवाद में फावड़े से किया हमला, आरोपियों पर रिपोर्ट

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ऐगवा में नाली साफ करने के विवाद में युवक को फावड़ा मारकर घायल करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पीड़ित नाजिस खां पुत्र वासिफ खां के अनुसार रविवार को सुबह करीब 10:30 बजे सफाई कर्मी उसके दरवाजे पर नाली साफ कर रहा था। गांव निवासी पड़ोसी इस्लाम पुत्र अख्तर ने अपने पुत्र सोहेल और छोटा के साथ मिलकर नाली साफ करने से मना किया। इस नाजिस ने नाली सफाई हो जाने के लिए कहा। इस बात पर क्रोधित होकर इस्लाम ने सफाई कर्मी से फावड़ा छीनकर उसके सिर पर मार दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। विपक्षी के दोनो पुत्रों ने बंदूकें लहराते हुए जान से मार डालने की धमकी दी। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

किसान की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता, हरदोई

नेकराम की फाइल फोटो।

- डीएपी खरीदने के लिए जाते समय बघौली-माधौगंज रोड पर बन्नापुर के पास वाहन ने मारी टक्कर

अमृत विचार। किसान अपनी बाइक से डीएपी खाद खरीदने जा रहा था। उसी बीच बघौली-माधौगंज रोड पर बन्नापुर के पास उसे तेज़ रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी, उसे सीएचसी कछौना पहुंचाया गया। जहां से मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया। रास्ते में हालत बिगड़ने पर उसे 100 बेड हास्पिटल ले जाया गया, जहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

बघौली थाने के पटकुइयां निवासी 35 वर्षीय नेकराम पुत्र मकरंद खेती-बाड़ी कर अपना और अपनी पत्नी वंदना के अलावा दो बेटे मोहन, आदेश और एक बेटी श्वेता का पेट पाल रहा था। तीन भाइयों में एक बड़ा और एक उससे छोटा भाई व तीन छोटी बहनें है। बताते है कि नेकराम सोमवार की सुबह डीएपी खाद खरीदने के लगे बाइक से बीकापुर जा रहा था। बघौली-माधौगंज रोड पर बन्नापुर के पास तेज़ रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी, एम्बुलेंस-108 से उसे सीएचसी कछौना पहुंचाया गया। वहां के डाक्टरों ने उसे मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। नेकराम को यहां लाया जा रहा था, रास्ते में हालत बिगड़ने पर उसे 100 बेड हास्पिटल ले जाया गया। लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

युवक पर जानलेवा हमला करने वालों पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। पिहानी थाना क्षेत्र के पिपरिया पुलिया पर पिकअप डाला के पहिए में फायर मारकर उस पर सवार युवक को जानलेवा हमला कर घायल करने के मामले में घायल के भाई की लिखित तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

सीतापुर जनपद के पिसांवा थाना क्षेत्र के ग्राम नेरी रोड निवासी पीड़ित फरियाद के अनुसार 16 नवंबर की सुबह करीब 3 बजे उसका भाई इरसाद पिकअप डाला से अननतापुर गांव से मूंगफली लेकर शाहजहांपुर की जलालाबाद मंडी लेकर जा रहा था। पिहानी थाना क्षेत्र के पिपरिया पुलिया पर पिसांवा निवासी रिजवान, आजाद, सद्दाम और सज्जाद, साहिल, गुल्लू तरुण और अलाउद्दीन ने बाइक से पीछाकर भाई पर जानलेवा हमला किया। उसके भाई को इलाज के लिए जिला अस्पताल हरदोई में भर्ती करवाया गया है।

सहायक पुलिस अधीक्षक ने थाने का किया निरीक्षण

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। सोमवार की शाम सहायक पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण ने मझिला थाने का त्रैमासिक निरीक्षण कर संबंधित को दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस कर्मियों को दंगा नियंत्रण हथियार खोलने बंद करने और चलाने का अभ्यास करवाया गया। सहायक पुलिस अधीक्षक ने विवेचनाओं की लंबित न रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए है। जन शिकायत रजिस्टर में शिकायत निस्तारण संबंधी पूर्ण विवरण दर्ज करने का निर्देश दिया गया है।

आयोजन श्री विष्णु महायज्ञ के 38वें वार्षिक महोत्सव में कथा वाचिका पूर्णिमा ने बताई प्रभु की महिमा, कहा

भगवान की कथा कहने व सुनने वाले हो जाते हैं संतवत

संवाददाता, सांडी, हरदोई

श्री विष्णु महायज्ञ में कथा सुनातीं पूर्णिमा।

अमृत विचार। क्षेत्र के अखवेलपुर मलवा में चल रहे श्री विष्णु महायज्ञ के 38वें वार्षिक महोत्सव का षष्ठम दिवस सोमवार को बड़े ही श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। ब्रजधाम वृंदावन से आई कथा वाचिका पूर्णिमा ने भगवान की कथा की महिमा पर विस्तृत प्रकाश डाला।

कहा कि जो भगवान की कथा कहते या सुनते हैं, वे सभी संतवत हो जाते हैं। हनुमानजी, जनकपुरी के नर-नारी, नारदजी सभी इसी संत परंपरा के प्रतीक हैं। उन्होंने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा में बताया गया कि जयंत के कृत्य से श्रीराम ने सींक धनुष से तीर चलाया, जिससे भयभीत जयंत तीनों लोकों में प्राण बचाने को भागता रहा। रास्ते में नारदजी ने उसे समझाया कि मुक्ति उसी के चरणों में मिलेगी।

देवी जागरण में भजनों पर आनंदित हो नाचते रहे श्रद्धालु

पिहानी, हरदोई, अमृत विचार। विशाल रुद्र जागरण पार्टी द्वारा आयोजित भव्य जागरण का आयोजन संपन्न हो गया है। जागरण में भक्तों का जनसैल उमड़ रहा था और पारुल शाहजहांपुर ने मां की मुराद पूरी होने पर हलवा बांटने की घोषणा की थी। जागरण में "आ मां आ, तुझे दिल ने पुकारा, तीन बाण के धारी तीनों बाण चलाओ ना... जैसे भावपूर्ण भजनों पर भक्त झूम रहे थे। शिवांशु पंडित सीतापुर के नेतृत्व में हो रही इस आराधना में "तेरे चलाए से चले नैया गरीब की" जैसे भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था। इस अवसर पर राधा कृष्ण, लड्डू गोपाल, शंकर पार्वती और माता दुर्गा की भव्य झांकियां सजाई गई थीं, जो दर्शकों को आकर्षित कर रही थीं। जागरण में शामिल होने आए भक्तों का कहना था कि मां की कृपा से ही जीवन में सुख-शांति है।

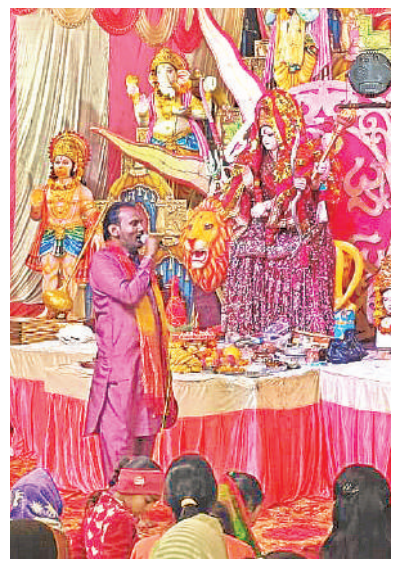

बीज भंडार का गेहूं निकला खराब, की गई शिकायत

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। स्थानीय बीज भंडार केंद्र से गेहूं का बीज खरीद कर ले गए, किसानों का खेत में बीज नहीं जमा है। सैकड़ों काश्तकारों ने केंद्र पर जाकर मामले की शिकायत की है। स्थानीय ब्लॉक के बीज भंडार केंद्र से सैकड़ो की तादाद में किसानों ने गेहूं की बुवाई के लिए बीज खरीदा था। खेत की जुताई कर बीज बोया गया, लेकिन गेहूं का बीज बेकार निकल गया, जिसको लेकर सैकड़ों की तादात में आए किसानों ने मामले की शिकायत बीज भंडार प्रभारी से की है। काश्तकार बोदिल सिंह, जगपाल, धुंधपाल, श्यामवीर निवासी सिमरिया, मीना सिंह, रामवीर, शांति देवी, महेंद्र सिंह, अतर सिंह, शिवराम निवासी कुचिला सहित सैकड़ों की तादाद में आए किसानों ने बताया उन्होंने बीज भंडार केंद्र से गेहूं का बीज खरीदा था। इसके बाद बीज जमा नहीं है, जिसकी शिकायत केंद्र पर की गई है। बीज भंडार प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी जिला कृषि अधिकारी को दे दी गई है।

एंटी करप्शन टीम ने दरोगा को रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा

संवाददाता, हरदोई

पकड़ा गया एसआई आकाश रोशवाल।

- रिश्वत लेने में शामिल आईओ हुआ फरार
- मुकदमे से नाम हटाने को मांगे थे 70 हजार

अमृत विचार। माधौगंज थाने में तैनात एसआई को एंटी करप्शन टीम ने एक मुकदमे से नाम और धारा हटाने के नाम पर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जबकि मामले में आईओ को भी तलाशा जा रहा है।

माधौगंज थाने के रमजानी रुइया निवासी रमीज खां एक संगीन मुकदमे में आरोपी था। माधौगंज थाने में तैनात एसआई आकाश रोशवाल और आईओ एसआई जयप्रकाश सिरोही ने मुकदमे से उसका नाम और धारा हटाने के लिए 70 हज़ार रुपये की रिश्वत मांगी। सोमवार की दोपहर जैसे ही एसआई आकाश रोशवाल को रिश्वत के 70 हज़ार रुपये दिए गए। उसी बीच वहां पहले से मौजूद एंटी करप्शन टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। लेकिन रिश्वतखोरी में शामिल आईओ एसआई जयप्रकाश सिरोही को इसकी भनक लग गई और वह फरार हो गया। साण्डी थाने में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

हरदोई-उन्नाव

महादेवा महोत्सव का भव्य आगाज

कलश लेकर महादेव के दरबार पहुंचे डीएम, शिव की स्तुति व अभिषेक किया

रामनगर, बाराबंकी:

अमृत विचार। पौराणिक तीर्थ स्थल महादेवा में भगवान लोधेश्वर के प्राकट्योत्सव के अवसर पर पारंपरिक अगहनी मेला और महादेवा महोत्सव का सोमवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी विश्व कल्याण द्वार पर कलश लेकर बैंड की धुन और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच मंदिर पहुंचे। इसके साथ ही सात दिनों तक चलने वाले अगहनी मेले की शुरुआत हो गई। मंदिर पहुंचने पर पं. अनिल शास्त्री व आदित्य महाराज ने डीएम का अंगवस्त्र, नारियल व पुष्प भेंट कर स्वागत किया। पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच डीएम व सीडीओ अ. सुदन से लोधेश्वर महादेव का जल-दूध-दही-शहद-घी व फल-फूल से अभिषेक कराया। इस मौके पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल, पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी, पूर्व जिला अध्यक्ष शशांक कुसमेश, चेयरमैन रामशरण पाठक, ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी, सीओ गरिमा पंत, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह, एसएचओ अनिल कुमार पांडेय, बीडीओ जितेन्द्र कुमार और एडीओ अभय शुक्ला और महादेवा चौकी इंचार्ज अभिनंदन पांडेय तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। पूजा-अर्चना के पश्चात डीएम सांस्कृतिक मंच पहुंचे और दीप प्रज्वलित कर महादेवा महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि महोत्सव को भव्य स्तर पर आयोजित करने का प्रयास किया गया है और आशा है कि अधिक से अधिक लोग मेले का आनंद उठाएंगे। इसके बाद डीएम ने सांस्कृतिक पाण्डाल में 'बहार सुगम संगीत एकेडमी' तथा कथक नृत्य कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डीएम ने कहा कि लोधेश्वर धाम जनपद का गौरव है और सरकार इसे अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में कॉरिडोर बनाकर विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है। मेला मैदान में छोटे-बड़े झूले, अमरनाथ गुफा दर्शनीय स्थल तथा मनोरंजन के अन्य साधनों का आनंद लेने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक उपस्थित रहे।

महादेवा महोत्सव का शुभारंभ करते डीएम शशांक त्रिपाठी। ● अमृत विचार

पूजा-अर्चना करते डीएम शशांक त्रिपाठी व अन्य। ● अमृत विचार

शानदार प्रस्तुतियों ने जीता दर्शकों का दिल

रामनगर, बाराबंकी। महादेवा महोत्सव के सतरंगी मंच पर बहार सुगम संगीत एकेडमी के बच्चों ने भजनों व होली गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत एकेडमी के संयोजक प्रभात नारायण दीक्षित की रचना हे लंबोदर विकट मेंव, हे भालचंद्र तुम रक्षा करो गणेश वंदना से हुई, जिसने पूरे सभागार में आध्यात्मिक वातावरण बना दिया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने भोलेनाथ की होली रंग गयो मन मोरा और भोला के रंग में जैसे गीतों पर बेहतरीन प्रस्तुतियां दीं, जिनकी दर्शकों ने जमकर सराहना की। एकेडमी के छात्र श्री कंठ शुक्ला ने होली गीत पर मनभावन नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम में संगीतकार अजीत द्विवेदी, सत्येंद्र दास, कार्तिकेय, कैलाश दीक्षित, सुधाकर सहित एकेडमी के अन्य विद्यार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम के समापन पर पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रस्तुति देता पंडित अनुज मिश्रा व नेहा मिश्रा ग्रुप। ● अमृत विचार

कथक की अद्भुत छटा से महका महादेवा महोत्सव

रामनगर, बाराबंकी : अमृत विचार। महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक पाण्डाल में सोमवार की शाम देश की प्रसिद्ध कथक कला की सुरम्य छटा बिखरी, जब पंडित अनुज मिश्रा और नेहा मिश्रा एंड ग्रुप के कलाकारों ने कथक नृत्य के माध्यम से भगवान शिव की लीलाओं का अद्भुत और भावपूर्ण प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत आनंद तांडव कर्पूर गौरं करुणावतारम्प र मनमोहक नृत्य से हुई, जिसने दर्शकों को आध्यात्मिक आनंद से भर दिया। इसके बाद कलाकारों ने रौद्र तांडव जटा तवी गलत ज्वलत की विलक्षण प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को भक्ति और ऊर्जा के साथ जोड़ दिया। करीब पाँच हजार वर्ष पुरानी शिव ध्रुपद की मनोहारी प्रस्तुति कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बनी और इसने सभागार में उपस्थित हर व्यक्ति का मन मोह लिया। मंच पर आगे शक्ति वंदना जय जय गिरिराज किशोरी, शिव-गंगा और शिव नाटिका का भी

उत्कृष्ट नृत्य-नाट्य प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसे दर्शकों ने खड़े होकर सराहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन आशीष पाठक ने किया।

लोकगीतों व भजनों से गूंजा सांस्कृतिक पांडाल

रामनगर, बाराबंकी : अमृत विचार। महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक पाण्डाल में सोमवार की शाम भक्ति और लोकसंगीत का अनुपम संगम देखने को मिला, जब पूर्णिमा और सुर सरगम ग्रुप की प्रसिद्ध लोक गायिका पुष्पा त्रिवेदी ने अपने सहयोगी कलाकारों के साथ एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पा त्रिवेदी की भावपूर्ण प्रस्तुति करुणा निधान रउवा जगत के दाता"सेहुई, जिसने पाण्डाल में भक्ति का वातावरण घोल दिया। इसके बाद उनके द्वारा गाया गया भजन मेरी विनती सुनो सांवरे राम जी श्रोताओं के मन में गहरी छाप छोड़ गया। लोकगीतों की कड़ी में प्रस्तुत तोहार दूल्हा हो, तोहार दूल्हा गौरा सबसे निराला ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं तेजस्वी त्रिवेदी की प्रस्तुति लाईके शिव के मनाई हो ने कार्यक्रम में शिव भक्ति का रंग गाढ़ा किया। आशा त्रिवेदी ने चलो चली भैय्या महादेवा लोधेश्वर की शिवनगरी गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को महादेवा धाम से भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। श्रोताओं ने सभी प्रस्तुतियों पर जमकर तालियां बजाईं और कलाकारों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। लोकसंगीत और भक्ति रस में डूबी यह संध्या महोत्सव की सबसे यादगार प्रस्तुतियों में से एक रही।

कथा वाचक शांतनु महाराज को सम्मानित करते एमएलसी अंगद सिंह।

रामायणम फाउंडेशन के शांतनु महाराज ने भक्तों को किया भावविभोर

रामनगर बाराबंकी,अमृत विचार। महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक और रामायणम फाउंडेशन के संस्थापक शांतनु महाराज ने शानदार भजनों और प्रवचन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने श्री राम की स्तुति से की और श्री राम जय राम जय जय राम भजन से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इसके बाद शिव भजन कैलाश के निवासी नमो बार-बार हो और दीवाना तेरा आया बाबा तेरी नगरी में प्रस्तुत कर माहौल भक्तिमय बना दिया। राम भजन दाम प्यार उन्हें दाम देदो, मुझे राम प्यारे मुझे राम दे दो ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। प्रवचन में शांतनु महाराज ने भारत की संस्कृति, शौर्य और ज्ञान पर प्रकाश डाला। शिव महिमा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि शिव निराकार हैं और अपने भक्तों की रक्षा के लिए सर्वस्व निछावर करते हैं। मुख्य अतिथि एमएलसी अंगद सिंह ने कथावाचक और कलाकारों का सम्मान किया। तहसीलदार विपुल कुमार सिंह और नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी भी उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुति देते बहार सुगम संगीत एकेडमी के बच्चे। ● अमृत विचार

दुर्घटना में बेटे की मौत, पिता घायल

संवाददाता, हरदोई/अतरौली

अमृत विचार। अधेड़ पिता अपने इकलौते बेटे के साथ बेटी की ससुराल जा रहा था। उसी बीच कोथावां रोड पर बौरियाखड़ा के पास पिता-पुत्र तेज़ रफ्तार की चपेट में आ गए। जिसमें बेटे की मौत हो गई, जबकि अधेड़ पिता बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

अतरौली थाने के नरमदनापुर निवासी 25 वर्षीय अंशू पुत्र महेश तीन बहनों में अकेला भाई था,7 महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी, पत्नी मेघा घर में थी। सोमवार की शाम को अंशू अपने पिता महेश (50) के साथ बहन पूनम पत्नी नरेंद्र की ससुराल भमरौली जा रहा था, रास्ते में कोथावां रोड पर बौरियाखेड़ा के पास एक तेज़ रफ्तार गाड़ी ने उसकी बाइक में ज़ोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाप-बेटे बुरी तरह घायल हो गए। उन्हे इलाज के लिए ले जाया जाता, उससे पहले ही अंशू की मौत हो गई,जबकि पिता महेश की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की खबर सुनते ही उसके घर-परिवार में कोहराम बरपा हो गया,पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

दावत से लौट रहे सफाई नायक की सड़क हादसे में मौत, सभासद प्रतिनिधि घायल

हरदोई/पाली। नगर पंचायत पाली में तैनात सफाई कर्मी सभासद प्रतिनिधि के साथ दावत-ए-वलीमा में शामिल हो कर बाइक से लौट रहा था,उसी बीच रास्तें में बरसोहिया गांव के पास दोनों तेज़ रफ्तार की चपेट में आ गए,जिसमें सफाई नायक की मौत हो गई और सभासद प्रतिनिधि ज़ख्मी हो गया। बताया गया है कि नगर पंचायत पाली में तैनात 42 वर्षीय सफाई नायक गुलज़ार खां पुत्र इंतिज़ार खां निवासी मोहल्ला बिरिहाना कस्बा पाली और रामनगर की सभासद के प्रतिनिधि शैलेंद्र कुशवाहा के साथ दावत-ए-वलीमें में शामिल होने हरपालपुर गया हुआ था,दोनों बाइक से वापस लौट रहे थे,उसी बीच रास्ते मे.बरसोहिया गांव के पास तेज़ रफ्तार की चपेट में आने से दोनों बुरी तरह ज़ख्मी हो गए,उन्हे इलाज के लिए कहीं ले जाया जाता,उसी बीच सफाई नायक गुलज़ार खां की मौत हो गई।

भांजे के साथ जा रहे मामा से 90 हजार रुपये की टप्पेबाजी

हरदोई, अमृत विचार। धान बेंच कर भांजे के साथ घर जाने के आटो सवार मामा के साथ 90 हज़ार की टप्पेबाज़ी हो गई।सबसे खास बात रही कि शोर होने पर टप्पेबाज वहां से भागे और बाइक पर बैठ कर दूर निकल गए। टप्पएबाजों का पता लगाने के लिए पुलिस वहां आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

साण्डी थाने के फिरोज़पुर निवासी रमेश खेती-बाड़ी करता है। सोमवार को वह अपने भांजे आकाश के साथ नवीन गल्ला मण्डी में धान बेंचने आया था और धान बेंचकर हाथ आए 90 हज़ार रुपये ले कर शाम बस से बावन पहुंचा, वहां से दोनों आटो से गांव जा रहे थे,आटो में दो युवक पहले से बैठे थे। रास्ते में वही दोनों युवक लोनार थाने के भुड़िया गांव के पास उतरते, उसी बीच रमेश को कुछ लगा और उसने जेब टटोली, जेब कटी थी और सारे रुपये गायब थे। रमेश ने शोर मचाते हुए उन्हे पकड़ना चाहा, लेकिन उसी बीच दोनों भागे और बाइक रोक कर उस पर बैठ कर फुर्र हो गए। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज हो गई है। वहां आस-पास लगे सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

सांड़ के हमले में घायल हुए वृद्ध की इलाज के दौरान मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। चक्की से गेहूं पिसवाकर लौट रहे वृद्ध पर सड़क पर लड़ रहे सांड ने हमला कर दिया। इसमें गंभीर घायल वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई।

राकेश का फाइल फोटो।

परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

अचलगंज थानाक्षेत्र के बड़ौरा गांव के मजरा लालीहार निवासी राकेश (59) खेती करता था। बीती 8 नवंबर को वह बड़ौरा गांव स्थित चक्की से गेहूं पिसवाकर लौट रहा था। तभी गांव के पास उन्नाव-पड़री मार्ग सामुदायिक शौचालय के पास सड़क पर दो सांड़ लड़ रहे थे। इस पर वह साइकिल रोककर वहीं खड़ा हो गया। लड़ते-लड़ते दोनों उसकी साइकिल से टकरा गए। इसी में एक सांड़ ने उसे सींग से उठाकर पटक दिया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग ने कानपुर के एक निजी अस्पताल में सोमवार सुबह दम तोड़ दिया।

सांड़ से बचकर भाग रहा किशोर घायल

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के गांव केशवापुर निवासी लखपत सिंह का 12 वर्षीय बेटा अंकुश सोमवार को खेत में काम कर रहा था। तभी अचानक आवारा सांड़ ने उसे दौड़ा लिया। किशोर जान बचाकर भागा, तभी वह पड़ोसी खेत में लगी कांटेदार बाढ़ की चपेट में आकर गंभीर घायल हो गया। सीएचसी में उपचार के बाद हालत नाज़ुक देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मुठभेड़ में दो इनामी गिरफ्तार

उन्नाव, अमृत विचार। आसीवन थानाक्षेत्र में चोरी सहित अन्य घटनाओं में शामिल रहे 10-10 हजार के इनामियों का पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम से आमना-सामना हो गया। अपने को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों पैर में गोली लगने से वे घायल हो गए। वहीं एक साथी मौके से भाग गया।

बता दें कि सोमवार भोरपहर करीब पौने चार बजे आसीवन थाना के नवागत एसओ अखिलेश चंद्र पांडेय, एसओजी व सर्विलांस टीम के साथ थानाक्षेत्र के चौधरीखेड़ा पुल के पास वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। तभी एक बाइक पर सवार तीन लोगों को पुलिस ने रोका तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली एक बदमाश के दाहिने व दूसरे के बांए पैर में धंस गई। तभी उनका साथी मौके से भाग निकला। घायल बदमाशों ने अपना नाम सनी उर्फ बदरिया निवासी मोहल्ला गांधीनगर तकीपुर थाना मोहम्मदाबाद फर्रुखाबाद व राजाबाबू निवासी मोहल्ला नवाबगंज थाना सांडी हरदोई बताया। बदमाशों ने आसीवन क्षेत्र में अपने साथियों के साथ चोरी की वारदात करने की बात स्वीकार की। सीओ संतोष सिंह ने बताया कि राजा पर लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट के 13 मुकदमें उन्नाव, फर्रुखाबाद, हरदोई व कासगंज में दर्ज है। वहीं सनी का भी लंबा अपराधिक इतिहास है। इनका एक साथी भंवर सिंह निवासी नेकपुर फतेहगढ़ कोतवाली फर्रुखाबाद 8 अक्टूबर को पुलिस से हुई मुठभेड़ में पकड़ा गया था।

शिकायत के बाद हटाए गए सीएचसी औरास के अधीक्षक

औरास उन्नाव, अमृत विचार। सीएचसी औरास के अधीक्षक पर बाहर से दवा लिखने व अन्य अनियमिताओं की शिकायत सीएम के पोर्टल पर हुई थी। एसीएमओ ने मामले की जांच कर रिपोर्ट दी। इसके बाद सीएचसी अधीक्षक को स्थानांतरित कर दिया गया। बता दें कि औरास ब्लाक के रायपुर गांव के मजरा राई निवासी अंकुश पुत्र राजेश ने आईजीआरएस पर शिकायत की थी कि औरास सीएचसी अधीक्षक डॉ. शोयब अली गरीब मरीजों तक को बाहर से महंगी दवा लिखते हैं। इसके एवज में वह फार्मा कंपनियों से मोटा कमीशन लेते हैं। आरोप था कि उन्होंने अपने अकाउंट में पैसा लिया। सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश ने इसे गंभीरता से लेकर एसीएमओ डॉ. आरके गौतम को जांच सौंपी। जांच में बैंक अकाउंट में दवा कंपनी से रुपए लेने का एक ब्यौरा मिला।

सड़क दुर्घटना में चचेरे भाइयों की गई जान

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। बुआ के यहां शादी में शामिल होकर लौटते समय तेज रफ्तार बाइक ओवरटेक करते समय ई-रिक्शा से टकराकर फिसल गई। इसमें बाइक चला रहे युवक व उसके चचेरे भाई की मौत हो गई। वहीं पीछे बैठा सगा भाई गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल भेज कर शवों को मोर्चरी में रखवाया है।

असोहा थानाक्षेत्र के हरीखेड़ा गांव निवासी फरमान (25) पुत्र बद्दु अपने छोटे भाई अरमान (17) व चचेरे भाई सैफ (18) पुत्र छेद्दू के साथ रविवार को अपनी बुआ गौसिया की बेटी मरजु की शादी में शामिल होने लखनऊ के थाना निगोहा क्षेत्र के मीरापुर गांव गया था। सोमवार दोपहर तीनों एक बाइक से लौट रहे थे। तभी थानाक्षेत्र कालूखेड़ा- असोहा मार्ग पर चंदन खेड़ा के पास स्थित एक ईंट भट्ठे के पास ओवरटेक करते समय उनकी तेज रफ्तार बाइक ई-रिक्शा से टकराकर अनियंत्रित होकर फिसल गई। सड़क पर गिरकर तीनों घायल हो गए। इसमें सिर में आई गंभीर चोट से फरमान की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने दोनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने सैफ को भी मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर पहुंचे परिजनों ने अरमान को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। फरमान की मौत से मां सलमी सहित अन्य परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। फरमान मुंबई में वेल्डिंग का काम करता था। एक माह पूर्व वह घर लौटा था। सैफ की मौत से मां छेदाना बेहाल रही। हादसे के बाद चालक रिक्शा छोड़ कर भाग निकला। एसओ फूल सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाइड्रा की टक्कर से दो युवक घायल, एक रेफर

औरास उन्नाव, अमृत विचार। हरदोई जिला के थाना कासिमपुर अंतर्गत मौलवी खेड़ा गांव निवासी कमल किशोर (25) पुत्र रामबक्स व आसीवन थानाक्षेत्र के हैदराबाद गांव निवासी सत्य कुमार पुत्र कुशहर सोमवार को बाइक से औरास थानाक्षेत्र के शिवाला गांव में रिश्तेदारी में जा रहे थे। तभी थानाक्षेत्र में भावाखेड़ा-रामपुर मार्ग पर धनइया खेड़ा गांव के पास सामने से आ रहे हाइड्रा ने उन्हें टक्कर मार दी। इसमें दोनों घायल हो गए।

सूचना

थाना कोतवाली अजगैन जनपद उन्नाव

थाना कोतवाली अजगैन जनपद उन्नाव में दाखिल एम0बी0 एक्ट व मुकदमाती कुल 06 वाहन जिसमें मोटर साइकिल-03, तेल टैंकर-01, फोर विलर गाडी (डस्टर)-01, सीएनजी आटो-01, की नीलामी श्रीमान उप जिलामजिस्ट्रेट (न्यायिक) हसनगंज महोदय जनपद उन्नाव की अध्यक्षता में सम्मिलित टीम द्वारा दिनाँक 25.11.2025 को थाना अजगैन परिसर में की जायेगी। अधिक से अधिक लोग नीलामी प्रक्रिया में सम्मिलित होना सुनिश्चित

प्रभारी निरीक्षक
थाना कोतवाली अजगैन
जनपद उन्नाव

नोटिस नमूना आम
न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय न्यायिक लालगंज रायबरेली
वाद संख्या. टी2028-10580405242 सन.ई
अश्वनी कुमार
... वादी/प्रार्थी
बनाम
शिव किशोर आदि
... प्रतिवादी/विपक्षी

बनाम 1. शिव किशोर व 2. सुरेश कुमार व 3- नरेश कुमार पुत्रगण मुन्नालाल उर्फ टुईया 4- सत्यजीत व 5- विश्वजीत पुत्र गण रमेश कुमार 6- श्रीमती कुसुम पत्नी रमेश कुमार उपरोक्त। निवासीगण रमईपुर कला पर0 सरेनी तहसील लालगंज रायबरेली 7- श्रीमती सुषमा देवी पत्नी महेश कुमार 8- कु0 सुष्मिता राज सिंह 9- कु0 निहारिका राज सिंह पुत्रीगण महेश कुमार 10- हर्षराज सिंह पुत्र महेश कुमार निवासी 289 बी4 विराट नगर अहिरवा राजेंद्र नगर कानपुर 11 -राजेंद्र पुत्र मेड़े लाल 12- श्रीमती फूलमती पत्नी विजयपाल निवासीगण ग्राम रमईपुर कला पर0 सरेनी तह0 लालगंज रायबरेली चूंकि ऊपर नामांकित वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि 116 उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता अतएव आपको एतदद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ किसी प्रकार की भी कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते है तो आप दिनांक 26 माह 11 सन 2025 ई को दिन में 10 बजे पूर्वान्ह में इस न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और यदि आप ऐसा करने में असफल रहे तो उक्त आवेदन की सुनवाई एक पक्षीय करके वाद निर्णत कर दिया जाएगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 12 माह 11 सन 25 ई को जारी की गई।

हस्ताक्षर पीठासीन अधिकारी
न्यायालय लालगंज रायबरेली।

कार्यालय नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी, जनपद-उन्नाव
Website:-www.fatehpur84np.In
E&mail:-nppf84@gmail.com

पत्रांक :- 217/कोटेशन सू0/ न0पं0 फतेहपुर-84/2025-26 दिनांक :- 17/11/2025

कोटेशन सूचना

एतद्वारा लकड़ी विक्रेताओं / फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी में शीतलहर में सार्वजनिक स्थानों पर लकड़ी जलवाये जाने के लिये लकड़ी कय करने हेतु दरें तय की जानी है। जिसके लिये कोटेशन दिनांक 25/11/2025 को समय अपरान्ह 2: 00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी में आमंत्रित किये जाते है. इच्छुक व्यक्ति/आपूर्तिकर्ता फर्म अपने-अपने कोटशन में दरों का उल्लेख एफ. ओ. आर. सहित भर करके कार्यालय लिपिक के पास निर्धारित तिथि व समय में प्राप्त करा सकते है, प्राप्त कोटेशनों को उसी दिन अपरान्ह 3: 00 बजे उपस्थित आपूर्तिकर्ताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा खोले जायेगें। अन्य नियम व शर्तो की जानकरी कार्यालय कार्य दिवस में की जा सकती है।

(शिवेन्द्र कुमार वर्मा)
अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी, जनपद-उन्नाव

(मिथलेश कुमार)
अध्यक्ष
नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी, जनपद-उन्नाव

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैं IMTIYAZ S/O LATIF निवासी 125/1 वीरपुर बगही पोस्त बीरपुर थाना सिरसिया जिला श्रावस्ती रहने वाला हूं। अब मैंने अपना नाम बदलकर KANE रख लिया है। अब मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना हुआ पहचाना जाए।

सूचना
मैने अपना नाम NIAMAT ALI से बदलकर NIYAMAT ALI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **FATHER NAME - RAHMAT ALI ADD - 3/170 VIKAS KHAND GOMT NAGAR DIST - LUCKNOW - 226010 (U.P).**

सूचना
सूचित हो कि मै केता पत्नी शिव बालक निवासी ग्राम पोस्ट मूसापुर तहसील लालगंज रायबरेली की हूं। मेरा दूसरा नाम रामरती भी है। मुझे केता उर्फ रामरती पत्नी शिव बालक निवासी उपरोक्त जाना जाये।

सूचना
मेरा नाम आधार कार्ड में राम स्वरूप अंकित है, जो शुद्ध व सही है। जबकि अन्य दस्तावेजों में अंकित नाम स्वरूप राम गलत है। यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। **राम स्वरूप पुत्र रमेश निवासी ग्राम झामपुर, परगना सरेनी, तहसील लालगंज, जिला रायबरेली।**

सूचना
मेरा पहले नाम HANIFA PARVEEN था। अब मैने अपना नाम बदलकर SONI KHATOON कर लिया है। मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाये। **SONI KHATOON W/O MOHD HAMID RAZA, निवासी नई बाजार, चौक बाजार बलरामपुर।**

सूचना
मेरा पहले नाम MOHAMMAD QAVI ANSARI था। अब मैने अपना नाम बदलकर ABDUL QAVI ANSARI कर लिया है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **ABDUL QAVI ANSARI S/O ABUL KALAM ANSARI ग्राम भीखमपुर पोस्ट कटरा शंकर नगर बलरामपुर।**

सूचना
मैने अपना नाम HAMZA AHMAD से बदलकर HAMZA ALI AHMED रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **FATHER NAME- MOHAMMED AHMED ADD - PLOT NO-32 BARAURA HUSSAIN BARI, MARI MATA MANDIR, HASRAT TOWN. DIST-LUCKNOW - 226003 (U.P)**

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री सौम्या की जन्मतिथि त्रुटिवश 01-01-2010 शैक्षिक अभिलेखों में अंकित हो गई है। जिसकी वास्तविक जन्मतिथि 12-08-2012 आधार कार्ड पर अंकित है, शैक्षिक व अन्य अभिलेखों में दर्ज कर सही माना जाए। **शिवपाल निवासी ग्राम व पोस्ट ईश्वरपुर साई परगना मल्लावां हरदोई।**

सूचना
मैं महेश कुमार (MAHESH KUMAR) पुत्र बाबूलाल निवासी ग्रा. तिवारीपुर कला पो. भोजपुर विकासखंड व थाना सरेनी त. लालगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरी पुत्री का नाम स्नेहा (SNEHA) व जन्मतिथि 01-05 2009 सही एवं वास्तविक है। जबकि आधार में जन्मतिथि 01-01-2009 व नाम अंशिका गुप्ता गलत अंकित हो गया है।

सूचना
मैं सुरेन्द्र बहादुर पुत्र श्रीपाल ग्रा. पूरे नजरी मजरे कूढ़ा चक सगुनपुर थाना गाड़गंज प. त. डलमऊ जिला रायबरेली का निवासी हूं। मैं अपने बेटे संजय कुमार के गलत आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में मेरे बेटे संजय कुमार द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से मै और मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचना
सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र मोहम्मद नदीम को उसके खराब चाल-चलन एवं मेरे साथ हर समय लड़ाई-झगड़ा, गाली-गलौज करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति के बेदखल कर दिया है। अब उसके द्वारा किये गये किसी भी कार्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का उससे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **मोहम्मद रईस पुत्र स्व0 श्री मो0 अली निवासी- 482/92, भाण्डों टोला, इरादतनगर, लखनऊ।**

सूचना
सूचित हो कि, मैं Shabana Khan पत्नी Sarfaraz Ahmad Khan निवासिनी:- 290/396, अनुपमनगर, मोतिझील ऐशबाग, लखनऊ की हूँ, मेरा नाम Shabana Khan हैं, त्रुटिवश मेरे पति के पासपोर्ट में Shahida Bano अंकित हो गया हैं, जो कि यह मेरा नाम घर में पुकारने वाला हैं, मेरे सारे दस्तावेजों पासपोर्ट, निकाहनामा में मेरा नाम Shabana Khan हैं, अतः पति के पासपोर्ट में मेरा नाम Shabana Khan अंकित किया जाये।

सूचना
सूचित हो कि, मैं Sarfaraz Ahmad Khan पुत्र Jawwad Ahmad Khan निवासी:- 290/396, अनुपमनगर, मोतिझील ऐशबाग, लखनऊ का हूँ, मेरे नाम में Sarfaraz की स्पेलिंग Sharfaraz अंकित हैं, जो गलत हैं, मेरे सारे दस्तावेजों में मेरा नाम Sarfaraz Ahmad Khan अंकित हैं, अतः मेरे नाम को Sarfaraz Ahmad Khan लिखा जाये।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम नगर पालिका परिषद खैराबाद जिला सीतापुर के अभिलेखों में बुशरा अंकित हो गया है जबकि मेरे आधार कार्ड व हाई स्कूल प्रमाण पत्र तथा अन्य दस्तावेजों में बेबी बुशरा अंकित है मेरे आधार कार्ड व हाई स्कूल प्रमाण पत्र में जो नाम बेबी बुशरा अंकित है वह नाम सही व सत्य है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **बेबी बुशरा पुत्री मो. जावेद निवासी मोहल्ला कमाल सरायं कस्बा व थाना खैराबाद तहसील व जिला सीतापुर**

न्यूज ब्रीफ

डीएम-एसपी ने राज्यपाल के प्रस्तावित कार्यक्रम की परखीं तैयारियां

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार। लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। सोमवार को कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने डीएम गौरांग राठी व एसपी जय प्रकाश सिंह ने यूनिवर्सिटी पहुंचकर कार्यक्रम स्थल व परिसर का निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लेने के साथ सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं के लिए संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम सुशील कुमार, एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह, एसडीएम हसनगंज प्रज्ञा पाण्डेय, सीओ हसनगंज अरविंद चौरसिया आदि अधिकारी रहे।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा की बैठक 20 नवंबर को

उन्नाव। अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा की जिला शाखा की बैठक मोर्चा के जिला संयोजक उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्र की अध्यक्षता में 20 नवंबर को 3:30 बजे से निराला उद्यान में आहूत की गई है। इसमें सभी विकासखंडों के ब्लॉक अध्यक्ष, महामंत्री व अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा में शामिल सभी घटक संगठनों के जिलाध्यक्ष व महामंत्री प्रतिभाग करेंगे। बैठक में 24 नवंबर को जंतर मंतर नई दिल्ली में होने वाले धरने में जाने वाले शिक्षकों के संदर्भ में योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। यह जानकारी जिला महामंत्री रामजन्म सिंह ने दी।

गोला दगा रहा किशोर झुलसा, हुआ रेफर

बांगरमऊ। नगर के मोहल्ला नसीमगंज निवासी यामीन का 14 वर्षीय बेटा तोहित सोमवार दोपहर बाद आतिशबाज़ी का गोला दगा रहा था। तभी अचानक वह गोले की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन आनन-फानन उसे नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाज़ुक देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

रेडीमेड व्यवसायी के साथ भागी महिला

सफीपुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 नवंबर को उसकी 32 वर्षीय पत्नी बैंक में काम होने की बात कहकर सफीपुर कस्बा जाने को निकली थी। देरशाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो खोजबीन की। जानकारी हुई कि सफीपुर कस्बा स्थित एक बैंक के पास रेडीमेड का व्यवसाय करने वाला कस्बे के दबियाना मोहल्ला निवासी राम किशोर रावत पुत्र गुरु दयाल उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया है। पत्नी अपने साथ घर से 62 हजार रुपये नगद व करीब छह लाख के जेवरात भी ले गई है। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के अनुसार केस दर्ज के महिला की तलाश की जा रही है।

जीरो पावर्टी अभियान के तहत पात्र व्यक्तियों का कराएं चिन्हांकन

उन्नाव, अमृत विचार। सीडीओ कृति राज ने पावर्टी अभियान के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के नवीनीकरण व योजनाओं से लाभान्वित कराने के संबंध में विचार-विमर्श किया। निर्देश दिए कि बीओसी सभी पात्र निर्माण श्रमिकों का पंजीयन कराकर बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाएं। संबंधित सभी विभाग हर हाल में एक हफ्ते में जीरो पावर्टी संबंधी कार्यवाही पूर्ण करें। इसमें विकासखंड सुमेरपुर, हिलौली व गंजमुरादाबाद के खंड विकास अधिकारी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी व सभी ब्लाकों के ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम रोजगार सेवक उपस्थित रहे।

बड़े बकाएदारों के विरुद्ध सख्ती कर करें गिरफ्तारी : जिलाधिकारी

विभागों को वसूली का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करने के दिशा-निर्देश

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में कर करेत्तर व राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इसमें जिलाधिकारी ने वाणिज्य कर, आबकारी, नगर निकाय, परिवहन, खनन, सिंचाई, वन, कृषि, मंडी, स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन आदि विभागों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा की।

इसमें जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्थिति में जिले में वसूली में लापरवाही न हो। जिन विभागों को वसूली का जो लक्ष्य मिला है वह शत-प्रतिशत हो। ऐसा न होने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने वसूली में लापरवाह विभागों पर नाराजगी जता वसूली के लिये अभियान चलाने के निर्देश दिए। सभी एसडीएम को बड़े बकाएदारों की प्राथमिकता से वसूली कराने के निर्देश देते हुए कहा कि बड़े बकाएदारों को कतई न बख्सा जाए। गिरफ्तारी कर कार्यवाही करें। यदि संबंधित अमीन की लापरवाही संज्ञान में आ रही है तो कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने तहसील न्यायालयों में लंबित वादों की भी समीक्षा की। कहा कि स्वामित्व योजना का कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। एडीएम वित्त एवं राजस्व, एडीएम न्यायिक, सिटी मजिस्ट्रेट, सचिव उन्नाव विकास प्राधिकरण व एसडीएम सदर आदि मौजूद रहे।

बैठक में मातहतों को निर्देशित करते डीएम गौरांग राठी। अमृत विचार

महिला आयोग की उपाध्यक्ष का भ्रमण कार्यक्रम कल

उन्नाव, अमृत विचार। उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव 19 नवंबर को महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, जागरूकता चौपाल व महिला जनसुनवाई कार्यक्रम के दृष्टिगत 9:30 बजे जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण करेंगी और नवजात शिशुओं को बेबी किड्स वितरित करेंगी। 10:45 बजे वे कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण करेंगी व 12:15 पर महिला बंदी गृह का निरीक्षण करेंगी। इसके अलावा पौधारोपण, भोजन व्यवस्था की जानकारी व भोजन की गुणवत्ता को भी परखेंगी। 2:30 बजे उपाध्यक्ष जिला स्तरीय अधिकारियों से महिला उत्पीड़न के प्रकरणों पर विचार विमर्श व महिला जनसुनवाई का कार्यक्रम करेंगी।

कौमी एकता सप्ताह पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिले में 19 से 25 नवंबर तक कौमी एकता सप्ताह मनाया जाएगा। इसके तहत रोजाना विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

डीएम गौरांग राठी ने कहा कि कौमी एकता सप्ताह19 नवंबर से शुरू होगा और हर दिन अलग-अलग विभागों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संयोजक अधिकारी नियुक्त करते हुए भव्यता के साथ सभी कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि हर कार्यक्रम को शासनादेश के अनुसार भव्यता से सम्पन्न कराएं। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। 19 नवंबर को राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन होगा। इसमें सभी सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई जाएगी। 20 को अल्पसंख्यक कल्याण दिवस का आयोजन होगा। 21 को विद्यालयों में भाषाई सद्भावना दिवस का आयोजन होगा। साहित्यिक समारोह व कवि सम्मेलन होगा। 22 को कमजोर वर्ग दिवस मनेगा। इसमें बैठक व रैली आयोजित होगा। 23 को सांस्कृतिक एकता दिवस के साथ पेंटिंग वाद विवाद प्रतियोगिता सेमिनार आदि का आयोजन होगा। 24 को महिला दिवस आयोजित होगा। इसमें भारतीय समाज में महिलाओं के महत्व व राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के विषय पर चर्चा होगी। 25 को पर्यावरण संरक्षण दिवस आयोजित होगा इसमें पर्यावरण को संरक्षित करने के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया जाएगा तथा समारोह का आयोजन होगा।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर अटेवा का दिल्ली में प्रदर्शन 25 को

उन्नाव, अमृत विचार। ऑल टीचर्स एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) प्रदेश कार्यालय में कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें उन्नाव का प्रदेश की टॉप 10 सूची में आने पर जिले के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। कहा गया कि दिल्ली में 25 नवंबर को पुरानी पेंशन बहाली को लेकर होने वाले प्रदर्शन में अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

प्रदेश अध्यक्ष ने जिलाध्यक्ष अर्पित मिश्रा, जिला महामंत्री राजकरन, जिला प्रवक्ता सौरभ राज भारती, अम्बरीश कुमार, प्रदीप यादव को सम्मानित किया गया तथा राम मिलन को ब्लॉक संयोजक मियागंज मनोनीत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने अधिकारी, कर्मचारी व शिक्षकों से आह्वान किया कि 25 नवंबर को दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में बड़ी संख्या में प्रतिभाग करें। जिससे पुरानी पेंशन के आंदोलन को मूर्तरूप दिया जा सके।

टॉप 10 सूची में आने पर सम्मानित हुए जिले के पदाधिकारी। अमृत विचार

तालाब में उतराता मिला युवक का शव

उन्नाव। मौरावां के रेवला गांव स्थित तालाब में युवक का शव उतराता देख लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। बता दें कि सोमवार सुबह मर्दानपुर गांव के मजरा रेवला गांव निवासी राजेश (40) पुत्र बुद्धीलाल का शव मां सागर माता तालाब में उतारता देख लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। पत्नी सावित्री देवी, बेटी सरिता, संजना, साहनी, रेनू, बेटा आनंद का रो-रोकर बुरा हाल रहा। सूचना पर मौरावां एसओ कुंवर बहादुर सिंह ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों के मुताबिक वह रविवार को पत्नी के साथ खेत में पानी लगाने गया था। दो बजे रात में पत्नी घर लौट आई और वह वहीं सो गया। सुबह परिजन तलाश करने निकले तभी उन्हें लोगों से घटना की जानकारी हुई।

सड़क किनारे मिली नवजात भेजा गया जिला अस्पताल

हसनगंज, उन्नाव, अमृत विचार। भोरपहर शौच को जा रहे ग्रामीणों ने खंती से बच्चे के रोने की आवाज सुनी तो वहां जाकर देखा तो एक नवजात बच्ची पड़ी थी। उसे देख लोगों ने पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। सोमवार भोरपहर लालपुर गांव निवासी ग्रामीण शौच के लिए जा रहे थे तभी उन्हें सड़क किनारे खंती से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। इस पर उन्होंने वहां जाकर देखा तो एक नवजात बच्ची पड़ी थी। उसे देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस व एंबुलेंस को दी। एंबुलेंस से बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसनगंज लाया गया। जहां डॉक्टर ने बच्ची का प्राथमिक उपचार कर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां पहुंचे कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि एक नवजात बच्ची सड़क किनारे खंती में पड़ी मिली थी। उसे सीएचसी हसनगंज लाया गया था। जहां से उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया।

नवजात बच्ची। अमृत विचार

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

उन्नाव। हसनगंज के सेमरामऊ गांव निवासी उमेश पंडित (31) पुत्र महेंद्र प्रताप भाइयों के साथ हरियाणा में एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। बीती 5 नवंबर को वह गांव लौटा था। दो दिन पहले वह दही थानाक्षेत्र के राजेपुर मोहल्ला निवासी मौसी सीमा पत्नी स्व. नीरज के घर आया था। रविवार रात वह आवास विकास से मौसी के घर लौटने के लिए राजेपुर रेलवे क्रासिंग के पास लखनऊ-कानपुर रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। तभी वह डाउन लाइन पर आई ट्रेन से टकरा गया। सिर पर आई गंभीर चोटों से उसकी मौत हो गई। मालगाड़ी के लोको पायलट ने स्टेशन अधीक्षक को सूचना दी कि डाउन लाइन पर शव पड़ा है।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

उन्नाव, अमृत विचार। किशोरी से दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए उसे 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

हरदोई जिला के एक गांव निवासी व्यक्ति ने एसपी को शिकायती पत्र देकर बताया था कि वह बांगरमऊ-संडीला मार्ग स्थित एक भट्ठे में मजदूरी करता है। भट्ठे के पास झोपड़ी डालकर वह परिवार के साथ रहता था। 4 अप्रैल-2017 की शाम वह भट्ठे पर पत्नी के साथ काम कर रहा था। तभी हरदोई के शहाबाद थानाक्षेत्र के बख्शीपुर निवासी विकट राम उसकी नाबालिग बेटी को बहलाकर ले गया। बेटी उसके बहकावे में घर में रखे 30 हजार रुपये व जेवर भी ले गई। एसपी के निर्देश पर बांगरमऊ पुलिस ने 26 अप्रैल-2017 को रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी को बरामद किया। मेडिकल के बाद अपने बयान में किशोरी ने युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। आईओ ने 9 अगस्त-2019 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। सोमवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद शासकीय अधिवक्ता प्रदीप श्रीवास्तव की दलील व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश ने विकट राम को दोषी ठहराते हुए 20 साल की सजा सुनाई है।

फंदे से लटका मिला फैक्ट्री कर्मी का शव

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली अंतर्गत मानस विहार कालोनी में किराए पर रह रहे फैक्ट्री श्रमिक का शव कमरे में लगे पंखे के कुंडे से लटका मिला। सूचना पर पहुंचे अस्पताल चौकी इंचार्ज अंजनी सिंह दरवाजा अंदर से बंद मिलने पर काफी प्रयास के बाद उसे तोड़कर दाखिल हुए। युवक की पहचान सतेंद्र निवासी रघु बेस पुरवा जिला गोंडा के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक वह अकरमपुर स्थित एक इस्पात फैक्ट्री में आपरेटर था। सोमवार दोपहर वह ओवरटाइम कर लौटा था। इसके बाद से दरवाजा नहीं खुला। पुलिस ने इसकी सूचना परिजनों को दी है।

सतेंद्र (फाइल फोटो)।

एचटी लाइन की चपेट में आकर झुलसा युवक, मौत

नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के बौरीखेड़ा गांव में बीती रविवार रात खेत में धान पिटाने जा रहा युवक जर्जर एचटी लाइन की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

बाल्हेमऊ गांव के मजरा बौरीखेड़ा निवासी गोविंद (21) पुत्र सूर्यपाल यादव रविवार रात आठ बजे खेत पर धान पिटाने जा रहा था। रास्ते में गांव के जगदीश के खेत से 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन सरकारी नलकूप में आपूर्ति के लिए गई थी। बताते हैं कि यह लाइन काफी समय से जर्जर होकर लटक रही थी। उधर से निकलते समय गोविंद ने किसी को बुलाने के लिये हाथ उठाया तभी वह करंट की चपेट आकर झुलस गया। आवाज सुन आसपास खेतों में मौजूद लोगों ने उसे झुलसा पड़ा देख परिजनों को सूचना दी। जब तक उसे अस्पताल ले जाया जाता इससे पहले उसने दम तोड़ दिया। बड़े भाई अरविंद ने बताया कि गोविंद दो भाइयों में छोटा था। उसकी मौत से मां गुड्डी रो-रोकर बेहाल है। भाई की सूचना पर पहुंचे दरोगा मो. असलम ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा।

पाठकपुर विद्युत उपकेंद्र के जेई संतोष कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। जिस लाइन पर यह हादसा हुआ है वह काफी पुरानी है। इससे तार लटक गए हैं। बताया कि लाइन बदलने का करीब 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

गोविंद (फाइल फोटो)।

कपड़े फैलाने गई महिला की करंट की चपेट में आने से मौत

औरास, उन्नाव, अमृत विचार। औरास थानाक्षेत्र के मुरौवन खेड़ा गांव निवासी मनीष मौर्य की 25 वर्षीय पत्नी शांती सोमवार सुबह 11 बजे घर में लोहे के तार पर गीले कपड़े फैला रही थी। परिजनों के मुताबिक तार के पास विद्युत बल्ब लगा था। जिसमें आपूर्ति के लिए आया तार कहीं से कटा था। इससे लोहे के तार में करंट दौड़ गया। शांति उसकी चपेट में आकर झुलस गई। चीख सुन पहुंचे परिजनों ने मेन स्विच बंद उसे अचेत हालत में सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। यह सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर मायके वालों को जानकारी देकर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

शांति (फाइल फोटो)

टैलेंट हंट कार्यक्रम में लिया नई पीढ़ी को तराशने का संकल्प

कांग्रेस कार्यालय में टैलेंट हंट का पोस्टर दिखाते पदाधिकारी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में सोमवार को टैलेंट हंट कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय प्रतिभा खोज में युवाओं को जोड़ना व उन्हें पार्टी की विचारधारा के लिए तैयार करना है। इसमें जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि इस कार्यक्रम का लक्ष्य युवाओं को तराशना, प्रशिक्षित कर सशक्त बनाना है। हमारा उद्देश्य कांग्रेस के लिए एक नई पीढ़ी की दमदार आवाज तैयार करना है। बताया कि युवाओं को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा एक प्रतिवेदन के माध्यम से जोड़ा जाएगा। चयनित युवाओं का साक्षात्कार ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित होगा। बैठक में जिला उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमंत सिंह, उपाध्यक्ष जावेद कमाल, जिला कोषाध्यक्ष शिवम अवस्थी, अजय गौतम शामिल थे।

पूर्व सांसद ने पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

शुक्लागंज। सोमवार को सरैया रेलवे क्रॉसिंग के पास सपा नेता वीरेंद्र सिंह यादव के पिता स्व. रामधनी यादव की सातवीं पुण्यतिथि पर हुए कार्यक्रम में पूर्व सांसद अन्नू टंडन पहुंचीं। उन्होंने श्रद्धांजलि समारोह में पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को नमन किया। कार्यक्रम में नगर व जिले के सपा नेताओं ने भाग लिया और रामधनी यादव को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष राजेश यादव, वीरेंद्र शुक्ला के अलावा अंकुर शुक्ला आदि मौजूद रहे।

सूने घर से चोरों ने पार किये लाखों के जेवरात व हजारों की नकदी

उन्नाव, अमृत विचार। पुरवा कोतवाली अंतर्गत कस्बा क्षेत्र के मोहल्ला मझिगवां मोड़ निवासी राजेंद्र अवस्थी रविवार रात रिश्तेदारी में मांगलिक कार्यक्रम में परिवार के साथ घर में ताला बंदकर शामिल होने गया था। सोमवार सुबह बगल में किराए पर दुकान लिए किराएदार ने दरवाजे का ताला टूटा देख फोन से उसे सूचना दी। जिस पर राजेंद्र आनन-फानन घर पहुंचा तो कमरे का ताला टूटा देख दंग रह गया। अंदर जाकर देखा तो अलमारी खुली थी और उसमें रखे करीब छह लाख के जेवरात व 16 हजार की नकदी गायब थी। पीड़ित की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की। कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच की जा रही है।

मुश्किल स्थानीय बता रहे प्रतिदिन 10 से 12 फीट तक कट रही भूमि

मिश्रा कॉलोनी में बढ़ रही कटान, दहशत में लोग

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। गंगा का जलस्तर घटने के बाद मिश्रा कॉलोनी के रिहायशी क्षेत्रों के पास कटान की रफ्तार तेज हो गई है। पिछले कई दिनों से लगातार हो रहे कटान ने अब आबादी वाले इलाकों के बिल्कुल नजदीक पहुंचकर तटवर्ती लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि लोगों में जान-माल का खतरा महसूस होने लगा है।

कटान की इस विकराल स्थिति को देखते हुए क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक निवासियों ने शारदा नगर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को पत्र सौंपकर तुरंत कटान रोकने की मांग की है। पत्र देने वालों में माया शुक्ला, रविशंकर शुक्ला, प्रियंका, गोल्डी शर्मा, आलोक पांडेय, रूपेश पांडेय, सनी गुप्ता, सचिन, नितिन, ज्ञानेन्द्र और आशीष समेत कई लोग शामिल रहे। निवासियों ने पत्र में बताया कि शिव बाबा घाट से लेकर पुराने गंगापुल तक गंगा द्वारा अनियमित और लगातार कटान हो रहा है। लोगों का कहना है कि प्रतिदिन लगभग 10 से 12 फीट तक भूमि कट रही है, जिससे बस्ती के कई हिस्से खतरे की जद में आ गए हैं। कटान की यह गति अनियंत्रित होने के कारण कॉलोनी में भय का माहौल है और किसी भी समय बड़ा नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। लोगों ने सिंचाई विभाग से तत्काल मौके का निरीक्षण कर प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र ही कटान रोकने का कार्य शुरू नहीं हुआ, तो कई परिवारों को विस्थापन की नौबत आ सकती है। इस बावत अधिशाषी अभियंता गगन शुक्ला ने बताया कि क्षेत्रीय लोगों की मांग पर कटान की हकीकत देखने के लिये मौके का निरीक्षण कराया जायेगा। उसके बाद कटान रोकने के प्रबंध किये जायेंगे।

मिश्रा कॉलोनी के सामने होती कटान। अमृत विचार

विनायक ने जीती शतरंज प्रतियोगिता

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। मां शक्ति योग साधना केंद्र उन्नाव में 16 नवंबर 2025 को जिला शतरंज एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-15 शतरंज प्रतियोगिता में गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगानगर शुक्लागंज के खिलाड़ी विनायक साहू ने प्रथम स्थान हासिल किया। विनायक ने अपने माता-पिता, विद्यालय और प्रशिक्षक प्रदीप द्विवेदी का नाम रोशन किया।

प्रशिक्षक ने बताया कि विनायक इससे पहले विद्या भारती द्वारा आयोजित संकुल, प्रांत और क्षेत्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीत चुके हैं तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभाग कर चुके हैं। विद्यालय में प्रधानाचार्य डॉ. बृजेंद्र मिश्र, कक्षा आचार्य मंजुल मिश्र सहित सभी शिक्षकों ने विनायक को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि सफलता नियमित अभ्यास से मिलती है और संस्थान में प्रशिक्षक के निर्देशन में खिलाड़ी निरंतर अभ्यास करते हैं। कार्यक्रम में ओम बाबू मिश्रा, अशोक त्रिपाठी, अरविंद द्विवेदी, अरुण दीक्षित सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

विनायक को ट्राफी देते प्रधानाचार्य। अमृत विचार

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नियाज अहमद पुत्र कल्लू निवासी मोहल्ला सरोजनी नगर बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 12-11-2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थी ने मोहल्ला नसीमगंज बाँगरमऊ का एक किता प्लाट पूरब से पश्चिम 40 फिट उत्तर से दक्षिण 15 फिट कुल क्षेत्रफल 600 वर्गफीट या 55.77 वर्गमीटर प्लाट विक्रेता श्रीमती शरीफननिशा पत्नी स्व0 दीन मोहम्मद निवासी मोहल्ला बशीरगंज बाँगरमऊ जिला उन्नाव से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 04-11-2023 को क्रय कर भवन का निर्माण करवा लिया है। उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब- रास्ता खड़ंजा 10 फिट पश्चिम- मकान मौलाना वारिस उत्तर- प्लाट ए0 के0 सिंह दक्षिण- मकान जैबुन निशा प्रार्थी ने अपने उपरोक्त भवन को नगर पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र,रजिस्टर्ड बैनामा, शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रक्रिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रक्रिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ उन्नाव

प्रेम की कोई भाषा नहीं होती है, प्रेम का फूल मौन में खिलता है। प्रेम संगीत है, प्रेम अंतर्नाद है और प्रेम ही अनाहद नाद है। – **ओशो**

इसरो की छलांग

इसरो की अगले तीन वर्षों में अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को तीन गुना करने की तैयारी मात्र तकनीकी विस्तार नहीं, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की दीर्घकालिक रणनीति का संकेत भी है। साफ है कि इसरो मात्र प्रक्षेपण सेवा प्रदाता या वैज्ञानिक मिशनों तक सीमित नहीं रहना चाहता, वह वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में एक निर्णायक खिलाड़ी बनना चाहता है। वर्तमान में इसरो की क्षमता अवसंरचना और अल्प प्रक्षेपण अवसरों के चलते सीमित है। एक साथ कई वैज्ञानिक और वाणिज्यिक मिशनों को संभालने में इससे दिक्कत होती है। क्षमता को तीन गुना करना वैज्ञानिक अभियानों की गति बढ़ाने के साथ वैश्विक बाजार के वाणिज्यिक अवसरों को भी भुनाने में मददगार होगा। यह भविष्य में इसरो को मिशनों के ओवरलैप के दबाव से मुक्त करेगा और निजी उद्योगों तथा नई अंतरिक्ष कंपनियों को भी बड़े पैमाने पर जोड़ेगा। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी अभी लगभग दो प्रतिशत है, जिसे 2030 तक बढ़ाकर आठ प्रतिशत करने का लक्ष्य है। क्षमता विस्तार, उद्योग साझेदारी, तेज प्रक्षेपण चक्र और सस्ते, लेकिन भरोसेमंद मिशनों से इसरो इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंच सकता है। भारत की कम लागत वाली तकनीक और बढ़ती विश्वसनीयता विदेशी ग्राहकों को खूब आकर्षित कर रही है। इसरो जिन कार्यक्रमों पर काम कर रहा है, वे अभूतपूर्व हैं-चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ का अध्ययन करने वाला जापान-भारत संयुक्त मिशन 'लूपेक्स', 2028 के लिए निर्धारित चंद्रयान-4, भारतीय उद्योग द्वारा निर्मित पहला पूरी तरह स्वदेशी पीएसएलवी और भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल की तैयारी। इनमें से हर एक परियोजना न केवल तकनीकी क्षमता बढ़ाने के साथ इसरो की वैश्विक विश्वसनीयता को नई ऊंचाई देगी।

भारतीय निजी उद्योग निर्मित पीएसएलवी अंतरिक्ष क्षेत्र में ठीक उसी तरह भागीदार बनेगा-जैसे अमेरिका में स्पेसएक्स और अन्य निजी कंपनियां नासा के लिए सहायक हैं। इससे न केवल प्रक्षेपण क्षमता बढ़ेगी, बल्कि एक विशाल घरेलू अंतरिक्ष पारिस्थितिकी भी बनेगी। चूंकि इसरो अब अधिकांश, परियोजनाओं को अलग-अलग समर्पित केंद्रों और उद्योग भागीदारी के साथ आगे बढ़ा रहा है इसलिए उसके चलते दूसरे अभियानों में विलंब की आशंका कम है। हालांकि मानवीय उड़ान मिशन बेहद जटिल होते हैं और सुरक्षा के मानक सर्वोपरि रहते हैं, इसलिए समय में नैसर्गिक बदलाव असामान्य नहीं होगा। भारत का प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन, जिसके पांच मॉड्यूल 2035 तक कक्षा में स्थापित होने की योजना है, राष्ट्रीय अंतरिक्ष शक्ति के विकास का निर्णायक कदम होगा। पहला मॉड्यूल 2028 तक बन पाने की संभावना मजबूत है और यह भारत को "लो अर्थ ऑर्बिट रिसर्च पॉवर" के रूप में वैश्विक क्लब में शामिल करेगा। इन सभी उपलब्धियों और लक्ष्यों को देखते हुए यह स्पष्ट है कि इसरो का भविष्य उज्ज्वल है। यह केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का विस्तार नहीं, यह भारत की आत्मनिर्भरता, प्रौद्योगिकीय नेतृत्व और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी बढ़ाने की लंबी छलांग है। इससे देश को वैज्ञानिक प्रतिष्ठा, आर्थिक अवसर, वैश्विक साझेदारियां और युवाओं के लिए नई शोध-संभावनाएं प्राप्त होंगी। इसरो की नई छलांग उसे वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा में बहुत आगे ले जाएगा। भारत अब अंतरिक्ष में पहुंचने की ही नहीं, बल्कि वहां अपनी ऊंची जगह बनाने की तैयारी कर चुका है।

प्रसंगवश

आखिर क्यों नहीं टूटते बेड़िया प्रथा के बंधन

हाल ही में राजस्थान के भरतपुर जिले के एक छोटे से गांव की 12 वर्षीय राधा (बदला हुआ नाम) की मर्मस्पर्शी कहानी सामने आई। राधा रोज सुबह स्कूल के दरवाजे तक जाती है, लेकिन अंदर नहीं जाती। वजह पूछो तो धीरे से बताती है कि मां कहती है कि पढ़ाई हमारे लिए नहीं होती। उसके घर में पीढ़ियों से यह तय है कि लड़कियां पढ़ें नहीं, बल्कि घर चलाने में मदद करें। बाहर से देखने पर यह मदद नाच-गाने की लगती है, लेकिन असल में यह बेड़िया प्रथा का दर्द है। यह एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था है, जहां बेटियों की जिंदगी परिवार की परंपरा के बोझ तले कुचल जाती है। असल में यह दर्दनाक बेड़िया की प्रथा की सच्चाई है। बेड़िया समुदाय के बारे में माना जाता है कि यह मूलतः घुमंतू या अर्ध-घुमंतू समुदाय है। इसकी मध्य भारत (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश), राजस्थान और झारखंड जैसे राज्यों में उपस्थिति रही है। राजस्थान की बात करें तो यहां बेड़िया समुदाय की स्थिति विकट है। राजस्थान के भरतपुर,

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

धौलपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़ और सवाई माधोपुर जिलों में बेड़िया समुदाय के परिवार बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भरतपुर जिले के घाटोली गांव में लगभग 70 बेड़िया परिवारों में से 58 परिवारों ने अपनी बेटियों को इस प्रथा में झोंक दिया है। राजस्थान महिला आयोग और ग्रामीण शिक्षा संस्थान की रिपोर्ट में पाया गया कि बेड़िया समुदाय में महिला साक्षरता दर केवल 21 प्रतिशत है और अधिकांश लड़कियां 14-16 वर्ष की उम्र में स्कूल छोड़ देती हैं। वहीं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में कुल 363 मानव तस्करी के मामले पाए गए, जिनमें से 98 फीसदी बच्चे थे। इनमें बड़ी संख्या उन समुदायों से आती है, जहां बेड़िया जैसी परंपराएं सामाजिक रूप में मौजूद हैं। वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में लगभग 8,000 से 10,000 लड़कियां ऐसे पेशे से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं। इनमें से अधिकांश दलित या घुमंतू जनजातीय समुदाय से हैं, जिनमें बेड़िया भी शामिल है। भीलवाड़ा, बूंदी, टोंक और सवाई माधोपुर जिलों में इस तरह की गतिविधियां सक्रिय रूप से देखी गईं।

आज जब भारत नारी शक्ति वंदन अधिनियम और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे कानूनों से महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसी भारत के कुछ कोनों में बेड़िया समुदाय की बेटियां अब भी परंपरा के नाम पर देह व्यापार में धकेली जा रही हैं। मध्य प्रदेश के मुरैना, श्योपुर, राजस्थान के कोटा, बूंदी और उत्तर प्रदेश के झांसी जिलों में यह प्रथा गहराई से जमी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इन समुदायों में लगभग 65-70 प्रतिशत महिलाएं अनिच्छा से इस प्रथा का हिस्सा हैं, जबकि पुरुष समुदाय इसे रिवाज के रूप में देखते हैं। इन क्षेत्रों में महिला साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। जहां भारत में महिला साक्षरता दर लगभग 70 प्रतिशत है, वहीं इन क्षेत्रों में यह मुश्किल से 35-40 प्रतिशत तक पहुंचती है। इसका सीधा प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। हालांकि अब बदलाव की बयार भी चल पड़ी है। राजस्थान सरकार ने एक नई राह योजना और मिशन परिवर्तन के तहत इस समुदाय की महिलाओं के लिए रोजगार और शिक्षा के अवसर बढ़ाए हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना इन महिलाओं को वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है। वहीं कई गैर सरकारी संगठन इन समुदायों में जाकर शिक्षा केंद्र और पुनर्वास शिविर चला रहे हैं।

सम्मानित प्रोफेशन में विध्वंस की पनपती सोच

अजय दयाल
लखनऊ

बुद्धिजीवी वर्ग में भी विध्वंस की सोच आतंकवाद का एक घिनौना रूप है, जो दिल्ली धमाके में स्पष्ट तौर पर सामने आ गया। फिलवक्त आतंकवाद से पूरी दुनिया त्रस्त है और इसका जड़ से खत्मा करने को हर स्तर पर पुरजोर कोशिशें की जा रहीं हैं, पर चिंता इस बात की है कि जहां आतंकवाद को उखाड़ फेंकने के भरसक प्रयास जारी हैं, वहीं इसका सामने आ रहा घिनौना रूप हमारे देश की जड़ों, संस्कृति को विषाक्त कर रहा है। जाहिर है लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती दे रहे आतंकवाद के इस घिनौने रूप का नाम है- बौद्धिक आतंकवाद।

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए भीषण धमाके के पीछे कई डॉक्टरों के नाम सामने आए, जिसमें विस्फोट हुआ, उस कार को डॉक्टर उमर चला रहा था। इस घटना के बाद तो एक के बाद उसके कनेक्शन, जो सामने आ रहे हैं, उनमें से तमाम डॉक्टर ही हैं। पुलवामा का उमर उन तीन डाक्टरों का साथी पाया गया, जिनके पास से फरीदाबाद में लगभग तीन हजार किलो विस्फोटक और हथियार मिले थे। इनमें डॉ. मुजम्मिल और डॉ. आदिल कश्मीरी हैं, जबकि तीसरी साथी डॉ. लखनऊ की है। इसी नेटवर्क का एक अन्य मिला डॉ. मोहिउद्दीन, जो गुजरात पुलिस के हत्थे चढ़ा। यह अपनी शैक्षक बौद्धिकता का दुरुपयोग अरंडी के बीज से बेहद घातक जहर राइसिन बना रहा था ताकि सामूहिक नरसंहार के नापाक इरादे को अंजाम दे सके।

हालांकि डॉक्टर्स, इंजीनियर्स और प्रोफेसर पहले भी आतंकवाद के सूत्रधार के रूप में सामने आ चुके हैं। उस पुणे वाले डॉ. अदनान अली को याद कीजिए, जिसे 2023 में दबोचा गया था, शहर का प्रतिष्ठित चिकित्सक माना जाता था, पर वह आतंकी समूह आइएस के लिए काम कर रहा था। दरअसल, डाक्टर्स, इंजीनियर्स, प्रोफेसर के अलावा तमाम हाई एजुकेटेड मुस्लिम युवा आतंकी के रूप में हमारे सुरक्षा दस्ते के हाथ लग चुके हैं, जो समाज में अपने बौद्धिक प्रोफेशनल्स की छवि बनाए हुए थे, लेकिन पर्दे के पीछे घिनौना विध्वंस करने में जुटे थे। तमाम को तो सुरक्षा एजेंसियों ने चिन्हित कर लिया, लेकिन वे समय रहते सीरिया और अफगानिस्तान पहुंचकर आइएस या अलकायदा की गोद में जा बैठे। भारत ही नहीं दुनियाभर की लोकतांत्रिक सरकारों के लिए यह चिंता का विषय होगा कि अब उच्च शिक्षित तमाम युवा भी आतंकवाद की नींव को मजबूत करने में जुटे हैं।

आतंकवाद के शुरुआती चरण में एक वक्त ऐसा था, जब विध्वंसकारियों में अशिक्षित या आर्थिकतौर पर कमजोर ही मजहबी ब्रेनवॉश या अपने कुंठित विचारों के चलते मजबूरी में आतंक की राह पकड़ते थे, लेकिन अब तस्वीर पलटी हुई नजर आती है। अब उच्च शिक्षित अथवा सम्मानित प्रोफेशन रखने के बावजूद देश-दुनिया में ऐसे मुस्लिम युवक बहुतेरे हैं, जो आतंकी बन रहे हैं। अपने देश में ही केरल से लेकर कश्मीर तक में अनेक शिक्षित मुस्लिम युवाओं ने आतंक की राह पकड़ी। ताजा मामलों में कोई कट्टरपंथी मौलवी-मौलाना भी सामने नहीं आया, जिसकी वजह से आतंकवाद का बौद्धिक चेहरा बना हो।

इसी बीच आतंकवाद की नई सूरत अब महिलाओं के रूप में भी सामने आ गई है। ताजा घटनाओं के बाद छानबीन में सामने आया कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अब महिलाओं को फिदायीन (आत्मघाती हमलावर) के रूप में ट्रेंड कर रहे हैं। माना जाता है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद इन संगठनों ने साजिश की नई व्यूहरचना बनाई है। अब पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी आतंक के इस घिनौने कृत्य में सूत्रधार बन रही हैं। बीते दिनों मीडिया से एक ऐसा वीडियो सामने आया, जिसमें पाकिस्तान के सियालकोट स्थित लश्कर-ए-तैयबा ट्रेनिंग सेंटर में कथित तौर पर पाकिस्तानी सेना और पुलिस के कुछ अधिकारी आतंकियों के साथ मिलकर नई खेप को ट्रेनिंग देते दिखे। उस वीडियो में कई महिलाओं को जिहादी विचारधारा से ब्रेनवॉश कर उन्हें हथियारों का प्रशिक्षण देते देखा जा सकता है। पता चला कि इन कैंपों में भारत और यहां के नेतृत्व को दुश्मन करार देकर जहर भरा जा रहा है।

एक बड़ी हकीकत यह भी है कि डिजिटल दुनिया में मजहबी कट्टरता से जुड़े नापाक संदेश पहुंचाना आसान हो गया है। इस्लाम के नाम पर गुमराह करने वाली मुहिम अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर है। जैश-ए-मोहम्मद ने तो महिलाओं को ध्यान में रखते हुए ही नया कोर्स लांच किया है। इस कोर्स में दाखिला लेने की फीस भी तय है। मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक, इस कोर्स की संचालक आतंकी सरगना मसूद अजहर की बहनें और उमर फारूक की पत्नी है। जैश-ए-मोहम्मद की महिलाओं की भर्ती के लिए एक अलग विंग ऐसी भी है, जो फंड रेज करने के साथ युवतियों को ऑनलाइन जिहाद को ट्रेंड कर रही है। कुलमिलाकर देश-दुनिया के अमन-चैन पसंद देशों को एक-दूसरे के साथ आतंकवाद के खिलाफ सभी निजी स्वार्थों को त्याग एक होना होगा। फिजिकल और डिजिटल दोनों फील्ड पर संयुक्त टीम बनाकर ज्यादा सक्रियता से काम करना होगा। एक खास बात और हर सरकारी व प्राइवेट प्लेटफार्म चाहे वह छोटी सी दुकान ही क्यों न हो ऐसी व्यवस्था लागू करनी होगी कि लंबी छुट्टी पर जाने वाले की सूचना या उसका संदिग्ध व्यवहार अपडेट हो, जो सरकारी सुरक्षातंत्र तक भी पहुंचे।

ऐसा स्कूल स्तर से ही लागू कर दिया जाना चाहिए। स्कूल स्तर से ही आतंकवाद का चेहरा पहचाने की ट्रेनिंग भी देनी होगी कि कहीं बच्चे मोबाइल गेम खेलते-खेलते ही इसका शिकार न बनें।

> इसी बीच आतंकवाद की नई सूरत अब महिलाओं के रूप में भी सामने आई है। ताजा घटनाओं के बाद छानबीन में सामने आया कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अब महिलाओं को फिदायीन के रूप में ट्रेंड कर रहे हैं।

आमने

कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंजी। सरकार का वादा था जम्मू-कश्मीर सुरक्षित होगा, जबकि अब दिल्ली ही खतरे में आ गई। हिंदुस्तान व जम्मू के लोग बड़े संजीदा हैं और ये देश कुर्बानियों से बना हुआ है। हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके वोट तो मिल सकते हैं, लेकिन देश किस दिशा में जा रहा है।

– **महबूबा मुफ्ती**, पीडीपी प्रमुख

सामने

पहले महबूबा मुफ्ती खुद देखें, वह कहां है? 2019 में बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है, तो कभी बेतुके बयान देती हैं। पीडीपी चीफ बताएं कि हालात यहां बेहतर कब थे? महबूबा मुफ्ती आज दुविधा में है, वो साफ ही नहीं कर पा रही है कि उन्हें जम्मू कश्मीर में कौन सी लकीर खींचनी है।

-**सुरेंद्र चौधरी**
उप-मुख्यमंत्री, जम्मू-कश्मीर

ब्राजील जलवायु सम्मेलन के लिए पेड़ों पर कुल्हाड़ी

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ लेखक

ब्राजील के नगर बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-30 चल रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय उष्णकटिबंधीय वनों को बचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परंतु यहां विरोधाभासी दृष्टिकोण देखने में आया, जो इस सम्मेलन की उपलब्धियों के पाखंड को प्रस्तुत करने वाला है।

ब्राजील के जिस पारा प्रांत में बेलेम नगर स्थित है, वहां रोजाना 50 हजार पेड़ों पर निर्ममता से कुल्हाड़ी चलाई जा रही हैं। जलवायु सम्मेलन के बहाने अमेजन के वर्षावन के करीब एक लाख पेड़ों को काटे जाने का सिलसिला चल रहा है। बेलेम क्षेत्र में काटे जा रहे इन पेड़ों की सबसे ज्यादा खपत अमेरिका और यूरोप में होती है। बेलेम के इन वनों को 'दुनिया के फेफड़े' कहा जाता है। ये जंगल कार्बनडाइऑक्साइड को साफ कर सर्वाधिक ऑक्सीजन दुनिया की मानव आबादी को देते हैं। 8 मील के क्षेत्र में इन पेड़ों को इसलिए काटा गया है, जिससे सम्मेलन में उपस्थित होने वाले 50,000 नेता, पर्यावरणविद एवं जलवायु कार्यकर्ताओं को लाने-ले जाने की सुविधा मिल सके। यानी जो लोग जलवायु संरक्षण के उपायों पर वार्तालाप हेतु एकत्रित हो रहे हैं, उनके लिए पेड़ काटकर ही सुविधाजनक मार्ग बनाया गया है। ऐसे में विचारणीय बिंदू है कि वे लोग जलवायु बदलाव पर अंकुश के उपायों पर क्या बात करेंगे, जो खुद ही जंगल के विनाश का पर्याय बन रहे हैं।

इस सिलसिले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ठीक ही कहा है कि "पर्यावारणवादियों के लिए अमेजन के जंगल को उजाड़ दिया, यह बहुत बड़ा घोटाला है।" किंतु यहां भी विरोधाभास है कि इस घोटाले के लिए जो पेड़ काटे गए हैं, उनका अमेरिका भी बड़ा खरीददार है। पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका हुआ है। गोया पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है, तो मनुष्य का सुखद जीवन भी संभव नहीं रह जाएगा। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में 46 प्रतिशत की कमी आई है। पेड़ों की गिनती के अब तक के सबसे समग्र वैश्विक अभियान में दुनियाभर के वैज्ञानिक समूहों ने यह निष्कर्ष निकाला है।

इस अध्ययन का आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं। यानी मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति 422 पेड़ हैं। हालांकि यह आंकड़ा पूर्व में आकलित अनुमानों से साढ़े सात गुना ज्यादा बताया गया है। दरअसल पूर्व के वैश्विक आकलनों ने तय किया था कि दुनियाभर में महज 400 अरब पेड़ लहरा रहे हैं। मसलन प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या 61 है। यह आकलन व्यक्ति आधारित था, इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर संदेह था। पेड़ों की यह गिनती उपग्रह द्वारा ली गई छवियों के माध्यम से की गई थी। इस गणना को तकनीक की भाषा में 'सेटेलाइट इमेजरी' कहते हैं। इस तकनीक से पूरा सर्वे वन-प्रांतरों में लिया गया है। इसमें जमीनी स्तर पर कोई आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं।

इस अध्ययन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिष्ठित जनरल 'नेचर' में छपी है। रिपोर्ट के मुताबिक पेड़ों की उच्च सघनता रूस, स्कैंडीनेशिया और उत्तरी अमेरिका के उप आर्कटिक क्षेत्रों में पाई गई है। इन घने वनों में दुनिया के 24 फीसदी पेड़ हैं। पृथ्वी पर विद्यमान 43 प्रतिशत, यानी करीब 1.4 लाख करोड़ पेड़ उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय वनों में हैं। इन वनों का चिंताजनक पहलू यह भी है कि वनों या पेड़ों की घटती दर भी इन्हीं जंगलों में सबसे ज्यादा है। 22 फीसदी पेड़ शीतोष्ण क्षेत्रों में हैं। इस अध्ययन की प्रामाणिकता इसलिए असंदिग्ध है, क्योंकि इस सामूहिक अध्ययन को बेहद गंभीरता से किया गया है। इस हेतु 15 देशों के वैज्ञानिक समूह बने। ऐसे समय जब दुनियाभर के पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक जलवायु संकट के दिनों-दिन और गहराते जाने की चेतावनी दे रहे हैं।

विकास के नाम पर जंगलों के सफाए में तेजी भूमंडलीय आर्थिक उदारवाद के बाद आई है। पिछले 15 साल में ब्राजील में 17 हजार, म्यांमार में 8, इंडोनेशिया में 12, मेक्सिको में 7, कोलंबिया में 6.5, जैरे में 4 और भारत में 4 हजार प्रति वर्ग किलोमीटर के हिसाब से वनों का विनाश हो रहा है। यानी एक साल में 170 लाख हेक्टेयर की गति से वन लुप्त हो रहे हैं। यदि वनों के विनाश की यही रफ्तार रही, तो जंगलों को 4 से 8 प्रतिशत क्षेत्र, सन् 2030 तक विलुप्त हो जाएंगे। 2040 तक 17 से 35 प्रतिषत सघन वन मिट जाएंगे। इस समय तक इतनी विकराल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी कि 20 से 75 की संख्या में दुर्लभ पेड़ों की प्रजातियां प्रति दिन नष्ट होने लग जाएंगी। नतीजतन आगामी 15 सालों में 15 प्रतिशत वृक्षों की प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। इनकी विलुप्ति का असर फसलों पर भी पड़ेगा।

वृक्षों का संरक्षण इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि वृक्ष जीव-जगत के लिए जीवन तत्वों का सृजन करते हैं। वायु व प्रदूषण, भू-क्षरण न हो, पेड़ों की अधिकता से ही संभव है। वर्षा चक्र की नियमित निरंतरता पेड़ों पर ही निर्भर है। वृक्षों की इन्हीं मूल्यवान उपयोगिताओं को ध्यान में रखकार हमारे ऋषि-मुनियों ने इन्हें देव तुल्य माना और इनके महत्व को पूजा से जोड़कर संरक्षण के अनूठे व दीर्घकालिक उपाय किए। इसलिए भारतीय जनजीवन का प्रकृति से गहरा आत्मीय संबंध है, लेकिन आधुनिक विकास और पैसा कमाने की होड़ ने संरक्षण के इन कीमती उपायों का लगभग ठुकरा दिया है।

> इन पेड़ों को इसलिए काटा गया है, जिससे सम्मेलन में उपस्थित होने वाले लोगों के लाने-ले जाने की सुविधा मिल सके। यानी जो लोग जलवायु संरक्षण के उपायों पर वार्तालाप हेतु एकत्रित हो रहे हैं, उनके लिए पेड़ काटकर ही सुविधाजनक मार्ग बनाया गया है।

सोशल फोरम

चार पहाड़ रस्सी

लंदन में एक नायाब करिश्मा हुआ है। ब्रिटिश कलाकार डेविड श्रिगली ने लाखों पाउंड की रस्सी टांगकर कला का स्तर और बाजार का धैर्य दोनों नाप दिया है। स्टीफन फ्राइडमैन गैलरी में उनकी पुरानी रस्सी की प्रदर्शनी खुली है और रस्सियां भी कोई मामूली नहीं, पूरे चार पहाड़। कीमत? बस एक मिलियन पाउंड यानी करीब 10 करोड़ रुपये। श्रिगली का कहना है कि वजन के हिसाब से तो यह बड़ा किफायती सौदा है। दस टन रस्सी, एक मिलियन पाउंड में। अब तो लगता है कि स्थानीय कबाड़ी वाले को भी अंतर्राष्ट्रीय समकालीन कला का कोर्स करना पड़ेगा, वरना कहीं लोहे-लक्कड़ के साथ गलती से किसी कलाकार का कोई मास्टरपीस ही न तौल दे। गैलरी की खिड़की पर नारंगी रंग की चमकीली पट्टी लगी है, जो ऊपर से हस्ताक्षर जैसी दिखती है और नीचे से यह एहसास दिलाती है कि गैलरी वालों ने शायद बजट का बड़ा हिस्सा रस्सी पर खर्च कर दिया, इसलिए नाम के लिए एलईडी स्ट्रिप ही बची।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

स्टीफन फ्राइडमैन, गैलरी के मालिक, इस रस्सी को किसी प्राइवेट कलेक्शन या संस्था में भेजने की इच्छा रखते हैं। कल्पना कीजिए, किसी फाउंडेशन की भव्य लॉबी में मेहमान आते ही देखते हैं-चार पहाड़ रस्सी। साथ में बोर्डः "कृपया छुएं नहीं, यह कला है।" लोग समझ ही नहीं पाएंगे कि यह चेतावनी रस्सी के लिए है या कला बाजार के लिए। वैसे कला बाजार में ऐसे चमत्कार अब आम हो चले हैं। पिछले साल तो मौरिजियो काटेलान का एक केला, जिसे डक्ट टेप से चिपकाया गया था, 6.2 मिलियन डॉलर में बिक गया। 2024 में समकालीन कला का कारोबार करीब 65 बिलियन डॉलर का रहा और कहा जा रहा है कि बाजार गिर रहा है। हालांकि गिर रहा है या कला खरीदारों की आंखें खुल रही हैं, यह अभी शोध का विषय है। श्रिगली ने यह रस्सियां अलग-अलग द्वीपों, बंदरगाहों, पवन चक्कियों और ब्रिटेन के किनारे से इकट्ठा की हैं। समुद्र में हर साल करीब 6.4 लाख टन पुरानी जाल और रस्सियां फेंकी जाती हैं। श्रिगली ने उनको साफ कर के कला बना दिया। यानी दूसरे लोग समुद्र प्रदूषित करें और कलाकार उनकी सफाई को भी कला कहकर करोड़ों कमा लें। यह है असली सर्कुलर इकोनॉमी, लेकिन श्रिगली का कमाल यही है। वे रस्सी को रस्सी नहीं, सवाल बना देते हैं। कला क्या है? कीमत क्या है? और खरीददार कौन है? यह सब सोचने के लिए उन्हीं की रस्सी में उलझना पड़ता है। फर्क बस इतना है कि इस रस्सी को काटने के लिए आपका दिमाग चाहिए, चाकू नहीं। ***-फेसबुक वॉल से***

सामयिकी

बिहार की जीत से एनडीए का बढ़ा मनोबल

बिहार के चुनाव नतीजे जिस तरह सामने आए हैं, कहना गलत नहीं होगा कि बीजेपी का अगला कदम पश्चिम बंगाल से ममता सरकार को हराना रहेगा। निश्चित तौर पर बीजेपी का मनोबल कई गुना बढ़ चुका है, जिसके पीछे पार्टी के कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा है। आरजेडी या यूं कहें तो बिहार में महागठबंधन की ऐसी करारी हार की कल्पना किसी ने नहीं की होगी। इस बार के बिहार चुनाव में एनडीए तो उत्साहित थी ही, लेकिन महागठबंधन का उत्साह भी कम देखने को नहीं मिला था। महागठबंधन की बात करें, तो इस बार 66.91 प्रतिशत मतदान, जो 1951 के बाद का राज्य में दर्ज किया गया सबसे ज्यादा मतदान था, बदलाव की ओर जाता दिखाई दे रहा था। वहीं यह प्रतिशत एनडीए को अपने पक्ष में जाता दिखाई दे रहा था या यूं कहें तो नीतीश कुमार के साथ जाता दिखाई दे रहा था। वहीं एक दृष्टिकोण यह भी था कि इस बार महिलाओं का समर्थन शुरू से ही एनडीए के पक्ष में रहेगा और महिला मतदाता का 71.6 प्रतिशत मतदान एनडीए के आत्मविश्वास को बढ़ावा देता नजर आ रहा था।

शिवालिक अवस्थी
स्तंभकार

बहरहाल इस बार मतदाताओं का रुझान एनडीए के पक्ष में रहा जिस कारण एनडीए 202 सीटें जीतने में कामयाब रही। अब बीजेपी वाली एनडीए बिहार में सरकार बना चुकी है और नीतीश कुमार फिर से बिहार के सीएम नजर आएंगे। नीतीश कुमार की सरकार चलाने की आगे क्या रणनीति रहती है इस पर सभी की नजरें टिकी हैं। वहीं दूसरी ओर किसी समय राजनीति की अच्छी-खासी जानकारी रखने वाले प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज बिहार में अपना खाता तक खोलने में असमर्थ रही है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में प्रशांत किशोर ने साफ कहा था कि इस बार नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। बिहार चुनाव नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय पहुंचकर एनडीए के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई दी एवं बिहार की जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने विकसित और समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है। वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने प्रचंड जीत के तुरंत बाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के सिंह ने नीतीश सरकार पर अत्यंत गंभीर आरोप लगाए थे, उन्होंने एनडीए नेतृत्व पर भी सवाल खड़े किए थे। यहां आपको बताते चलें कि आर.के सिंह एनडीए कैबिनेट में केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं।

खैर! अब बात करें विपक्ष की तो विपक्ष ने बिहार चुनावों में हेरा-फेरी से चुनाव जीतने के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने बिहार में एनडीए की बड़ी जीत पर आरोप लगाते हुए कहा है कि दाल में जरूर कुछ काला है। वहीं केरल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 202 सीटों में से 128 सीटों पर एनडीए केवल एसआईआर आधारित विलोपन के कारण जीती हैं, उन्होंने पूरी तरह से मतदाता सूची संशोधन को इसका जिम्मेदार ठहराया है। यहां आपको बताते चलें, तो एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रयास यही रहता है कि मतदाता सूची में कोई भी पात्र व्यक्ति छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न होने पाए। सीधे तौर पर देखें तो विपक्ष ने वोट चोरी का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। विपक्ष के वोट चोरी का आरोप कब तक चलता है और विपक्ष इसके लिए क्या नए कदम उठाता है यह देखना भी दिलचस्प होगा। फिलहाल तो एनडीए अपनी नई सरकार के साथ आगामी रणनीति बनाने में मशगूल है और अब एनडीए की नजरें आने वाले पश्चिम बंगाल के चुनावों पर टिकी हैं। 294 सीटों वाले पश्चिम बंगाल राज्य में अगले वर्ष चुनाव होना संभव है, जिसके लिए एनडीए अथवा बीजेपी ने अभी से कमर कसना शूरी कर दी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

सियाराम किला झुनकी घाट मंदिर का मुख्य द्वारा।

जिस रूप में चाहेंगे यहां मिलेंगे राम

अयोध्या की धरती ऐसी है, जहां आप जिस रूप में चाहेंगे राम मिलेंगे। श्रीराम एक हैं, लेकिन रंग में काले, सांवले और गोरे राम भी मिलेंगे। राम की आराधना की परंपरा भी यहां अनेक है। एक सामान्य मानव से जुड़े, जितने रिश्ते होते हैं। अपनी जन्मभूमि में वह उन सभी मानवीय रिश्तों का निर्वाह करते महसूस किए जा सकते हैं। उसी भाव से उनकी आराधना कर भक्त अपना अभीष्ट भी प्राप्त कर लेते हैं। लंबे संघर्ष के बाद श्रीराम की जन्मभूमि का स्थान नियत हुआ। यहां मंदिर में बाल रूप रामलला प्रतिष्ठित हुए। दर्शन के लिए देश से विदेश तक के श्रद्धालु उमड़े। राम मंदिर में सांवले राम हैं। यह तो अयोध्या की पहचान है।

– राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या।

सद्गुरु सेवा सदन मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार और गर्भगृह में स्थापित विग्रह

राम की पूजा पूरे विश्व में होती है। वह सर्वव्यापी हैं, लेकिन परंपरा की दृष्टि से अयोध्या कुछ अलग है। भक्त, भगवान के वश में होते हैं। यह भी यहां चरितार्थ होता है। सद्गुरु सदन में गुरु का चित्र श्रीराम के विग्रह के ऊपर रखकर अर्चन किया जाता है। यहां राम की पूजा शिष्य भाव से की जाती है। अयोध्या में वह सभी मानवीय रिश्तों में हर समय मौजूद रहते हैं। रिश्तों को आधार मानकर की गई आराधना को स्वीकार करते हैं। बिअहुति भवन, लक्ष्मण किला जैसे मंदिर में दूल्हे के रूप में उनकी आराधना की जाती है। सियाराम किला मंदिर में राम सखाभाव से पूजे जाते हैं। यहां संत माता सीता को अपनी सखी मानते हैं। वह महिला का श्रृंगार करते हैं। राम की जीजा के रूप में आराधना करते हैं। इन मंदिरों से सिद्ध साधको की लंबी जमात रही है। कनक भवन जैसे मंदिर में बाल और युगल सरकार के रूप में पूजा होती है।

काले, गोरे और सांवले राम

परंपरा की दृष्टि से अयोध्या छोटा विश्व है। यहां महाराष्ट्रीयन पद्धति का कालेराम मंदिर है, जहां राम का विग्रह काले रंग का है। सरयू तट के करीब गोरे राम का मंदिर भी है, जहां राम की मूर्ति गोरे रंग की है। निर्माणाधीन राम मंदिर में सांवले राम के साथ अब ऊपरी मंजिल पर राजा राम का दरबार सज गया है। अयोध्या के ऐसे बहुत से मंदिर हैं, जहां राजा राम के दरबार की स्थापना है।

सरयू के साथ राम की पहचान

नेत्रजा, वाशिष्ठी जैसे नामों से पुकारी जाने वाली पावन सलिला माता सरयू की पहचान राम के साथ है। भक्त और श्रद्धालु मानते हैं कि बालक के रूप में राम सरयू के तट पर खेले, स्नान किया। कहते हैं भगवान राम, सरयू को मां की तरह मानते थे। इसलिए अयोध्या आने के बाद सरयू का स्नान, दर्शन, पूजन संत और श्रद्धालु पहले करते हैं।

500 साल बाद अयोध्या

यूं तो अयोध्या को पहचान की न कभी जरूरत थी और न होगी। यह सृष्टि की आदि नगरी है, लेकिन लगभग 500 साल के संघर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने के बाद नए परिवेश में अयोध्या को नई पहचान जरूर मिली। इन दिनों राम मंदिर अयोध्या का आकर्षण है, लेकिन इसके साथ अयोध्या की यात्रा करें, तो यहां के अन्य मंदिरों के साथ पौराणिक स्थलों तक पहुंचेंगे तो आनंद कुछ ज्यादा मिलेगा।

सियाराम किला मंदिर में विराजमान भगवान का स्वरूप

विभूति भवन मंदिर में विराजमान विग्रह

कालेराम मंदिर का विग्रह

गोरे राम मंदिर का विग्रह

बोध कथा

अंतर्मन का दीपक

नदी के किनारे बसे सुंदर से एक गांव में लोग अपनी सरलता और परिश्रम के लिए जाने जाते थे। इसी गांव में एक बालिका रहती थी, जिसका नाम रिया था। यूं तो रिया बहुत ही बुद्धिमान, विनम्र और मेहनती थी, किंतु उसमें एक कमी थी। वह प्रत्येक कार्य दूसरों की प्रशंसा पाने के उद्देश्य से करती थी। यदि काम की सराहना होती, तभी वह प्रसन्न रहती। वहीं यदि कोई उसके कार्य पर ध्यान न देता, तो उसका मन निराश हो जाता। एक दिन उसके विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी की घोषणा हुई। प्रधानाचार्य ने बच्चों को अपने-अपने प्रोजेक्ट तैयार करने को कहा। रिया ने खूब मेहनत करके एक सुंदर जल-चक्र मॉडल बनाया। उसने सोचा, "इस बार तो मेरी खूब प्रशंसा होगी।" प्रदर्शनी के दिन उसने अपना मॉडल सजाकर रखा, लेकिन लोगों की भीड़ उसे अनदेखा करते हुए एक अन्य बच्चे के विज्ञान प्रयोग के पास जा रही थी। रिया का मॉडल एक कोने में जस का तस पड़ा था। वह उदास हो गई, उसकी आंखों में आंसू आ गए। उसे लगा कि उसकी सारी मेहनत व्यर्थ गई। वह सर झुकाकर बैठी थी कि अचानक उसके पास गांव के सबसे वृद्ध व्यक्ति रामू बाबा आए, जो अपने ज्ञान और अनुभव के लिए जाने जाते थे। उन्होंने रिया से पूछा, "बेटी, रो क्यों रही हो?" रिया ने सिसकते हुए कहा, "बाबा, मैंने इतना सुंदर मॉडल बनाया, लेकिन इसे किसी ने देखा तक नहीं। ऐसी मेहनत का क्या लाभ, यदि लोग उसकी प्रशंसा ही न करें?" बाबा मुस्कुराए और बोले, "आओ, मेरे साथ चलो।" वे उसे पास बने एक कुएं के पास ले गए। वहां उन्होंने दीपक जलाया और कहा, "बेटी, यह दीपक देखो। क्या यह इसलिए जल रहा है कि कोई इसकी प्रशंसा करे? नहीं, यह इसलिए जल रहा है, क्योंकि इसका स्वभाव ही प्रकाश देना है। चाहे कोई इसे देखे या न देखे, यह हमेशा अपना कर्तव्य निभाता रहता है।"

रिया बड़े ध्यान से दीपक को देखने लगी। बाबा बोले, "ठीक इसी प्रकार मनुष्य का कर्तव्य है-अपने कार्य में पूर्णता और सत्यता लाना। यदि हम प्रत्येक कार्य केवल प्रशंसा के लिए करें, तो हमारा मन बाहर के संसार पर निर्भर हो जाएगा, लेकिन यदि हम अपने भीतर के संतोष के लिए काम करें अर्थात अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तो हमारी मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाएगी।" उन्होंने रिया के मॉडल को ध्यान से देखा और कहा, "यह बहुत सुंदर और उपयोगी है, लेकिन वास्तविक मूल्य तुम्हारी मेहनत और सीखने की इच्छा में है, न कि दूसरों की तालियों में।"

रिया के अंधेरे मन में मानो किसी ने ज्ञान का दीप जला दिया था। वह समझ चुकी थी कि सच्चा आनंद अपने प्रयासों में निष्ठा और तत्परता से आता है, न कि बाहरी प्रशंसा से। वह मुस्कुराकर बोली, "अब मैं हर काम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए करूंगी, न कि लोगों को दिखाने और उनकी प्रशंसा पाने के लिए।" प्रदर्शनी समाप्त होने के बाद जब विद्यालय के शिक्षकों ने सभी मॉडलों का मूल्यांकन किया, तो उन्होंने पाया कि रिया का मॉडल ही सबसे सटीक और सुंदर बना था। परिणामस्वरूप उसे प्रथम पुरस्कार मिला। किंतु इस बार रिया की खुशी का कारण पुरस्कार नहीं था, बल्कि यह कि उसने अंतर्मन के दीपक को प्रज्वलित करना सीख लिया था।

–शिशिर शुक्ला, शाहजहांपुर

पौराणिक कथा

कृष्ण की गुरु दक्षिणा

कंस वध के बाद जब मथुरा में शांति लौट आई, तब वसुदेव और देवकी ने निश्चय किया कि अब कृष्ण के औपचारिक शिक्षा-दीक्षा का समय आ गया है। इसी उद्देश्य से वे उन्हें अवंतिका नगरी (आज का उज्जैन) स्थित महान ऋषि सांदीपनि के गुरुकुल में भेजते हैं। वहां कृष्ण और बलराम ने वेद-शास्त्र, राजनीति, युद्धकला और विविध विद्याओं में अल्प समय में अद्भुत प्रगति की। गुरु सांदीपनि इस दिव्य प्रतिभा को देखकर अत्यंत प्रसन्न थे। शिक्षा पूर्ण होने पर कृष्ण ने विनम्रता से गुरु दक्षिणा की बात की। ऋषि सांदीपनि ने सहज ही कहा-"वत्स, तुमसे क्या मांगूं? ऐसा कुछ नहीं जो तुम दे न सको।" पर कृष्ण ने आग्रह किया- "गुरुदेव, दक्षिणा के बिना विद्या अपूर्ण रहती है। कृपया कुछ भी बताइए।"

कुछ क्षण मौन रहने के बाद ऋषि सांदीपनि ने कहा-"शंखासुर नाम का एक दैत्य मेरे पुत्र को उठा ले गया था। यदि तुम मेरी दक्षिणा देना चाहते हो, तो मेरे पुत्र को वापस ले आओ।" कृष्ण ने तुरंत इसे स्वीकार किया और बलराम के साथ खोज यात्रा पर निकल पड़े।

दोनों भाई सागर तट तक पहुंचे। समुद्र से पूछने पर उसने बताया कि पंचज जाति का शंखासुर, शंख का रूप धारण कर समुद्र की गहराइयों में छिपा है। संभवतः उसी ने गुरु-पुत्र को ग्रस लिया होगा। कृष्ण समुद्र में उतरे और भयंकर युद्ध के बाद शंखासुर का वध कर दिया। उसके पेट में उन्होंने गुरु-पुत्र की खोज की, परंतु वह वहां नहीं

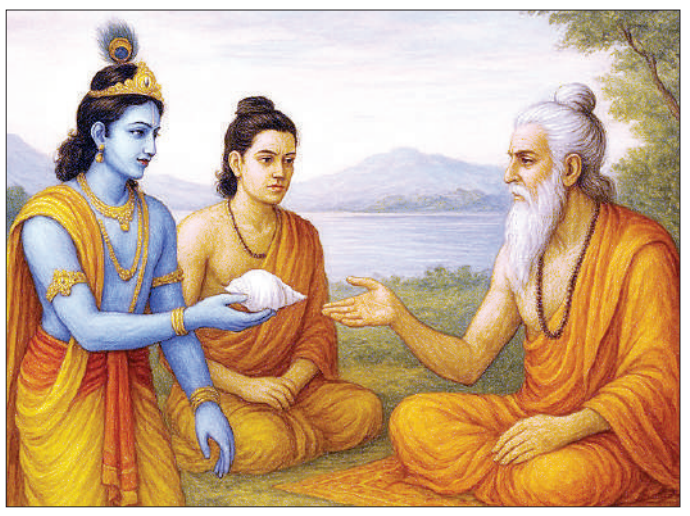

मिला। कृष्ण खोजते हुए यमलोक पहुंचे। यमराज ने भगवान की प्रार्थना स्वीकार की और सांदीपनि के पुत्र को जीवित कर कृष्ण को सौंप दिया। कृष्ण उसे लेकर गुरु के पास लौटे। गुरुकुल में अपने पुत्र को देखकर ऋषि सांदीपनि भाव-विभोर हो उठे। उन्होंने कृष्ण की भक्ति और दायित्वबोध की महिमा का गुणगान किया और यही माना कि इससे बढ़कर गुरु-दक्षिणा कोई हो ही नहीं सकती। इस प्रकार कृष्ण ने न सिर्फ अपने गुरु का ऋण चुकाया, बल्कि यह बताया कि विद्या तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक उसमें गुरु-सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का तत्व न हो। **– फीचर डेस्क**

सप्ताह के प्रमुख व्रत

20 नवंबर-मार्गशीष अमावस्या

सनातन धर्म में मार्गशीर्ष महीने को बेहद पवित्र माना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता में कहा है कि 'मासानां मार्गशीर्षोऽहम्' यानी 'महीनों में मैं मार्गशीर्ष हूं।' इस माह में आने वाली अमावस्या का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। मार्गशीर्ष अमावस्या को पितरों के तर्पण और भगवान विष्णु की पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस दिन शाम में पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का एक दीपक जलाएं। इससे पितृ दोष शांत होता है। मान्यता है कि पीपल में सभी देवी-देवताओं और पितरों का वास होता है। ऐसा करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही जीवन का अंधकार दूर होता है।

कोउ कह संकर चाप कठोरा...

विश्व के सर्वाधिक देशों की विभिन्न भाषाओं में रामकथा के विभिन्न प्रसंग अद्भुत संवाद योजना और अभिनय की दृष्टि से एकाधिक रूप में मिलते हैं, उन समस्त प्रसंगों में श्री जानकी-रामविवाह सर्वाधिक आनंदप्रद और सम्मोहनकारी है। कविकुल-शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी की भक्ति की पृष्ठभूमि दास्य भावना पर आधारित है। वे विनयभाव से रामकथा के अप्रतिम प्रस्तोता हैं, परंतु इस प्रसंग का उल्लेख वे बड़े नेहपगे मन से करते हैं। रस प्रधानता की दृष्टि से रामचरितमानस भक्ति रस प्रधान ग्रंथ है। कवि की प्रत्येक चौपाई में शील और सम्मान तथा भक्तिभावना की व्याप्ति है।

मानस के बालकांड में श्रीरामजानकी के विवाह में विदेहराज जनक जी द्वारा आयोजित सीता-स्वयंवर में दशरथनंदन राजकुमार द्वय- राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र के साथ रंगभूमि में आकर्षण के केंद्र बिंदु हैं। गोस्वामी जी बालकांड में जनकपुर नगर, हाट, भवन तथा वीथियों सहित निवासियों की प्रशंसा प्रमुखता से करते हैं-

चारु बजारु बिचित्र अंबारी। मनिमय बिधि जनु स्वकर संवारी।।
पुर नर नारि सुभग सुचि संता। धरमसील ग्यानी गुनवंता।।
अति अनूप जहं निवासू। विथकहिं बिबुध बिलोकि बिलासू।।

ऋषि विश्वामित्र के जनकराज से मिलने पर दोनों भाईओं का परिचय कराते हुए बताते हैं कि ये दोनों बालक सामान्य बालक नहीं हैं। इनकी स्तुति तो ब्रह्मा जी भी गाते हैं। परम पौरुषवान होने के फलस्वरूप मैंने यज्ञ की रक्षा हेतु दोनों बालकों को अयोध्या नरेश दशरथ से मांगा है। यह दोनों चक्रवर्ती दशरथ जी की संतान हैं। उनका परिचय यज्ञभूमि तक सीमित नहीं रह जाता। दोनों भाईयों को जनकपुर नगर भ्रमण करते देख स्त्रियां परस्पर बातें करती हैं कि राजा दशरथ और कौशल्या के यह दोनों पुत्र मानो हंसों का जोड़ा है। मेरा मन तो यही कहता है कि फूल जैसी सुकुमारी सीता के लिए इन्हें वर रूप में वरण हेतु विधाता ने यहां भेजा है। यह संयोग अद्भुत ही नहीं मंगलकारी भी है। वहीं दूसरी सखी कोउ कह संकर चाप कठोरा, ए स्यामल मृदु गात किसोरा कहकर संदेह व्यक्त करती

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

है, लेकिन तीसरी स्त्री संदेह दूर करते हुए कहती है कि इनके जैसा कोई और नहीं है। ये देखने में छोटे हैं, परंतु इनका प्रताप असीम है। शील-गुण-धाम श्रीराम जी अनुज लक्ष्मण को लेकर पुष्पवाटिका में उपस्थित हैं तभी गिरिजापूजन के लिए सीता सखियों सहित प्रवेश करती हैं। दोनों एक-दूसरे को देखते हैं, मिथिलेश नंदिनी रूप-अनूप देखकर थोड़ी मुदित, थोड़े संकोच में पड़ जाती हैं। आमंत्रित राजा-महाराजाओं के अलावा भी सीता स्वयंवर देखने के लिए रंगभूमि में किन्नर, यक्ष, गंधर्व, नाग सहित तीनों लोकों के महिपाल भिन्न-भिन्न रुपों में उपस्थित थे। सीता के हाथों वरमाला पहनने की उत्कंठा भला कौन गंवाना चाहेगा। शुभ मुहुर्त में सयानी सखियों के संग सीता स्वयंवर स्थल की ओर चल पड़ीं। देवताओं ने फूल बरसाए, अप्सराएं नृत्यमग्न हो गईं। सीता तिरछे नैन से राम की ओर देखकर आगे बढ़ती हैं, उनकी इस भंगिमा में पुकार, सत्कार भी और प्रथम-दर्शन का अनुराग भी एक साथ अंतर्निहित था। यह प्रेमपगा अद्भुत प्रसंग रामचरितमानस सहित समस्त रामकथा की अनूठी निधि है। साक्षात जगत जननी जगदंबा को भार्यारूप में प्राप्त करने की दिग्गज महीपालों में होड़ है, परंतु धनुष को भंग करना तो दूर उसे लेशमात्र वे समस्त स्वनामधन्य राजागण हिला तक नहीं पाए। वस्तुतः उनकी अभिलाषा वासनाजनित और उत्कंठा में अहंकार-पोषित थी। विभिन्न राजा-महाराजाओं को लंबी-लंबी डींगें मारने और लज्जित होकर वापस अपने स्थान पर बैठने के पश्चात विश्वामित्र ने राजा जनक की निराशा दूर करते हुए रामजी को आदेश दिया। वे अत्यंत सहज भाव से शिव के धनुष को तिनके के समान उठाकर खंडित कर देते हैं। धनुष खंडन के पूर्व और पश्चात सम-भावी श्रीराम गुरु विश्वामित्र को प्रणाम करते हैं। सीता के आनंद का कोई ओर-छोर नहीं। वे प्रेम-विवश हो गईं। जनक जी ने अयोध्या संदेश भेजा। राजा दशरथ अनुरोध स्वीकारते हुए बारात लेकर जनकपुर पहुंचते हैं। राम सहित तीनों भाइयों के एक ही मंडप के विभिन्न कोबहरों में विवाह तीनों लोक के देवी-देवताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,950.95	26,013.45
बढ़त	388.17	103.40
प्रतिशत में	0.46	0.40

सोना 1,29,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,800 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

प्लैटिनम आभूषणों के आयात पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। सरकार ने कुछ प्रकार के प्लैटिनम आभूषणों के आयात पर अगले साल अप्रैल तक प्रतिबंध लगाने की सोमवार को घोषणा की। सरकार ने सितंबर में कुछ चांदी के आभूषणों के आयात पर अगले साल 31 मार्च तक प्रतिबंध लगाया था। इस कदम का उद्देश्य थाईलैंड से बिना जड़ाऊ आभूषणों के नाम पर चांदी के आयात पर अंकुश लगाना था। भारत का आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ) के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। थाईलैंड इस 10 राष्ट्र समूह का सदस्य है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि प्लैटिनम आभूषणों की आयात नीति के तहत रोक लगाया गया है।

मास्टर कैपिटल जल्द उतरेगा एमएफ में

नई दिल्ली। मास्टर कैपिटल सर्विसेज को म्यूचुअल फंड (एमएफ) कारोबार में उतरने के लिए सेबी से मंजूरी मिल गई है। इस अनुमोदन से कंपनी को एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) स्थापित करने और म्यूचुअल फंड योजनाएं शुरू करने के लिए अतिरिक्त विनियामक कदम उठाने की अनुमति मिल गई है, बशर्ते कि वह सेबी की अंतिम पंजीकरण जरुरतों को पूरा करे। मास्टर ट्रस्ट की अनुषंगी कंपनी मास्टर कैपिटल सर्विसेज ने इसकी जानकारी दी।

पावर ग्रिड बॉण्ड से जुटाएगी 3,800 करोड़

नई दिल्ली। पावर ग्रिड की निदेशकों की समिति ने उसे निजी नियोजन के आधार पर बॉण्ड जारी कर 3,800 करोड़ तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि आधार निर्गम आकार 1,000 करोड़ होगा। इसमें 2,800 करोड़ का ग्रीन शू विकल्प भी होगा। दस समान वार्षिक किस्तों में विमोच्य इन बॉण्ड पर ब्याज का भुगतान सालाना आधार पर होगा।

किंग्स इन्फ्रा ने आंध्र प्रदेश से किया समझौता

नई दिल्ली। किंग्स इंफ्रा वेंचर्स लिमिटेड ने श्रीकाकुलम के निकट 2,500 करोड़ की लागत से जलीय कृषि प्रौद्योगिकी पार्क विकसित करने के वास्ते आंध्र प्रदेश सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने की सोमवार को घोषणा की। किंग्स इन्फ्रा ने कहा कि 500 एकड़ में फैला पार्क पहला एआई-संचालित जलीय कृषि पार्क होगा जो प्रौद्योगिकी-सक्षम टिकाऊ समुद्री खाद्य उत्पादन के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

निर्यात 11.8% घटकर 34.38 अरब डॉलर पर

अमेरिका के लगाए भारी शुल्क से अक्टूबर माह में आई गिरावट, व्यापार घाटा भी रिकॉर्ड 41.68 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश का आयात 16.63 प्रतिशत बढ़कर 76.06 अरब डॉलर हुआ
- सोने का आयात 200% बढ़ा, चांदी में 528.71% की वृद्धि

अमेरिका के लगाए भारी शुल्क के प्रभाव से अक्टूबर में भारत का निर्यात 11.8% घटकर 34.38 अरब डॉलर रह गया। वहीं सोने के आयात में उछाल के कारण व्यापार घाटा बढ़कर 41.68 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सोना, चांदी, कपास कच्चा/अपशिष्ट, उर्वरक और सल्फर की अधिक आवक से देश का आयात 16.63 प्रतिशत बढ़कर 76.06 अरब डॉलर हो गया। व्यापार घाटा सितंबर में बढ़कर 31.15 अरब डॉलर रहा था। सोने का आयात अक्टूबर में लगभग 200 प्रतिशत बढ़कर 14.72 अरब डॉलर हो गया, जबकि चांदी का आयात 528.71 प्रतिशत बढ़कर 2.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अक्टूबर में कच्चे तेल का आयात घटकर 14.8 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 18.9 अरब डॉलर था।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान निर्यात मामूली रूप से 0.63 प्रतिशत बढ़कर 254.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान व्यापार घाटा 196.82 अरब रह गया जो अप्रैल-अक्टूबर, 2024 के दौरान 171.40 अरब डॉलर था।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, हम अपनी स्थिति पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने निर्यात में गिरावट का कारण आधार प्रभाव (अक्टूबर, 2024 में 38.98 अरब डॉलर) भी हो सकता है। मुख्य क्षेत्रों जैसे कि इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न और आभूषण, परिधान और वस्त्र, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, फार्मास्युटिकल्स, और प्लास्टिक उत्पादों में स्पष्ट कमी देखी गई, जिसने कुल निर्यात प्रदर्शन को प्रभावित किया। हस्तशिल्प, कालीन, चमड़ा, लौह अयस्क, चाय, चावल, तंबाकू, मसाले और तेल खली के निर्यात में भी अक्टूबर में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 10.5 प्रतिशत घटकर लगभग चार अरब डॉलर रह गया, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 16.71 प्रतिशत घटकर 9.37 अरब डॉलर रह गया। अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी-भरकम शुल्क लगा रखा है, जिसका असर देश के निर्यात पर पड़ रहा है।

निर्यात में यह कमी व्यापक वैश्विक आर्थिक सुस्ती का प्रतीक : फियो अध्यक्ष रल्हन

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि निर्यात में यह कमी व्यापक वैश्विक आर्थिक सुस्ती का प्रतीक है, जो भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कई प्रमुख बाजारों में कम मांग और वस्तुओं की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के चलते है। बढ़ते व्यापार घाटे पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्णायक और समय पर नीतिगत हस्तक्षेप का आग्रह किया। उन्होंने निर्यात समर्थन उपायों को बढ़ाने, विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ को तेजी से जारी करने, बेहतर और किफायती ऋण पहुंच और अनुपालन बोझ को कम करने की आवश्यकता दोहराई ताकि निर्यातक चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिवेश में प्रतिस्पर्धी बने रह सकें। अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में सेवाओं के निर्यात का अनुमानित मूल्य 38.52 अरब डॉलर है, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 34.41 अरब डॉलर था।

अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी का होगा आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय कंपनियों ने किया एक साल का समझौता

भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने 2026 में अमेरिका से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आयात करने के लिए एक वर्ष का समझौता किया है। इस कदम को अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। यह मुद्दा राष्ट्रपति ट्रंप के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है।

सोमवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने अनुबंध वर्ष 2026 के लिए अमेरिकी खाड़ी तट से 22 लाख टन एलपीजी आयात करने को एक वर्षीय संरचित अनुबंध किया है। अनुबंधित मात्रा भारत के वार्षिक एलपीजी आयात का 10% है और यह भारतीय बाजार के लिए पहला ऐसा अमेरिकी एलपीजी अनुबंध है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) वर्ष 2026 में 48 बहुत बड़े गैस वाहक जहाजों के बराबर एलपीजी आयात करेंगी। इनकी आपूर्ति अमेरिकी कंपनियां शेवरॉन, फिलिप्स और टोटलएनर्जीज़ ट्रेडिंग एसए करेंगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस एलपीजी समझौते की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक शुरुआत! दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते एलपीजी बाजारों में से एक अब अमेरिका के लिए खुल रहा है।

निवेशकों की संख्या दोगुना करेगी सेबी : पांडेय

मुंबई, एजेंसी

- सेबी प्रमुख ने हाल ही में कराए सर्वेक्षण का दिया हवाला

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बाजार नियामक तीन से पांच साल में शेयर बाजार निवेशकों की संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। पांडेय ने हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सर्वेक्षण के निष्कर्षों का हवाला दिया। यह सर्वेक्षण निवेश के प्रति उत्सुकता को दर्शाता है।

सर्वेक्षण में 20% से अधिक लोगों ने कहा कि वे प्रतिभूति बाजार में निवेश करने की योजना बना रहे हैं। पांडेय ने कहा कि हम निवेशकों की संख्या को दोगुना करने की उम्मीद कर रहे हैं। अगर हम 10 करोड़ और निवेशक जोड़ दें तो यह कई देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक होगा। भारत में विशिष्ट निवेशकों की कुल संख्या अक्टूबर तक 12.2 करोड़ थी और 2020 में कोविड के बाद से यह संख्या तेजी से बढ़ी है। पांडेय ने उद्योग मंडल सीआईआई वित्त पोषण शिखर सम्मेलन में कहा कि पूंजी बाजार परिवेश में यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि बाजार में अच्छी गुणवत्ता वाली प्रतिभूति आएं जो निवेशकों का ध्यान आकर्षित करें। निवेशकों की रुचि उच्च आर्थिक वृद्धि, सरकार के किए सुधारों और निवेश और कारोबार सुगमता से प्रेरित है। घरेलू निवेशक आने वाले झटकों के खिलाफ ढाल बनेंगे। सेबी का एजेंडा नए नियम जोड़ना नहीं है, बल्कि बेहतर नियम पुस्तिका तैयार करना है जो आसान हो। जिन जोखिमों का समाधान करना है उनके अनुपात में हो और नवाचार का समर्थन करे।

बाजारों से मिले विश्वास के कई संकेत

पांडेय ने कहा कि बाजारों में परिपक्वता और लोगों के विश्वास के कई संकेत मिले हैं और इस संदर्भ में उन्होंने कुछ आंकड़े भी दिए। पांडेय ने कहा कि 2025-26 में, इक्विटी पूंजी 2.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जबकि कॉरपोरेट बॉण्ड सात महीनों में 5.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गए। ये जनता के इस विश्वास को दर्शाते हैं कि बाजार दीर्घकालिक वित्तपोषण को कुशलतापूर्वक और विश्वसनीय रूप से पूरा कर सकते हैं।

यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड से वार्ता अंतिम चरण में

नई दिल्ली, एजेंसी

मुक्त व्यापार समझौता

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ भारत की मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत अंतिम चरण में है और जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एक भारतीय दल दोहरे योगदान सम्मेलन (डीसीसी) समझौते पर चर्चा के लिए ब्रिटेन में है।

अग्रवाल ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरा हो जाएगा ताकि दोनों (डीसीसी और एफटीए) एक साथ शुरू किए जा सकें। भारत और ब्रिटेन ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया है क्योंकि इसके लिए ब्रिटेन की संसद की मंजूरी की जरूरत है। अग्रवाल ने यूरोपीय संघ के साथ बातचीत के बारे में कहा कि बातचीत अंतिम चरण में है। लेकिन अंतिम चरण हमेशा कठिन होता है। सचिव ने कहा कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत भी अंतिम चरण में है। हमें उम्मीद है कि हम जल्द से जल्द बातचीत को पूरा कर लेंगे। अंतिम चरण में समय लग सकता है।

सचिव ने कहा कि इसके अलावा दो दक्षिण अमेरिकी देशों पेरू और चिली के साथ भी बातचीत जारी है। पेरू के साथ, प्रगति हो रही है और हमें इसमें प्रगति देखने की उम्मीद है। चिली से भी बातचीत अच्छी गति से बढ़ रही है और चौथे दौर की वार्ता दिसंबर में होने वाली है। उन्होंने आसियान के साथ मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा के संबंध में कहा कि यह एक कठिन समीक्षा है, लेकिन हम प्रगति कर रहे हैं। अग्रवाल ने कहा कि दिसंबर में वार्ता का एक और दौर होने की संभावना है जहां हमें कुछ और सकारात्मक प्रगति देखने को मिल सकती है।

आसियान के 10 देश ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम हैं।

भारत-अमेरिका का पहला चरण पूरा होने के करीब

नई दिल्ली। प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का पहला चरण लगभग पूरा होने वाला है और इसमें अमेरिकी बाजार पहुंच संबंधी मुद्दों के अलावा भारतीय वस्तुओं पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी शुल्क का समाधान भी शामिल होगा। एक सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका ने भारत पर 25% और रूसी कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाली भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25% शुल्क लगाया है। अधिकारी ने कहा कि हम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिका से बातचीत कर रहे हैं। इसके दो चरण हैं। एक चरण की बातचीत में समय लगेगा। दूसरा चरण एक पैकेज है जो शुल्कों को संबोधित कर सकता है। हम दोनों पहलुओं पर काम कर रहे हैं। शुल्कों को संबोधित करने वाला पैकेज पूरा होने के करीब है और हमें इसे जल्द ही प्राप्त हो जाना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि इस समझौते से भारत पर 25% जुर्माने के मुद्दे का समाधान होने की उम्मीद है, अन्यथा इस समझौते का कोई मतलब नहीं होगा।

- समझौते से भारत पर 25% जुर्माने के मुद्दे का समाधान होने की उम्मीद

राष्ट्रीय

निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार न करें : सुप्रीम कोर्ट

महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा- उल्लंघन होने पर चुनाव पर लगा देंगे रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार से कहा कि अगले महीने होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक न हो तथा चेतावनी दी कि यदि आरक्षण की सीमा का उल्लंघन हुआ, तो चुनाव पर रोक लगा दी जाएगी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव 2022 की जेके बांठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले की स्थिति के अनुसार ही कराए जा सकते हैं, जिसमें ओबीसी श्रेणियों में 27% आरक्षण की सिफारिश थी। महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर पीठ ने मामले की सुनवाई 19 नवंबर के लिए तय की, लेकिन राज्य सरकार से कहा कि वह 50% की सीमा से आगे न बढ़े।

शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर नामांकन शुरू हो गया है और अदालत को काम रोक देना चाहिए, तो हम चुनाव पर रोक लगा देंगे। अदालत की शक्तियों का इम्तिहान न लें। पीठ ने कहा कि हमारा संविधान पीठ द्वारा तय 50% आरक्षण सीमा को पार करने का इरादा नहीं था। हम दो न्यायाधीशों वाली पीठ में बैठकर ऐसा नहीं कर सकते। बांठिया आयोग की रिपोर्ट अब भी विचाराधीन है, हमने पहले की स्थिति के अनुसार चुनाव कराने की अनुमति दी थी।

दिल्ली प्रदूषण : दीर्घकालिक समाधान पर जोर, साल भर पाबंदी से इन्कार

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक समाधान की वकालत करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रेप) के तहत प्रतिबंधों को साल भर लागू नहीं किया जा सकता। 'ग्रेप' प्रदूषण नियंत्रण के लिए आपातकालीन उपायों का समूह है। शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से कहा कि वे दोनों राज्यों में पराली जलाने के मुद्दे पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि अगर सीएक्यूएम द्वारा पंजाब और हरियाणा को दिए सुझावों पर अमल किया जाता है, तो पराली जलाने की समस्या से पर्याप्त रूप से निपटा जा सकता है। इसलिए हम दोनों राज्यों को एक संयुक्त बैठक करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश देते हैं कि सीएक्यूएम के सुझावों का ईमानदारी से पालन किया जाए। पीठ ने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने 11 नवंबर को बैठक की थी और एक दिन के भीतर प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी को अगली सुनवाई की तारीख 19 नवंबर को पूरी कार्ययोजना से अदालत को अवगत कराने के लिए कहा गया है, जब अदालत इस मामले में निर्देश भी जारी करेगी। शुरुआत में पीठ ने कहा कि समय-समय पर वायु प्रदूषण के उच्च स्तर से निपटने के लिए कई आदेश पारित किए गए हैं।

बुजुर्ग महिला वकील से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी के आरोपियों की रिहाई रोकी

सुप्रीम कोर्ट ने एक दुर्लभ कदम उठाते हुए उन लोगों को जेल से रिहा करने से रोक दिया जिन पर शीर्ष अदालत की 72 वर्षीय महिला वकील से डिजिटल अरेस्ट कर 3.29 करोड़ की ठगी करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि मामले में असाधारण आदेश की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, हमें इन मामलों से सख्ती से निपटना होगा ताकि सही संदेश जाए। एक असाधारण घटना के लिए असाधारण हस्तक्षेप की जरुरत है। पीठ नेसुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) द्वारा दायर हस्तक्षेप आवेदन को रिकॉर्ड में लिया, जिसमें महिला वकील के मामले को आगे बढ़ाया गया और अपराध के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आग्रह किया गया। एससीएओआरए के अध्यक्ष विपिन नायर ने कहा कि बुजुर्ग महिला वकील की सारी जमा पूंजी चली गई और इस वर्ष मई में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किए गए आरोपी वैधानिक जमानत पर रिहा होने वाले हैं।

टेट्रा पैक में शराब की बिक्री बेहद खतरनाक और भ्रमित करने वाली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टेट्रा पैक में शराब की बिक्री बेहद खतरनाक और भ्रमित करने वाली है। साथ ही शीर्ष अदालत ने पूछा कि क्या टेट्रा पैक में शराब की बिक्री की अनुमति दी जानी चाहिए? न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश की दो बड़ी शराब कंपनियों के बीच ट्रेडमार्क विवाद पर सुनवाई के दौरान यह तल्ख टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता ने दोनों कंपनियों के टेट्रा पैक पीठ के समक्ष पेश किए तथा उनके बीच समानता की ओर इशारा किया। पीठ ने आश्चर्य जताया कि सरकार ने टेट्रा पैक में शराब की बिक्री की अनुमति दे दी है। उसने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। यह मामला जॉन डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड (जो ओरिजिनल चॉइस व्हिस्की बेचती है) और एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड (जो ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाती है) के बीच ट्रेडमार्क विवाद से जुड़ा है। शीर्ष अदालत ने दोनों कंपनियों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एल. नागेश्वर राव को मध्यस्थ नियुक्त किया।

हवाई किराए में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव रोकने संबंधी याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें भारत में निजी विमानन कंपनियों द्वारा लागू हवाई किराए और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए बाध्यकारी नियामक दिशानिर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर सुनवाई को सहमत हो गई, जिन्होंने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्री सुरक्षा के लिए मजबूत, स्वतंत्र नियामक स्थापित करने की मांग की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर याचिका पर उनका जवाब मांगा और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की। इसमें याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रवींद्र श्रीवास्तव और अधिवक्ता चारु माथुर तथा अभिनव वर्मा उपस्थित हुए। सभी निजी एयरलाइन ने बिना ठोस कारण के, इकोनॉमी क्लास के यात्रियों के लिए मुफ्त चेक-इन बैगेज भत्ते को 25 से घटाकर 15 किग्रा कर दिया है, जिससे पहले टिकट सेवा का हिस्सा रहे सामान को राजस्व के नए स्रोत में बदला गया है। चेक-इन के लिए एक सामान ले जाने की अनुमति की नई नीति और यात्रियों को किसी भी प्रकार की छूट, मुआवज़ा या लाभ न देना, इस उपाय की मनमानी और भेदभावपूर्ण प्रकृति को दर्शाता है।

केरल : एसआईआर कार्य का बीएलओ ने किया बहिष्कार

एसआईआर कार्य के विरोध में प्रदर्शन करते बीएलओ।

तिरुवनंतपुरम। केरल में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने काम के तनाव के कारण एक अधिकारी द्वारा आत्महत्या करने की घटना के बाद कार्य का बहिष्कार किया, जिससे राज्य में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया सोमवार को प्रभावित रही।

कन्नूर के पय्यान्नूर में बीएलओ के रूप में कार्यरत 44 वर्षीय अनीश जॉर्ज रविवार को अपने घर में फांसी पर लटके पाए गए थे। स्थानीय लोगों और जॉर्ज के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि उन्होंने यह कदम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े काम के दबाव में उठाया। राज्य सरकार कर्मचारी एवं शिक्षक कार्य परिषद और शिक्षक सेवा संगठनों की संयुक्त समिति समेत कर्मचारियों के श्रमिक संगठनों ने जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और मांग की कि बीएलओ पर अत्यधिक दबाव न डालें एवं एसआईआर को स्थगित करने पर विचार करें।

केरल एनजीओ एसोसिएशन ने भी प्रदर्शन किया और मांग की कि आत्महत्या की और घटनाओं को रोकने के लिए एसआईआर को रोका जाए।

वानी को आत्मघाती हमलावर बनाना चाहता था डॉ. उमर

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई महीने की ब्रेनवाश करने की कोशिश मगर नहीं हो सका कामयाब
- पूछताछ में जैश की आत्मघाती हमलावर तैयार करने की साजिश का किया खुलासा

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से गिरफ्तार किए गए दिल्ली विस्फोट के दूसरे आरोपी जसीर बिलाल वानी ने पूछताछ में कई राज खोले हैं। आतंकी संगठन जैश की भारत में हमलों के लिए आत्मघाती हमलावर तैयार करने की मुहिम का खुलासा करते हुए उसने बताया कि विस्फोट को अंजाम देने वाला डॉ.उमर उन नबी आत्मघाती हमलावर बनने के लिए कई महीने तक उसका ब्रेनवाश करने की कोशिश करता रहा था लेकिन उसने आत्महत्या के लिए इस्लाम में मनाही का जिक्र करते हुए इन्कार कर दिया था।

एनआईए के मुताबिक वानी राजनीति विज्ञान में स्नातक है। उमर की कोशिशों के बाद वह पिछले वर्ष अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में 'डॉक्टर मॉड्यूल' से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया था। वानी को पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया था और पूछताछ में उसने खुलासा किया था कि मॉड्यूल के अन्य लोग उसे प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद के लिए ओवर-ग्राउंड वर्कर बनाना चाहते थे, जबकि उमर कई महीनों से उसका ब्रेनवॉश कर आत्मघाती हमलावर बनने के लिए तैयार कर रहा था। उमर की यह कोशिश इस साल अप्रैल में उस समय नाकाम हो गई जब वानी ने खराब आर्थिक स्थिति और इस्लाम में आत्महत्या को निषिद्ध मानने का हवाला देते हुए इससे इंकार कर दिया था। एनआईए के मुताबिक आत्मघाती हमलावर बनाने की मुहिम की साजिश जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क की जांच में एक खतरनाक आयाम जोड़ती है।

तुर्किए से लौटने के बाद उमर ने विस्फोटकों का किया भंडारण

जम्मू-कश्मीर पुलिस को वानी ने बताया कि उमर में बदलाव 2021 में सहआरोपी डॉ. मुजम्मिल अहमद गनई के साथ तुर्किये की यात्रा के बाद आया, जहां दोनों जैश-ए-मोहम्मद के ओवर ग्राउंड वर्कर से मिले थे। एजेंसी के मुताबिक तुर्किये की यात्रा के बाद अल फलाह विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले उमर और गनई ने खुले बाजार से भारी मात्रा में रसायन इकट्ठा करना शुरू कर दिया, जिसमें 360 किग्रा अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट और सल्फर शामिल थे, जिनमें से अधिकांश को विश्वविद्यालय परिसर के पास संग्रहीत किया गया था।

6 माह महिला को रखा डिजिटल अरेस्ट, 32 करोड़ ठगे

बेंगलुरु, एजेंसी

- सीबीआई बनकर महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर दबाव डालकर कराए 187 बैंकिंग लेनदेन

कर्नाटक के बेंगलुरु की 57 वर्षीय महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने छह महीने से अधिक समय तक चले डिजिटल अरेस्ट में करीब 32 करोड़ गंवा दिए। कर्नाटक में यह सबसे बड़ी साइबर धोखाधड़ी है और इस संबंध में मामला दर्ज हुआ है।

धोखेबाजों ने सीबीआई बनकर स्काइप से महिला की निगरानी कर उसे डिजिटल अरेस्ट कर रखा था। ठगों ने महिला को गिरफ्तारी की धमकी दी और उससे सारी वित्तीय जानकारी ली तथा 187 बैंकिंग लेनदेन का दबाव डाला। शहर के इंदिरानगर की सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने शिकायत में कहा कि क्लीयरेंस लेटर मिलने तक धोखबाजों ने उसे छह महीने तक 'डिजिटल अरेस्ट' के धोखे में रखा। इसकी शुरुआत 15 सितंबर, 2024 को एक व्यक्ति के फोन से हुई, जिसने डीएचएल अंधेरी से होने का दावा करते हुए आरोप लगाया कि उसके नाम से बुक किए पार्सल में क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट और एमडीएमए है और उसकी पहचान का दुरुपयोग हुआ है।

मेथिलीन-डाइऑक्सीमेथाम्फेटामीन (एमएमडीए) मादक पदार्थ होता है। इससे पहले कि महिला कोई जवाब दे पाती, कॉल स्थानांतरित की गई, जिसने कॉल ली उसने खुद को सीबीआई बताया और दावा किया कि सारे सबूत आपके खिलाफ हैं। जालसाज़ों ने उसे पुलिस से संपर्क नहीं करने की चेतावनी दी और कहा कि वे उसके घर पर नजर रख रहे हैं। परिवार और बेटे की होने वाली शादी के डर से, वह चुप रही। शिकायत के अनुसार महिला को दो स्काइप आईडी बनाने और वीडियो पर बने रहने का निर्देश दिया गया था। इसके अनुसार मोहित हांडा नामक एक व्यक्ति ने दो दिन तक उस पर नजर रखी, उसके बाद राहुल यादव ने एक हफ्ते तक उस पर नजर रखी। एक और जालसाज प्रदीप सिंह ने खुद को सीबीआई का वरिष्ठ अधिकारी बताया और उस पर अपनी बेगुनाही साबित करने का दबाव डाला। शिकायतकर्ता ने कहा कि ऐसा प्रतीत हुआ कि समूह को उसकी फ़ोन गतिविधि और लोकेशन की जानकारी थी, जिससे उसका डर और बढ़ गया। इस ठगों ने फायदा उठाकर बैंकिंग लेने देने कराएं।

वर्ल्ड ब्रीफ

टॉम क्रूज़ को मिला मानद ऑस्कर

लॉस एंजिल्स। मशहूर अभिनेता टॉम क्रूज़ को गवर्नर्स अवार्ड्स के दौरान अकादमी मानद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। क्रूज़ को मिशन इम्पॉसिबल श्रृंखला और टॉप गन फ्रेंचाइजी जैसी बड़ी फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए जाना जाता है। यह पुरस्कार फिल्म निर्माता एलेजांद्रो जी. इनारितु ने क्रूज को प्रदान किया। पुरस्कार ग्रहण करते वक्त 63 वर्षीय अभिनेता ने उन सभी लोगों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने फिल्मों को संभव बनाया। क्रूज़ ने कहा कि सिनेमा मुझे दुनिया भर में ले जाता है। इससे मुझे मतभेद दूर करने में मदद मिलती है।

इजराइल से निर्यात प्रतिबंध हटाएगा जर्मनी

बर्लिन। जर्मनी की सरकार ने सोमवार को कहा कि वह इजराइल को सैन्य उपकरणों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने जा रही है। यह प्रतिबंध तीन महीने पहले लगाए गए थे। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अगस्त की शुरुआत में कहा था कि बर्लिन इजराइल को ऐसे किसी भी सैन्य उपकरण के निर्यात को अधिकृत नहीं करेगा जिसका इस्तेमाल गाजा में किया जा सकता है। यह इजराइली कैबिनेट द्वारा गाजा शहर पर कब्जा करने के निर्णय की प्रतिक्रिया थी। चांसलर मर्ज के प्रवक्ता स्टीफन कोर्नेलियस ने जर्मनी की न्यूज एजेंसी डीपीए को बताया कि प्रतिबंध 24 नवंबर से हटा लिए जाएंगे।

प्रवासी सम्मान पाने वाले बेजालेल का निधन

यरुशलम। इजराइल में एक चरवाहे के रूप में काम करने से लेकर अपने अथक परिश्रम से कृषि क्षेत्र में जाना पहचाना नाम बनने, साथ ही प्रवासी भारतीय सम्मान प्राप्त करने वाले भारतीय मूल के उद्यमी एलियाहू बेजालेल का रविवार को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बेजालेल मूल रूप से केरल के गांव चेन्दमंगलम के रहने वाले थे लेकिन 1955 में 25 वर्ष की आयु में वह इजराइल आ गए थे। लेकिन यहां आने के बाद भी उनका अपनी मातृभूमि के साथ मजबूत भावनात्मक संबंध बना रहा था। उन्हें 2006 में प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान किया गया था जो भारत द्वारा प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

शंघाई उड़ान बहाल करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक फरवरी, 2026 से दिल्ली और शंघाई के बीच उड़ानें फिर से शुरू करेगी और लगभग छह वर्ष बाद चीन के लिए सीधी विमान सेवा बहाल होगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने 2020 की शुरुआत में कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर शंघाई के लिए सेवाएं बंद कर दी थीं। एक फरवरी से दिल्ली-शंघाई उड़ानें फिर से शुरू करने की सोमवार को घोषणा करते हुए एयर इंडिया ने यह भी कहा कि वह 2026 में मुंबई और शंघाई के बीच उड़ान की योजना बना रही है।

कांगो में खदान पर पुल ढहने से 32 की मौत

बुकावु। दक्षिण-पूर्वी कांगो में एक तांबा और कोबाल्ट खदान में अत्यधिक भीड़ के कारण एक पुल ढह गया जिससे 32 लोगों की मौत हो गई। प्रांत के गृह मंत्री रॉय कौम्बा मायोंडे ने बताया कि लुआलाबा प्रांत के मुलोंडो में कलांडो खदान का पुल शनिवार को ढह गया। खनन विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि घटनास्थल पर सैनिकों की गोलीबारी से खनिकों में दहशत फैल गई और वे पुल की ओर भागे जिससे पुल ढह गया तथा वे एक-दूसरे के ऊपर गिर गए जिससे कई लोग हताहत हुए।

नाइजीरिया में 25 छात्राओं का विद्यालय से अपहरण

अबुजा, एजेंसी

- बंदूकधारियों ने स्कूल के एक कर्मचारी की हत्या भी की

अफ्रीकी देश नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित एक हाई स्कूल पर बंदूकधारियों ने सोमवार सुबह हमला कर 25 छात्राओं का अपहरण कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नाइजीरिया के उत्तरी क्षेत्र में स्कूल अपहरण की नवीनतम घटना में स्कूल का एक कर्मचारी मारा गया तथा एक अन्य घायल हो गया। उसने बताया कि केब्बी राज्य के बोर्डिंग स्कूल से अपहरण की इस घटना की जिम्मेदारी अब तक किसी समूह ने नहीं ली है।

पुलिस के मुताबिक घटना स्थानीय समयानुसार तड़के चार बजे हुई और लड़कियों को उनके छात्रावास से अगवा किया गया। पुलिस प्रवक्ता नफीउ अबुबकर कोटारकोशी ने बताया कि बोर्डिंग स्कूल राज्य के डैंको-वासागु इलाके के मागा में स्थित है। कोटरकोशी ने बताया कि हमलावर अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे और लड़कियों का अपहरण करने से पहले उन्होंने सुरक्षाकर्मियों के साथ गोलीबारी की। एक संयुक्त टीम संदिग्धों के भागने के मार्गों और आसपास के जंगलों में समन्वित खोज और बचाव अभियान चला रही है, जिसका उद्देश्य अपहृत छात्राओं को छुड़ाना और अपराधियों को गिरफ्तार करना है।

सत्ता के सिंहासन से फांसी के तख्त तक

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को उनके देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) द्वारा मौत की सजा सुनाई गई है। हसीना ने फैसले की निंदा करते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया। बांग्लादेश की अदालत द्वारा सुनाया गया यह फैसला दुनिया में पहला नहीं है, अब तक दुनिया भर में कई राष्ट्राध्यक्षों या राष्ट्र प्रमुखों को उनके देश में मौत की सजा दी गई या उन्हें अन्य गंभीर दंड दिए गए हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक देश के अपने कानून और न्याय प्रणाली हैं, और मौत की सजा का उपयोग और प्रावधान भिन्न होता है।

राष्ट्राध्यक्षों को मौत की सजा

हसीना के मामले में भारत के पास विकल्प

- **प्रत्यर्पण संधि :** भारत और बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के अनुरोध पर वांछित व्यक्तियों को सौंप सकते हैं।
- **राजनयिक प्रयास :** भारत सरकार बांग्लादेश के साथ राजनयिक प्रयास कर सकती है ताकि शेख हसीना के मामले का समाधान निकाला जा सके।
- **अंतर्राष्ट्रीय मंच :** भारत इस मामले को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी उठा सकता है, जैसे कि संयुक्त राष्ट्र या अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में, ताकि बांग्लादेश पर दबाव बनाया जा सके।
- **शरण की स्थिति :** भारत सरकार शेख हसीना को शरण देने का निर्णय ले सकती है, अगर उन्हें लगता है कि बांग्लादेश में उनके जीवन को खतरा है या उन्हें न्याय नहीं मिलेगा।

इन राष्ट्राध्यक्षों को मिली थी फांसी

- **निकोले चाऊशेस्कु :** रोमानिया के पूर्व राष्ट्रपति को 1989 में नरसंहार, क्रूर दमन, भ्रष्टाचार और राष्ट्र की संपत्ति लूटने जैसे गंभीर आरोपों में दोषी पाया गया और तुरंत मौत की सजा सुनाई गई।
- **ज़ुल्फिकार अली भुट्टो :** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री को 1979 में एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के आरोप में फांसी दी गई थी।
- **सद्दाम हुसैन :** इराक के पूर्व राष्ट्रपति को 2006 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए फांसी दी गई थी।
- **लिबिया के पूर्व नेता मुअम्मर गद्दाफी :** उन्हें 2011 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए पीट-पीटकर मार दिया गया था।
- **फ्रांसिस्को मैकियास न्गुएमा :** इक्वेटोरियल गिनी के पूर्व राष्ट्रपति को 1979 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए फांसी दी गई थी।
- **बेनिटो मुसोलिनी :** इटली के फासीवादी नेता बेनिटो मुसोलिनी को दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मार दिया गया था।
- **मोहम्मद नजीबुल्लाह :** अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नजीबुल्लाह को तालिबान ने मौत की सजा दी थी।

भारत के सामने चुनौतियां

- **बांग्लादेश के साथ संबंध :** भारत को इस मामले में बहुत सावधानी से कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि बांग्लादेश के साथ संबंध खराब न हों।
- **क्षेत्रीय स्थिरता :** भारत को क्षेत्रीय स्थिरता को भी ध्यान में रखना होगा, क्योंकि इस मामले में कोई भी गलत कदम उठाने से क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।
- **शेख हसीना का भविष्य :** भारत को शेख हसीना के भविष्य को भी ध्यान में रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें न्याय मिले और उनके अधिकारों का हनन न हो।

रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अब लगाएंगे बहुत कड़ी पाबंदियां

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दी चेतावनी, कहा-हम कड़े कानून पर आगे बढ़ रहे

- ट्रंप प्रशासन ने भारत पर लगाया है 50 प्रतिशत शुल्क

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि जो भी देश रूस के साथ व्यापार करेगा, उस पर बहुत कड़ी पाबंदियां लगाई जाएंगी। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन और रिपब्लिकन सांसद मॉस्को को निशाना बनाने वाले कड़े कानून पर आगे बढ़ रहे हैं। रविवार को एक प्रेस वार्ता में ट्रंप से पूछा गया कि क्या रूस और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालने के लिए कांग्रेस द्वारा उपाय लागू करने का समय आ गया है, इस पर उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कि वे ऐसा कर रहे हैं और यह ठीक है।

ट्रंप ने कहा, वे कानून पारित कर रहे हैं, रिपब्लिकन कानून ला रहे हैं, रूस के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर बहुत कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। वे उसमें ईरान को भी शामिल कर सकते हैं, यह सुझाव मैंने दिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोहराया, जो कोई भी देश जो रूस के साथ व्यापार करेगा, उसे बहुत कड़ी पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा। हम इसमें ईरान को भी शामिल कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है जो दुनिया में सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। इसमें रूसी तेल की खरीद को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। सांसद लिंडसे ग्राहम द्वारा पेश किए गए एक विधेयक में रूसी तेल की द्वितीयक खरीद और पुनः बिक्री पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप।

प्रस्ताव को अमेरिकी संसद का समर्थन

इस प्रस्ताव को संसद की विदेश संबंध समिति में लगभग सर्वसम्मत समर्थन मिला है। ग्राहम और सांसद रिचर्ड ब्लूमेंथल ने संयुक्त रूप से रूस प्रतिबंध अधिनियम 2025 पेश किया है, जिसका उद्देश्य उन देशों पर द्वितीयक शुल्क और प्रतिबंध लगाना है जो यूक्रेन में पुतिन के बर्बर युद्ध को जारी रखने के लिए धन मुहैया कराते हैं। इस प्रस्तावित कानून के संसद में 85 सह-प्रायोजक हैं।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो से बात करेगा अमेरिका

वेस्ट पाम बीच। अमेरिका के सबसे उन्नत विमानवाहक पोत की तैनाती के जरिए वेनेजुएला के पास सैन्य उपस्थिति बढ़ाए जाने के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनका देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के साथ बातचीत कर सकता है। ट्रंप ने मादुरो के साथ संभावित चर्चा के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी लेकिन उन्होंने कहा कि वेनेजुएला बातचीत करना चाहेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने मादक पदार्थों के परिवहन के संदेह में पोतों के खिलाफ कई सैन्य हमले किए हैं। अमेरिकी नौसेना ने एक बयान जारी कर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड और अन्य युद्धपोतों की तैनाती की घोषणा की। अमेरिकी प्रशासन इसे मादक पदार्थ के खिलाफ अभियान के लिए महत्वपूर्ण मानता है लेकिन इसे मादुरो के विरुद्ध दबाव बढ़ाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप से रविवार को पूछा गया कि उनकी इस बात का क्या मतलब है कि मादुरो बातचीत करना चाहते हैं तो उन्होंने कहा कि इसका क्या मतलब है? आप ही बताइए, मुझे नहीं पता। अमेरिका के 'ऑपरेशन सदर्न स्पीयर' मिशन के तहत नौसेना के लगभग एक दर्जन पोत और लगभग 12,000 नाविक और मरीन क्षेत्र में तैनात किए गए हैं।

कोर्ट का फैसला पक्षपातपूर्ण व राजनीति से प्रेरित : शेख हसीना

- बांग्लादेश अपराध न्यायाधिकरण ने सुनाई है मौत की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को उनके देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) द्वारा उन्हें मौत की सजा सुनाए जाने के फैसले की निंदा करते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया। हसीना ने न्यायाधिकरण के फैसले के बाद जारी एक बयान में कहा न्यायाधिकरण में धांधली की गई थी और इसे बिना किसी लोकतांत्रिक जनादेश वाली अनिर्वाचित सरकार द्वारा चलाया जा रहा था।

मेरे खिलाफ सुनाए गए फैसले एक धांधली वाले न्यायाधिकरण के हैं और पक्षपातपूर्ण तथा राजनीति से प्रेरित हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश की घरेलू युद्ध अपराध अदालत, अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने पिछले साल सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर कार्रवाई के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई है और इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है। मानवता के खिलाफ विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराई गईं हसीना पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया और वह फिलहाल भारत में निर्वासन में हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने स्थिति पर नियंत्रण खो दिया है लेकिन जो हुआ उसे नागरिकों पर पूर्व-नियोजित हमला नहीं कहा जा सकता। निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के तहत मुकदमे का सामना करने की अपनी इच्छा दोहराते हुए उन्होंने कहा, मैं अपने आरोपों का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरती जहां सबूतों का निष्पक्ष रूप से मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है। बांग्लादेश अवामी लीग की नेता ने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में निष्प्रभावी करने के लिए मौत की सजा को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। हसीना को सजा सुनाए जाने के बाद उनके समर्थकों ने राजधानी ढाका में विरोध प्रदर्शन किया

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद राजधानी ढाका में सुरक्षा के लिए तैनात सैन्य बल।

संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक से की अपील

हसीना ने अंतर्राष्ट्रीय मीडिया को दिए कई साक्षात्कारों में सभी आरोपों का खंडन किया और बताया कि प्रदर्शनकारियों को मारने के लिए इस्तेमाल की गई गोलियों की क्षमता बांग्लादेश पुलिस द्वारा इस्तेमाल की गई गोलियों से अलग थी। कई विश्लेषकों ने संकेत दिया है कि ये गोलियां स्नाइपर्स द्वारा चलाई गई हो सकती हैं। हसीना की कानूनी टीम ने निष्पक्ष सुनवाई के अधिकारों और उचित प्रक्रिया के अभाव को लेकर गंभीर चिंताओं का हवाला देते हुए न्यायेतर, मनमाने ढंग से की गई फांसी के मामलों में संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक से अपील की है।

टाइम्स स्क्वायर पर दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- प्रवासी भारतीय समुदाय ने मनाया साड़ी गोज ग्लोबल जश्न

यूयॉर्क के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर में भारतीय प्रवासी समुदाय और अन्य देशों की महिलाओं ने एक विशेष कार्यक्रम के दौरान साड़ी की खूबसूरती, विरासत, कलात्मकता और समुदाय के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण का जश्न मनाया। इस दौरान रंग-बिरंगी और विभिन्न शैलियों की साड़ियां इस लोकप्रिय स्थल पर छा गईं।

साड़ी गोज़ ग्लोबल कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का आयोजन रविवार को न्यूयॉर्क स्थित परोपकारी संगठन उमा ग्लोबल ने न्यूयॉर्क के भारतीय वाणिज्य दूतावास के सहयोग से किया।

उमा ग्लोबल द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस वर्ष के उत्सव में भारत, बांग्लादेश, ब्रिटेन, वेस्ट इंडीज, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका, अमेरिका के कई शहरों और स्थानीय न्यूयॉर्क निवासियों ने हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में काउंसलर (चांसरी प्रमुख) प्रज्ञा सिंह ने साड़ी के गहन सांस्कृतिक इतिहास और विविधता पर प्रकाश डाला।

यूक्रेन फ्रांस से 100 राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा

पेरिस। यूक्रेन ने फ्रांस से 100 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए अभिरुचि पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। पेरिस स्थित यूक्रेन के दूतावास और फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय ने बताया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने सोमवार को एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन राफेल विमानों सहित फ्रांसीसी रक्षा उपकरण खरीदने पर विचार कर रहा है।

भारत-चीन के बीच लंबे समय से जमी बर्फ पिघली

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेना प्रमुख बोले-सीमा पर स्थिति में बड़ा बदलाव आया

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा है कि भारत और चीन के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर निरंतर बातचीत से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति में काफी सुधार हुआ है और लंबे समय से जमी बर्फ पिघली है। सेना प्रमुख ने कहा कि भारत और चीन की सेनाओं के बीच पिछले एक वर्ष में 1100 बार जमीनी स्तर पर बातचीत हुई है और इनके अच्छे परिणाम मिले हैं।

जनरल द्विवेदी ने सोमवार को यहां 'चाणक्य रक्षा संवाद' के उद्घाटन कार्यक्रम में सवालों के जवाब में कहा, मैं कहना चाहूँगा कि पिछले एक साल में काफ़ी प्रगति हुई है। अक्टूबर 2024 से लेकर आज तक हमारे संबंधों में काफ़ी सुधार हुआ है। यह सुधार इसलिए हुआ है क्योंकि हमने अपने राजनीतिक नेताओं के साथ काफ़ी बातचीत की है। और दोनों ही इस बात पर आश्वस्त थे कि हम वहां जितनी सामान्य स्थिति लाएंगे, दोनों देशों के लिए उतना ही बेहतर होगा।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि अगर आप देखें, तो पिछले एक साल में, हमने लगभग 1,100 ज़मीनी स्तर की बातचीत की है। यानी, हर दिन लगभग तीन बातचीत हुई हैं। तो इसका मतलब है कि ज़मीनी स्तर पर हमारी बातचीत, पहले सिर्फ़ कोर कमांडर स्तर पर होती थी। अब हम इसे बटालियन कमांडर, कंपनी कमांडर स्तर, और फिर ज़मीनी कमांडर तक ले आए हैं। तो इसका क्या फ़ायदा? कई चीज़ें ऐसी होती हैं कि अगर हम ऊपरी स्तर पर जाते हैं, तो हम मुश्किल में पड़ जाते हैं। लेकिन अगर हम निचले स्तर पर जाते हैं, तो उनका हमेशा समाधान हो जाता है। इसलिए हमारी कोशिश यही है कि हम इस मामले का बोझ न बनें। जितना हम ज़मीनी स्तर पर हल कर सकते हैं, उतना हम कर सकते हैं।" जनरल द्विवेदी ने कहा कि बातचीत की प्रवृत्ति से निचले स्तर पर ही समस्याओं का समाधान हो रहा है लेकिन बड़े फैसले अभी भी उच्च स्तर पर ही लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़े फैसले अभी भी हमारे उच्च स्तर पर लिए जाएंगे। तो सबसे बड़ी बात जो हो रही है, वह यह है कि हम ज़मीनी स्तर पर जो समाधान खोज रहे हैं, उसके साथ जो हुआ है, वह यह है कि दोनों पक्षों में बातचीत करने की प्रवृत्ति है। दोनों पक्षों, क्योंकि ऊपर से भी निर्देश हैं, कि बातचीत में, जितना हल हो सके, जितना समाधान मिल सके, उसे भी खोजने की कोशिश करें।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवदी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 07.12 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

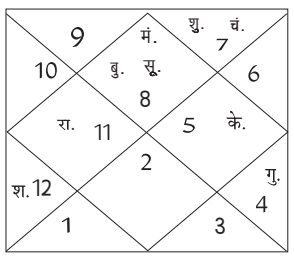

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-स्वाती पूर्ण रात्रि तक।

मेष — आज धार्मिक अनुष्ठानों में आप रुचि ले सकते हैं। किसी घटना को लेकर मन व्यथित हो सकता है। आप थोड़े नकारात्मक मूड में हो सकते हैं। बदहजमी और गैस की शिकायत हो सकती है। गरिष्ठ भोजन का सेवन न करें।

वृष — आज अपने मन की करें। युवाओं को नए करियर के अवसर मिलेंगे। राजनीतिक लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। दूसरों से अधिक सलाह न लें। मित्रों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर होंगे।

मिथुन — आज फाइनेंस संबंधी कार्यों को लेकर परेशानी होगी। महत्वपूर्ण पेपर्स को संभालकर रखें। रिश्तेदारों की चिंता हो सकती है। आपकी उपलब्धियों के कारण लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर चिंतित रहेंगे।

कर्क — आज आपके सभी कार्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। कमीशन संबंधी कार्यों से आपको लाभ प्राप्त होगा। समाज में आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। रुका हुआ धन आपको मिल सकता है।

सिंह — आज आपको यात्रा नहीं करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थलों पर जाने से बचें। किसी परिजन को लेकर चिंता रहेगी। गलत खानपान के कारण सेहत खराब हो सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

कन्या — आज अटके हुए कार्यों को पूरा करने का तनाव रहेगा। अचानक पुराने मित्रों से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। आपकी सलाह से लोगों के काम बनेंगे।

तुला — आज आपको पहले किए गए कठिन परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। बहुप्रतीक्षित कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच आपका सामर्थ्य बढ़ेगा। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ाएंगे और आप से किसी महत्वपूर्ण विषय पर राय भी लेंगे।

वृश्चिक — आज पुराना लोन चुका सकते हैं। बिना मांगे किसी को राय देने से बचें। पिता को लेकर चिंता हो सकती है। अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखें। आपको सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी को दिया हुआ वचन पूरा करें।

धनु — आज दिनचर्या के प्रति लापरवाही न रखें। घर में अकेलापन और बोरियत जैसा महसूस हो सकता है। अधिक काम के कारण पैरों में दर्द हो सकता है। नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें। मानसिक उदासीनता के कारण परेशान हो सकते हैं।

मकर — आज व्यवसाय में आपका मन लगेगा। जीवनसाथी के प्रति विश्वास बनाये रखें। किसी नए कार्य की योजना बना सकते हैं। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ने वाला है। आप छुट्टी के मूड में हो सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पूर्ण हो जाएंगे।

कुंभ — आज बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। ससुराल से मान-सम्मान प्राप्त होगा। सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन करें। परिजनों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। योजनाओं को उचित तरीके से क्रियान्वित करने का प्रयास करें।

मीन — आज नए व्यवसाय में आपका मन लगेगा। विद्यार्थियों को उन्नति के नए मार्ग मिलेंगे। आपकी बुद्धि और ज्ञान की प्रशंसा होगी। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। सेहत का ध्यान रखें, क्योंकि सर्दी की समस्या हो सकती है।

सुडोकू-164

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					1		3	
		4						
				7				
								1
2								
					2			
			7					
							6	
	5							

सुडोकू - 163 का हल

9	7	1	2	3	4	8	5	6
6	3	5	1	9	8	2	4	7
2	8	4	6	5	7	9	3	1
1	2	3	4	6	9	5	7	8
4	9	7	5	8	1	6	2	3
8	5	6	3	7	2	1	9	4
7	1	2	9	4	6	3	8	5
5	6	8	7	2	3	4	1	9
3	4	9	8	1	5	7	6	2

घरेलू मैदान पर हर कोई भारत से जीत की उम्मीद करता है। शुभमन गिल पर काफी अधिक दबाव है। वह में सभी प्रारूपों का कप्तान बनने की क्षमता है लेकिन मुझे नहीं लगता कि भारत के पास अब सभी प्रारूपों में एक अलग कप्तान होना चाहिए।

-अभिनव मुकुंद

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार 18 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

प्रधानमंत्री ने तीरंदाजी टीम की तारीफ की

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये भारतीय तीरंदाजी टीम को बधाई दी। मोदी ने एक्स पर लिखा कि भारतीय टीम ने छह स्वर्ण समेत दस पदक जीते और रिकर्व पुरूष वर्ग में 18 साल बाद ऐतिहासिक स्वर्ण जीता। उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस यादगार प्रदर्शन से देश भर में अनगिनत उदीयमान खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी।

एयर पिस्टल में अनुया प्रसाद ने स्वर्ण जीता

नई दिल्ली : युवा अनुया प्रसाद और प्रांजलि प्रशांत धूमल ने टोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक में सोमवार को महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक हासिल किया। अनुया ने अपने जन्मदिन पर बधिर फाइनल विश्व रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया जबकि प्रांजलि ने क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड तोड़कर फाइनल में जगह बनाई थी। पुरुषों की दस मीटर एयर पिस्टल में अभिनव देशवाल ने क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और रजत पदक जीता। भारत के दूसरे दिन निशानेबाजी में सात पदक हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन आज से

सिडनी : भारत की शीर्ष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार से सिडनी में शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में वापसी करते हुए इस सीजन का अपना पहला खिताब जीतने मैदान में उतरेंगे। पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में सातवें स्थान पर मौजूद सात्विक और चिराग बीडब्ल्यूएफ 2025 वर्ल्ड टूर में अपने 14 मुकाबलों में से आठ में सेमीफाइनल तक पहुंचे, लेकिन इस सीजन में अपने किसी भी अच्छे प्रदर्शन को खिताब में नहीं बदल पाए हैं। भारतीय जोड़ी ने साल की शुरुआत में हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई थी, पर दोनों ही मौकों पर उन्हें उपविजेता से संतोष करना पड़ा था।

कोलकाता में हार के बाद उठे सवाल

क्या घरेलू पिच को लेकर एकमत हैं शुभमन और गंभीर? गिल बोले थे- टीम 'टर्निंग' नहीं, अच्छी पिच चाहती है

कोलकाता, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 30 रन से भारत की शर्मनाक हार के बाद उपजे पिच विवाद के बीच बड़ा सवाल यह है कि युवा कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर क्या आदर्श घरेलू पिच को लेकर एक राय हैं? लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के अपनी सरजमीं पर न्यूनतम स्कोर पर सिमटने के बाद कई सवाल उठने लगे हैं।

एक महीना पहले ही अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले गिल ने कहा था कि टीम अब 'टर्निंग' नहीं बल्कि अच्छी पिच पर खेलना चाहती है। उन्होंने कहा था हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जिनसे गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को मदद मिले। इसके बावजूद भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट ऐसी पिच पर खेला जो उसके ठीक विपरीत थी जिसकी कप्तान गिल ने पैरवी की थी।

ईडन गार्डंस की पिच पर एक सप्ताह से अधिक पानी नहीं दिया गया था और कवर के भीतर रखी गई थी। पिच पूरी तरह से सूखी थी और पहले ही सत्र से टूटने लगी थी।

कोलकाता टेस्ट से पहले कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल ने किया था पिच का निरीक्षण। फाइल फोटो

इस पिच पर 38 विकेट गिरे जिनमे स्पिनरों ने 22 और तेज गेंदबाजों ने 16 विकेट लिए।

गंभीर ने हालांकि मैच के बाद कहा था कि पिच वैसी ही थी जैसी टीम प्रबंधन ने चाही थी। उन्होंने कहा अगर आप अच्छा नहीं खेलते तो क्या होगा। विकेट में कोई खराबी नहीं थी। अगर हम जीत गए होते तो पिच पर सवाल ही नहीं उठते। कप्तान गिल पहले ही दिन गर्दन में ऐंठन के कारण बाहर हो गए थे जिनकी गैर मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी में अनुशासन नजर नहीं आया। भारत ने अपनी सरजमीं पर पिछले छह में से चार टेस्ट गंवाये हैं जिससे अपनी धरती पर अजेय रहने की उसकी छवि को ठेस पहुंची है।

गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 में से आठ टेस्ट जीते हैं जिनमे से चार बांग्लादेश और वेस्टइंडीज जैसी कमजोर टीमों के खिलाफ जीते। भारतीय टीम के कोलकाता आने के बाद से पिच पर फोकस बना हुआ था। क्यूरेटर सुजन मुखर्जी से लगातार बैठकें होती रही। आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2001 में हुए मैच में लक्ष्मण. द्रविड़ . के चमत्कारिक प्रदर्शन के साक्षी रहे ईडन की पिच पर हरभजन सिंह भी भड़के हुए हैं।

चेतेश्वर पुजारा ने टीम के बदलाव के दौर से गुजरने की बात को खारिज करते हुए कहा अपने देश में हार स्वीकार्य नहीं है। बदलाव का दौर हो या नहीं।

गिल का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

कोलकाता : भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के सूत्रों ने पुष्टि की कि वह बुधवार को टीम के साथ गुवाहाटी नहीं जाएंगे। टीम का मंगलवार को वैकल्पिक ट्रेनिंग सत्र होगा। सूत्र ने पीटीआई से कहा उन्हें गर्दन में तेज दर्द है और हमें चोट के बारे में और विस्तार से बताने की अनुमति नहीं है। उन्हें गर्दन का कॉलर पहनना जारी रखना होगा। सूत्र ने कहा उन्हें तीन-चार दिन आराम करने और हवाई यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई है। इस स्थिति में उन्हें गुवाहाटी जाने की सलाह नहीं दी गई है। लेकिन हम उनकी प्रगति पर नजर रख रहे हैं और मंगलवार तक तस्वीर साफ हो जाएगी। भारतीय टीम को शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के लिए बुधवार को गुवाहाटी रवाना होना है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गिल की अब भी जांच की जा रही है और फिजियो तथा मेडिकल स्टाफ द्वारा एक और दौर का मूल्यांकन किया जाना है।

टेस्ट क्रिकेट को बर्बाद किया जा रहा: हरभजन

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व स्पिनर ने गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिच तैयार करने को विनाशकारी बताया

भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ईडन गार्डंस जैसी कम तैयार और गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिच को 'टेस्ट क्रिकेट का विनाश' करार देते हुए कहा कि इस तरह की स्थिति खिलाड़ियों के वास्तविक विकास में बाधा डालती है। हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

उन्होंने कहा उन्होंने जिस तरह का काम किया है, जिस तरह की पिचें इतने वर्षों से बनाई जा रही हैं, मैं उसे देखता आ रहा हूं। कोई इसके बारे में बात नहीं करता क्योंकि जब टीम जीत रही होती है तो सब ठीक लगता है। कोई विकेट ले रहा होता है और कोई विकेट लेकर महान बन रहा है। उन्होंने कहा ऐसे में सबको लगता है कि सब ठीक चल रहा है। यह चलन अभी से शुरू नहीं हुआ है। यह कई सालों से चला आ रहा है, और मुझे लगता है कि यह खेलने का गलत तरीका है। इस मैदान पर 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के दौरान 13 विकेट झटकने वाले हरभजन ने कहा कि अब इस मुद्दे पर विचार करने का समय आ गया है क्योंकि ऐसी पिचें खिलाड़ियों के विकास में योगदान नहीं देतीं। उन्होंने कहा आप किसी भी तरह से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, आप बस चक्की में बंधे बैल की तरह चक्कर लगा रहे हैं। आप जीत तो रहे हैं, लेकिन कोई वास्तविक लाभ नहीं है। एक क्रिकेटर के रूप में, आप आगे नहीं बढ़ रहे हैं।

भारत के लिए 103 टेस्ट में 417 विकेट लेने वाले हरभजन ने कहा यह इस बात पर विचार करने का समय है कि ऐसी पिचें आपको कहां लेकर जा रही है। यहां आपके बल्लेबाजों को यह नहीं पता होता है कि रन कैसे बनाने है और वह ऐसे दिख रहे हैं जैसे उन्हें बल्लेबाजी करना ही नहीं आता।

उत्तर प्रदेश के सामने तमिलनाडु की कड़ी चुनौती

चेन्नई, एजेंसी

नवोदित जी अजितेश ने तेज तर्रार 86 रनों की पारी की बदौलत तमिलनाडु ने एलीट ग्रुप ए रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के दूसरे दिन सोमवार को 455 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

दिन का खेल समाप्त होने के समय उत्तर प्रदेश ने अभिषेक गोस्वामी (नाबाद 54) की अर्धशतकीय पारी के दम पर एक विकेट पर 87 रन बना लिए है। तमिलनाडु ने कल के पांच विकेट पर 282 रन से आगे खेला शुरु किया। कल के शतकवीर बाबा इंद्रजीत ने दूसरे दिन सुबह के सत्र में केवल 21 रन जोड़े, लेकिन उनके आउट होने से पहले अजितेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 86 रन बनाये और तमिलनाडु की टीम 136.3 ओवर में 455 रन पर ऑल आउट हो गई। इससे पहले आज सुबह के सत्र में इंद्रजीत के साथ आए सोनू यादव ने अपने वरिष्ठ साथी का शानदार साथ दिया और दोनों ने छठे विकेट के लिए 10वें ओवर में 49 रन जोड़े। हालांकि,

सिद्धेश लाड के 170 रन के बाद शार्दुल के तीन विकेट से मुंबई ने पुडुचेरी पर कसा शिकंजा

मुंबई : सिद्धेश लाड की करियर की सर्वश्रेष्ठ 170 रन की पारी के बाद कप्तान शार्दुल ठाकुर के तीन विकेट से मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच के दूसरे दिन सोमवार को यहां पहली पारी पांच विकेट पर 630 रन पर घोषित करने के बाद 43 रन तक पुडुचेरी के चार विकेट चटकाकर दबदबा कायम किया। ठाकुर ने 32 गेंद में 56 रन (रिटायर हार्ट) की आक्रामक पारी खेलने के बाद पुडुचेरी की पारी के शुरुआती तीन गेंद में दो विकेट झटके और दिन का खेल खत्म होते समय उनका आंकड़ा 17 रन पर तीन विकेट था।

- रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए में 455 रनों के जवाब में उप्र ने एक विकेट पर बनाए 87 रन

जब उनकी साझेदारी ने गति पकड़नी शुरू की, तो 128 रन पर खेल रहे इंद्रजीत, नवोदित बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक यादव की गेंद पर आउट हो गए। कार्तिक यादव ने पांच विकेट लिए। इस दौरान इंद्रजीत ने अब प्रथम श्रेणी क्रिकेट में छह हजार रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 88 मैचों की 132 पारियों में हासिल की है, जिसमें 17 शतक और 31 अर्द्धशतक शामिल हैं, जिनमें उनका सर्वश्रेष्ठ 200 रन रहा है।

मार्करम ने टीम में बनाए रखने के लिए एलएसजी का जताया आभार

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम का मानना है कि आईपीएल टीम लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को चीजों को ज्यादा जटिल बनाने की जरूरत नहीं है और उन्हें अगले साल अहम मौकों को भुना कर जीत हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एलएसजी ने अगले महीने होने वाली छोटी नीलामी से पहले दाएं हाथ के बल्लेबाज मारक्रम को टीम में बरकरार किया है।

मार्करम ने 2025 सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों सहित 445 रन बनाए थे। उन्होंने ने एलएसजी के 'एक्स' पर साझा किये गये वीडियो में कहा यह बहुत अच्छा है। मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रेंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने कुछ अच्छे दोस्त बनाये और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। ऐसे में मैं रिटेन किए जाने के लिए बहुत आभारी हूं और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र का इंतजार कर रहा हूं। एलएसजी पिछले सत्र में छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रही थी।

मार्करम ने अगले सत्र की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वाकई अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि पिछले सत्र में हम बहुत पीछे थे। हम अगर कुछ अहम मौके को भुनाने में सफल रहते तो नतीजे अलग होते। उन्होंने कहा हम नॉकआउट में जगह बनाने के काफी करीब थे। मुझे लगता है कि हमने जो अच्छा किया है, उसे दोहराने की कोशिश करनी चाहिए और कुछ और मुश्किल मौकों को अपने पक्ष में करना चाहिये। मार्करम टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर आई द. अफ्रीका टीम का हिस्सा है।

राजस्थान रॉयल्स ने संगकारा को फिर से कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली : भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच पद से हटने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा को 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया। द्रविड़ ने इस साल अगस्त में फ्रेंचाइजी छोड़ दी थी। संगकारा 2021 से फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक रहे हैं। वह 2021 से 2024 तक मुख्य कोच की भूमिका भी निभा रहे थे। राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर पोस्ट किया क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा आईपीएल 2026 के लिए मुख्य कोच के रूप में भी कार्यभार संभालेंगे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ का कार्यकाल अचानक समाप्त हो गया, जो 2025 में लंबी अवधि के अनुबंध के साथ फ्रेंचाइज़ी में लौटे थे। टी20 विश्व कप विजेता पूर्व राष्ट्रीय कोच ने इस साल की शुरुआत में टीम के खराब प्रदर्शन की संरचनात्मक समीक्षा के बाद पद छोड़ दिया। राजस्थान रॉयल्स का पिछले सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था तथा उसकी टीम 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में से केवल चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी।

सिनर उपाधि बचाने में सफल

एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के खिताब के साथ इटली के यानिक सिनर(दाएं) व स्पेन के कार्लोस अल्काराज। एजेंसी

तूरिन, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपने चिर प्रतिद्वंदी और विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज कार्लोस अल्काराज को 7-6 (4), 7-5 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब बरकरार रखा।

यह इस साल पुरुष टेनिस में दबदबा बनाए रखने वाले इन दोनों खिलाड़ियों के बीच छठी भिड़ंत थी। इटली के सिनर ने अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने खिताब का बचाव किया, जो इस वर्ष अल्काराज पर उनकी दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने विंबलडन फाइनल में भी इस स्पेनिश खिलाड़ी को हराया था। इस साल दो ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर ने कहा, ''यह सत्र अविश्वसनीय रहा। इटली के अपने प्रशंसकों के सामने इस तरह से इसे समाप्त करना मेरे लिए बहुत ख़ास है। अल्काराज़ ने पहले ही वर्ष के अंत में नंबर एक रैंकिंग अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। वह वर्ष के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच खेली गई इस प्रतियोगिता में अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। अल्काराज अभी भी सिनर के साथ अपने करियर मुकाबलों में 10-6 से आगे हैं। सिनर और अल्काराज़ पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फ़ाइनल में आमने-सामने रहे हैं।

- एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में अल्काराज को हराया

मुझे उम्मीद है कि आप (सिनर) अगले साल के लिए तैयार रहोगे क्योंकि मैं आपके खिलाफ और अधिक फाइनल खेलने के लिए तैयार रहूंगा।

-कार्लोस अल्काराज़

अल्काराज़ ने सिनर को पांचवें सेट के टाईब्रेकर में हराकर फ्रेंच ओपन जीता। सिनर ने विंबलडन में बदला चुकता किया लेकिन अल्काराज़ अमेरिकी ओपन के फाइनल में फिर से जीत हासिल करने में सफल रहे। इस बीच युगल फाइनल में हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन ने जो सैलिसबरी और नील स्कुप्स्की को 7-5, 6-3 से हराया।

पुर्तगाल और नार्वे ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

लिस्बन, एजेंसी

पुर्तगाल और नार्वे ने आसान जीत के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप 2026 में रिकॉर्ड 48 टीमें भाग लेंगी।

पुर्तगाल ने अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अनुपस्थिति के बावजूद आर्मेनिया को 9-1 से हराकर इस दिग्गज फुटबॉलर को रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप में खेलने का मौका दिलाया। रोनाल्डो निलंबन के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए थे। नॉर्वे ने चार बार के विश्व कप चैंपियन इटली को 4-1 से हराया। यह नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी एर्लिंग हॉलैंड का पहला विश्व कप होगा। कुल 43 टीमें महाद्वीपीय क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों के जरिए विश्व कप में जगह बनाएंगी। अन्य दो टीमें मार्च में मैक्सिको में होने वाले छह टीमों वाले अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ़ से अपनी जगह पक्की करेंगी। तीनों मेज़बान देश स्वतः ही विश्व कप में अपनी जगह सुरक्षित कर चुके हैं।

जीत के बाद जश्न मनाते नार्वे के खिलाड़ी। एजेंसी

फिडे विश्व कप में अर्जुन ने ड्रॉ खेला

पणजी। अगले साल कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई करने की कोशिश में जुटे भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी ने फिडे शतरंज विश्व कप के क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में चीन के वेइ यि से ड्रॉ खेला। वहीं जर्मनी के अलेक्जेंडर डोंचेंको के लिये मुश्किलें खड़ी होती दिख रही है क्योंकि नोदिरबेक याकूबोएव ने सफेद मोहरों से पहला मुकाबला जीता।

अगर वह दूसरा मुकाबला ड्रॉ कराते हैं तो सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे। अर्जुन ने शुरूआत अच्छी की और लय बनाए रखी। दोनों खिलाड़ियों ने 31 चालों के बाद ड्रॉ पर सहमति जताई। उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने मैक्सिको के जोस एडुआर्डो मार्तिनेज से ड्रॉ खेला। वहीं अमेरिका के सैमुअल शैंकलैंड और रूस के आंद्रेइ एसिपेंको का मुकाबला भी ड्रॉ रहा।

विश्व निशानेबाजी | 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में जीता रजत पदक, भारत तीसरे स्थान पर रहा

गुरप्रीत वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड चूके

काहिरा, एजेंसी

ओलंपियन गुरप्रीत सिंह पुरुषों की 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में विश्व चैंपियन बनने के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन यहां ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में यूक्रेन के पावलो कोरोस्टाइलोव से इनर 10 (10 अंक का अंदरूनी हिस्सा) के अधार पर हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह विश्व चैंपियनशिप में गुरप्रीत का दूसरा व्यक्तिगत पदक है। उन्होंने इससे पहले 2018 में चांगवोन में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में ही रजत पदक जीत था।

भारत तीन स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ चीन और दक्षिण कोरिया के बाद तीसरे स्थान पर रहा। चीन ने 12 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य पदक सहित कुल 21 पदक

जीते। दक्षिण कोरिया ने सात स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक से दूसरा स्थान हासिल किया। गुरप्रीत ने दो दिन की प्रतियोगिता में प्रिसिजन और रेपिड चरणों में कुल 584 अंक जुटाए जिसमें 18 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में रहे। कोरोस्टाइलोव ने 29 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में मारे। उन्होंने अंतिम रेपिड दौर में 100 का परफेक्ट स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता। गुरप्रीत प्रिसिजन चरण के बाद 288 अंक (95,97,96) के साथ नौवें स्थान पर थे लेकिन दूसरे दिन वापसी करते हुए रेपिड चरण में 296 (98,99,99) का शानदार स्कोर बनाकर रजत पदक जीता। प्रिसिजन चरण के बाद 291 अंक के साथ शीर्ष रह मौजूद रहे यूक्रेन के निशानेबाज ने रेपिड चरण में 293 अंक हासिल करके गुरप्रीत के स्कोर की बराबरी की और 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में अधिक निशाने लगाकर खिताब जीता। प्रिसिजन चरण में हरप्रीत सिंह 291 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए पदक की दौड़ में थे लेकिन रेपिड चरण में 286 अंक ही बना पाए और नौवें स्थान पर रहे। एक अन्य भारतीय निशानेबाज साहिल चौधरी कुल 561 अंक (प्रिसिजन - 272 और रेपिड - 289) के कुल स्कोर के साथ 28वें स्थान पर रहे।

सम्राट, रविंदर ने जीता स्वर्ण पदक

भारत के लिए सम्राट राणा (10 मीटर एयर पिस्टल) और रविंदर सिंह (50 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल टीम) ने स्वर्ण पदक जीते। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन पुरुष), अनीश भानवाला (25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल), गुरप्रीत सिंह (25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल), ईशा सिंह और सम्राट राणा (10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम, 10 मीटर महिला एयर पिस्टल टीम और 50 मीटर पुरुष स्टैंडर्ड पिस्टल टीम) ने रजत पदक हासिल किए। ईशा (25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल), इलावेनिल वलारिवान (10 मीटर एयर राइफल), वरुण तोमर (10 मीटर एयर पिस्टल) ने लिए कांस्य जीते।